THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 272 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.8 2082 रविवार, 28 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+कैलेंडर मूल्य : 8 रुपये

संबलपुर हत्या के बाद बंगाली भाषियों का उत्पीड़न, जीरो एफआईआर दर्ज : ममता

कोलकाता, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर जिले में पश्चिम बंगाल के एक 30 वर्षीय प्रवासी मजदूर की कथित हत्या के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि मामले में 'जीरो एफआईआर' दर्ज की जा चुकी है और जांच के लिए राज्य पुलिस की एक टीम ओडिशा भेजी गई है। सीएम ने बीजेपी-शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ जबरन उत्पीड़न और हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के जांगीपुर क्षेत्र से गए प्रवासी मजदूरों को संबलपुर में गंभीर अत्याचारों का सामना करना पड़ा है।

आज के अंक के साथ आकर्षक कैलेंडर लेना ना भूलें

मनरेगा पर घमासान

> देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' 5 जनवरी से शुरू करेगी कांग्रेस

मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने किया एलान

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के खिलाफ देशभर में अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पांच जनवरी से पूरे देश में 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी।

वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने खड़गे की इस अपील का समर्थन किया है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद खड़गे ने बताया कि इस बैठक में कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को बचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर जनता के बीच जाएगी और सरकार के फैसले का विरोध करेगी। खड़गे ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं है, बल्कि यह संविधान की ओर से दिया गया काम करने का अधिकार है। इसे कमजोर या खत्म करना गरीबों और मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि मनरेगा को खत्म करने के फैसले से लोग नाराज हैं और सरकार को इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

खड़गे के अनुसार, कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रखेगी। खड़गे ने कहा, मनरेगा यूपीए सरकार का एक दूरदर्शी कानून था, जिसकी सराहना पूरी दुनिया में हुई। उन्होंने कहा कि इस योजना का असर इतना बड़ा था कि इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि (केंद्र की नरेंद्र) मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन, मूल्यांकन या राज्यों और राजनीतिक दलों से सलाह लिए इस कानून को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसा ही तरीका तीन कृषि कानूनों के साथ अपनाया था। उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ पूरे देश में आंदोलन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले का हर जगह विरोध होना चाहिए और इसके लिए 2015 में जमीन अधिग्रहण कानून में किए गए बदलावों को वापस लेने का उदाहरण दिया।

लोकतंत्र और संविधान पर हो रहा हमला

खड़गे ने कहा कि मनरेगा को खत्म किए जाने के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाने की जरूरत है। उन्होंने तीन कृषि कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह कड़े विरोध के बाद सरकार को वे कानून वापस लेने पड़े थे, उसी तरह मनरेगा के मामले में भी जनता की आवाज उठेगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की एक 'सुनियोजित साजिश' है। उन्होंने कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

संध्या थिएटर भगदड़ मामले में आरोपी बने अल्लू अर्जुन, 23 के खिलाफ चार्जशीट

> 2024 में पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान हुआ था हादसा
> 14 आरोपी गिरफ्तार, 9 आरोपियों को अग्रिम जमानत

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के संध्या 70एमएम थिएटर में हुई भगदड़ की घटना मामले में पुलिस जांच पूरी हो गई है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि मामले में विस्तृत और गहन जांच के बाद 24 दिसंबर 2025 को न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इस मामले में कुल 23 आरोपियों को चार्जशीट किया गया है। इनमें से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 9 आरोपियों ने अग्रिम जमानत प्राप्त की है, जिन्हें नियमानुसार नोटिस जारी किए गए हैं। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि घटना के दौरान थिएटर प्रबंधन, कार्यक्रम आयोजकों, निजी सुरक्षा कर्मियों और अन्य संबंधित लोगों द्वारा योजना निर्माण, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था तथा आपसी समन्वय में गंभीर लापरवाही बरती गई थी, जिसके चलते स्थिति बेकाबू हो गई। चार्जशीट में नामजद आरोपियों में थिएटर के मालिक व साझेदारों में अगामटी राम रेड्डी उर्फ पेद्दा राम रेड्डी, अगामटी राम रेड्डी उर्फ चिन्ना राम रेड्डी, एम. संदीप, एम. सुमीत उर्फ मित्तू, अगामटी विनय कुमार, अगामटी आशुतोष रेड्डी, एम. रेणुका देवी तथा अगामटी अरुणा रेड्डी शामिल हैं। इसके अलावा थिएटर प्रबंधक एम. नागाराजू और लोअर बालकनी

इंचार्ज व गेटकीपर गांधीकम विजय चंदर को भी आरोपी बनाया गया है। फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन उर्फ बन्नी को भी मामले में आरोपी संख्या 11 के रूप में चार्जशीट किया गया है। उनके मैनेजर जोस्या भाटला संतोष कुमार और शरत बन्नी उर्फ शरत चंद्र नायडू, फैंस एसोसिएशन इंचार्ज तातिपामुला विनय कुमार, इवेंट ऑर्गनाइज़र तल्ला किरण कुमार गौड़, उनके सहायक, निजी सुरक्षा गार्ड तथा बाउंसरों सहित कुल 23 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

समान अवसर मिलने पर पुरुषों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन करती हैं महिलाएं : राजनाथ सिंह

वलसाड (गुजरात), 27 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि महिलाओं ने साबित कर दिया है कि जब उन्हें समान अवसर मिलता है, तो वे पुरुषों जितना अच्छा या उससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। यह बात उन्होंने गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर में कही, जहां वह श्रीमद राजचंद्र सर्वमंगल महिला उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने पहुंचे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन संत श्रीमद राजचंद्र की विरासत सदियों तक लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी। केंद्र का निर्माण 11 एकड़ में हुआ है और यह महिलाओं को कौशल विकास और आजीविका में मदद करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में इसका शिलान्यास डिजिटल माध्यम से किया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि कि यह केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आध्यात्मिक चिंतन का समय देने में मदद करेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 'सेवा' की एला भट्ट और 'श्री महिला गृह उद्योग' की संस्थापक जसवंतीबेन पोपट ने समान अवसर मिलने पर पुरुषों की तरह या उनसे बेहतर प्रदर्शन किया।

पीएम मोदी ने प्रकाशोत्सव पर गुरु गोबिंद सिंह जी को दी श्रद्धांजलि

साहस और बलिदान को किया याद

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। आज देशभर में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्मदिन के अवसर पर प्रकाशोत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी ने गुरु जी के साहस, करुणा और बलिदान की याद दिलाई और कहा कि उनका जीवन पीढ़ियों को सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने हमेशा सेवा और निस्वार्थ कर्तव्य की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हम उनके सामने श्रद्धा के साथ झुकते हैं। उनका जीवन हमें

मानव सम्मान की रक्षा करने और धर्म के लिए खड़े होने की सीख देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर इस साल की अपनी यात्रा के दौरान तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने वहां श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के पवित्र जोड़े साहिब का दर्शन किया। पटना साहिब गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मस्थान है।

मुर्मू ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गुरु जी की एकता, करुणा और सभी के प्रति सम्मान की शिक्षाएं आज भी मानवता को मार्गदर्शन देती रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह, जो सिख धर्म के दसवें गुरु थे, संकट और कठिनाइयों में भी अपने आदर्शों के लिए समर्पण और साहस का प्रतीक हैं। उन्होंने अपने अनुयायियों को न्याय और आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए प्रेरित किया और उन्हें एकजुट किया।

सुकेश चंद्रशेखर रंगदारी केस में 217 करोड़ देने को तैयार

कोर्ट में सेटलमेंट ऑफर दिया, शिकायतकर्ता ने 200 करोड़ की वसूली का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने 200 करोड़ के रंगदारी मामले में शिकायतकर्ता अदिति सिंह को 217 करोड़ का सेटलमेंट ऑफर दिया है। इसे लेकर सुकेश के वकील अनंत मलिक ने पटियाला हाउस कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज (एएसजे) प्रशांत शर्मा को अर्जी दी है।

अर्जी में कहा गया है कि यह ऑफर किसी भी अधिकार को नुकसान पहुंचाए बिना दिया गया है और इसका मतलब यह नहीं है कि सुकेश चंद्रशेखर ने अपना जुर्म माना है। साथ ही शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर सेटलमेंट प्रस्ताव को रिकॉर्ड पर लेने की मांग की गई है। अर्जी में कोर्ट से मांग की है कि नई दिल्ली की स्पेशल सेल की एफआईआर से जुड़े इस मामले में सेटलमेंट पर विचार करने की परमिशन दी जाए। कोर्ट ने अभी तक सेटलमेंट वाली अर्जी पर कोई फैसला नहीं दिया है। मामले की अगली सुनवाई 3 जनवरी को होगी। दिल्ली पुलिस ने ठग सुकेश चंद्रशेखर पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से कथित तौर पर 200 करोड़ की ठगी और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया है। इस केस में चंद्रशेखर और उसके सहयोगी ए पॉलोज को गिरफ्तार किया गया था।

सुकेश पर मनी लॉन्ड्रिंग केस में एमसीओसीए लगा

चंद्रशेखर के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत भी कार्रवाई चल रही है और इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। इसके अलावा केस में महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (एमसीओसीए) भी लगाया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कथित रूप से अपराध से अर्जित धन को छिपाने और लेयरिंग के लिए हवाला चैनलों और शेल कंपनियों के नेटवर्क का इस्तेमाल किया।

'हिरासत में लिए गए हमारे राज्य के मामले में दखल न दें'

बेंगलूरू, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री को उत्तरी बेंगलूरू में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी में मुस्लिम आवासीय क्षेत्रों को कथित तौर पर ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को चौंकाने वाला और पीड़ादायक बताया। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा था कि फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट में वर्षों से रह रहे मुस्लिम परिवारों के घर गिराए जाना दर्दनाक और चौंकाने वाला है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए डी के शिवकुमार ने कहा, यह पूरी तरह एक राजनीतिक बयान है। बिना तथ्य जाने पिनरई विजयन को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। यह चुनाव के समय किया गया राजनीतिक हथकंडा है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि जिस जमीन पर झुग्गियां बनी थीं, वह ठोस कचरा प्रबंधन के लिए नौ साल पहले अधिसूचित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह जगह एक पुरानी खदान और कचरा डंपिंग साइट है, जो बेहद खतरनाक और स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने रातों-रात अवैध रूप से कब्जा कर लिया। यह जमीन हड़पने का मामला है। इसमें किसी समुदाय को निशाना बनाने की बात बिल्कुल गलत है।

उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा, हमने सिर्फ सार्वजनिक जमीन की रक्षा की है। यह शहर के बीचों-बीच स्थित कचरा प्रबंधन की जगह है। हम ऐसे अवैध स्लम को बढ़ावा नहीं दे सकते। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस सरकार मानवीय दृष्टिकोण रखती है और नियमों के तहत पात्र लोगों को वैकल्पिक आवास दिया जाएगा।

नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं

> चुनाव 18 जनवरी से शुरू होंगे, 20 को ऐलान होगा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। यह जानकारी पार्टी सूत्रों के हवाले से दी है। सूत्रों के अनुसार उनकी नियुक्ति का ऐलान 20 जनवरी को किया जा सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे। उनका कार्यकाल जनवरी 2029 तक रहेगा। 2029 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। पार्टी देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद दिल्ली बुलाने की तैयारी में है। इससे पहले 2028 जेपी नड्डा को भी कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। बाद में उन्हें ही स्थायी अध्यक्ष बनाया था। भाजपा संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पार्टी शासित आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी हो चुकी है। 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनावों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

इन राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा करेंगे। इसके अलावा भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी नितिन नबीन के पक्ष में एक अलग सेट में नामांकन दाखिल करेंगे। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन के समर्थन में दाखिल नामांकन पत्रों पर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दस्तखत भी होंगे। सूत्रों का दावा है कि नितिन नबीन ही एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले हैं, इसलिए भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण नामांकन पत्रों की जांच के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं।

इंडिगो संकट-जांच पैनल ने 22 दिन में रिपोर्ट सौंपी : सरकार ने गोपनीय रखी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिगो में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन की जांच करने वाले पैनल ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए को सौंप दी है। इस कमेटी को 22 दिन पहले 5 दिसंबर को बनाया गया था। हालांकि रिपोर्ट्स में क्या लिखा है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक डीजीसीए के एक अलग सिस्टमैटिक रिव्यू यानी एक तरह की जांच में कहा गया है कि इंडिगो ने नवंबर में अपने 307 एयरबस-विमानों के बेड़े को चलाने के लिए 4,575 पायलटों को नियुक्त किया था। यह ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के तहत जरूरी 3,684 पायलटों की संख्या से 891 ज्यादा थे। इससे पता चलता है कि क्रू की कमी नहीं, बल्कि शेड्यूलिंग (रोस्टर) में गड़बड़ी की वजह से ही फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। इधर, इंडिगो ने फ्लाइट कैंसिलेशन प्रभावित यात्रियों को 10,000 के ट्रैवल वाउचर जारी करना शुरू कर दिया है। ये वाउचर 12 महीने तक वैध रहेंगे, जो इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में इस्तेमाल किए जा सकेंगे।

भाजपा बोली-कांग्रेस नेता ने राहुल को फिर दिखाया आईना

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक बयान को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने थरूर के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि शशि थरूर ने एक बार फिर हिम्मत दिखाते हुए राहुल गांधी को आईना दिखाया है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति किसी एक पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की होती है और थरूर ने यह बात बिल्कुल सही कही है। पूनावाला ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत के खिलाफ गलत प्रचार करते हैं और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर भी देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पार्टी और देश के हित से ज्यादा परिवार के हित को प्राथमिकता देते हैं।

कुलदीप सिंह सेंगर को मिली जमानत को सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

> कहा-हाई कोर्ट का निष्कर्ष गलत

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की है।

कुलदीप सेंगर को मिली जमानत को चुनौती देने वाली याचिका में सीबीआई ने कहा है कि हाई कोर्ट का निष्कर्ष गलत है कि एक विधायक पॉक्सो एक्ट के सेक्शन 5 के तहत 'पब्लिक सर्वेंट' की कैटेगरी में नहीं आता। याचिका में सीबीआई ने कहा है कि बच्चों के यौन शोषण के मामले में संरक्षण देने वाले पॉक्सो एक्ट जैसे अहम कानून के मर्म को समझने में दिल्ली हाईकोर्ट ने गलती की है। कोर्ट ने इस कानून के मकसद और भावना को ध्यान में नहीं रखा।

सीबीआई के मुताबिक पॉक्सो एक्ट के सेक्शन 5(सी) को ठीक से और समग्र रूप से देखा जाए तो यह बात साफ हो जाती है कि इसमें पब्लिक सर्वेंट का मतलब हर उस शख्स से है जो अपनी शक्ति, पद, अधिकार या हैसियत (चाहे वह राजनीतिक हो या किसी और तरह की) का गलत इस्तेमाल करते हैं। विधायक (अपराध के वक्त कुलदीप सेंगर का पद था) भी संवैधानिक है। इस पद के साथ जहां शक्ति हासिल है, वहीं जनता का विश्वास भी जुड़ा है। समाज और राज्य के प्रति इस पद की अपनी जिम्मेदारी होती है। ऐसे में पॉक्सो एक्ट के तहत सेंगर को 'पब्लिक सर्वेंट' न मानना गलत है।

सीबीआई ने याचिका में कहा है कि यदि सेंगर को रिहा किया जाता है तो यह पीड़ित की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा होगा। सेंगर बेहद प्रभावशाली व्यक्ति है, जिसके पास धन और बाहुबल है। जमानत मिलने की सूरत में वह अब भी पीड़ित और उसके परिवार को नुकसान पहुंचा सकता है।

सीबीआई ने कहा कि बच्चों के साथ यौन शोषण जैसे गम्भीर अपराध में सिर्फ जेल में लंबा वक्त गुजराने के चलते कोई जमानत का हकदार नहीं हो जाता। उम्रकैद की सजा पाए शख्श की सजा निलंबित करने का फैसला तभी दिया जा सकता है, जब कोर्ट पहली नजर में इस तथ्य को लेकर सन्तुष्ट हो कि आरोपी का उस केस में दोष ही नहीं बनता। सीबीआई के मुताबिक, हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर के आपराधिक इतिहास और इस फैसले के चलते लोगों के न्यायिक व्यवस्था में भरोसे पर पड़ने वाले असर को नजरंदाज किया है।

सबरीमाला सोना चोरी के आरोपी के साथ दिखे सीएम विजयन

कांग्रेस नेता ने शेयर की तस्वीर

तिरुवनंतपुरम, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां कांग्रेस नेता एन. सुब्रह्मण्यन को पुलिस ने शनिवार को हिरासत में लिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की, जिसमें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और सबरीमाला सोने के मामले के आरोपी उन्नीकृष्णन पोटी एक साथ दिख रहे हैं। सुब्रह्मणियन जो राज्य कांग्रेस के पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी के सदस्य हैं, उनके खिलाफ चेवयूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

बता दें कि फोटो के कैप्शन में मुख्यमंत्री और आरोपी के कथित करीबी रिश्ते पर सवाल उठाया गया था। पुलिस ने शनिवार सुबह उनके घर जाकर बयान दर्ज किया और बाद में उन्हें पूरी पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया। सुब्रह्मणियन ने मामले में पत्रकारों से कहा कि जो फोटो उन्होंने शेयर की वह एआई-जेनरेटेड नहीं है, बल्कि यह मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी वीडियो से ली गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सीएम की आलोचना करने वालों को जेल भेज रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर के अकाउंट पर भी यही फोटो 29 नवंबर को थी, लेकिन उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। सुब्रह्मणियन ने कहा कि मैं तस्वीर की असलियत साबित करने की कोशिश करूंगा। मामला अदालत तक जाएगा।

पुलिस ने सुब्रह्मणियन पर धारा 192 भारतीय दंड संहिता (उद्देश्यपूर्वक दंगे भड़काने) और धारा 120(ओ) केरल पुलिस एक्ट (संचार के माध्यम से परेशान करने) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि यह जमानती अपराध है और गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के आधार पर आगे का फैसला किया जाएगा।

'वो सिर्फ अपने राजा बेटा को बचाना चाहती थी' कोर्ट ने बलात्कारी की मां को रिहा कर दिया

चंडीगढ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने बलात्कार और हत्या के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए दोषी व्यक्ति की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। वहीं उसकी मां को यह कहते हुए बरी कर दिया कि वह केवल अपने 'राजा बेटे' को बचाने की कोशिश कर रही थी। अदालत ने साफ कहा कि बेटे के लिए मां का अंधा प्यार नैतिक रूप से भले ही गलत हो, लेकिन इस आधार पर उसे भारतीय दंड संहिता के तहत अपराधी नहीं ठहराया जा सकता। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस अनूप चितकारा की बेंच ने दोषी को पूरी जिंदगी बिना किसी छूट के जेल में रखने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह सजा समाज की दूसरी बच्चियों और महिलाओं को दोषी की विकृत मानसिकता से बचाने के लिए जरूरी है।

पल झपकते ही दुश्मन को ढेर करने में सक्षम, साइलेंट किलर

नेवी की कलवरी क्लास सबमरीन की सवारी करेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

कारवार, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार यानी 28 दिसंबर को इंडियन नेवी की सबमरीन (पनडुब्बी) में सवारी करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू कारवार जाएंगी। राष्ट्रपति ने पिछले साल नेवी के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर की भी सवारी की थी। इसके अलावा अक्टूबर 2025 में राष्ट्रपति ने एयरफोर्स के फाइटर जेट रफाल में भी उड़ान भरी थी। डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, कलवरी क्लास की सबमरीन एक ऐसी खास पनडुब्बी है, जो दुश्मन के रडार को भी चकमा दे सकती है। इसके अलावा ये पनडुब्बी इलाके की निगरानी करने और जासूसी करने में भी माहिर है। इसके लिए इसमें खास एडवांस्ड एकॉस्टिक साइलेंसिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसकी वजह से पानी में चलते समय यह बिल्कुल आवाज नहीं करती। दुश्मन की तरफ से कोई हरकत होने पर ये खतरनाक तरीके से हमला कर सकती है।

50 दिनों तक पानी के अंदर रह सकती है ये पनडुब्बी

इस सबमरीन में एंटी-टॉरपीडो काउंटर मेजर सिस्टम, 533 मिमी के 6 टॉरपीडो ट्यूब, 18 एसयूटी टॉरपीडो या एसएम 39 एक्सोसेट एंटी-शिप मिसाइल लॉन्च करने की क्षमता और 30 समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता शामिल है। बता दें कि ये पनडुब्बी 50 दिनों तक पानी के अंदर रह सकती है और 350 फीट की गहराई तक जा सकती है। इसमें 8 सैन्य अधिकारी और 35 नाविकों को तैनात किया जा सकता है। आईएनएस कलवारी, खंडेरी, करंज, वेला, वागीर भी कलवरी क्लास सबमरीन है।

पनडुब्बी की रफ्तार 20 किमी प्रति घंटा और पानी के अंदर 37 किमी प्रति घंटा की रफ्तार

इसकी रफ्तार की बात करें तो ये पनडुब्बी पानी की सतह पर 20 किमी प्रति घंटा और पानी के अंदर 37 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है। इसमें एक अटैक एंड सर्च पेरिस्कोप भी दिया गया है, जो इन्फ्रारेड, लो लाइट लेवल कैमरों और लेजर रेंज फाइंडर से लैस है और समुद्र की सतह पर लक्ष्यों को खोजने में मदद करता है। कलवरी स्वदेशी रूप से निर्मित सबमरीन है। मुंबई स्थित मझगांव डॉक्स लिमिटेड द्वारा इसका निर्माण किया गया है। बता दें कि मझगांव डॉक्स लिमिटेड रक्षा मंत्रालय के स्वामित्व वाला शिपयार्ड है। कलवरी का डिजाइन डीसीएनएस ने मझगांव डॉक्स लिमिटेड के सहयोग से किया है।

गोवा हादसे के बाद दिल्ली में सख्ती: नए साल के लिए बुकिंग बंद, क्षमता से ज्यादा नहीं होगी एंट्री; पुलिस चौकस

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल और न्यू ईयर ईव के जश्न से पहले दिल्ली पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में है। राजधानी के प्रमुख रेस्तरां, क्लब, पब और पार्टी वेन्यू सुरक्षा को लेकर इस बार किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगा। 31 दिसंबर की रात राजधानी के बाजारों, क्लबों और प्रमुख इलाकों में भारी भीड़ उमड़ती है। दोस्त, परिवार और युवा वर्ग नए साल का स्वागत करने के लिए देर रात तक बाहर रहकर जश्न मनाते हैं। इसी को देखते हुए यह तैयारी है। कुछ दिन पहले ही गोवा के एक नाइट क्लब में हुए हादसे के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। हौज खास, मोती बाग, साकेत, वसंत कुंज, ग्रेटर कैलाश और कनॉट प्लेस से सटे इलाकों में स्थित बड़े रेस्तरां और क्लबों ने सुरक्षा के नियम और सख्त कर दिए हैं। कई जगहों पर पहले से ही एडवांस बुकिंग बंद कर दी गई है,

दिग्विजय सिंह ने शेयर की मोदी-आडवाणी की पुरानी तस्वीर

तारीफ में कही ऐसी बात; बढ़ा सियासी पारा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शनिवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक शुरू होने से ठीक पहले अचनाक चर्चा में आ गए। कारण है उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी लालकृष्ण आडवाणी के पैरों के पास बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने लिखा कि आरएसएस का एक जमीनी स्वयंसेवक और भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता किस प्रकार नीचे बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने इस तस्वीर को प्रभावशाली बताते हुए इसे संगठन की ताकत बताया।

पोस्ट से कैसे शुरू हुई सियासत?

बता दें कि दिग्विजय सिंह के इस पोस्ट को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग इसे भाजपा और आरएसएस की संगठनात्मक मजबूती से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कुछ इसे मौजूदा राजनीतिक हालात से जोड़कर समझ रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिग्विजय सिंह अपने इस पोस्ट के जरिए कांग्रेस नेतृत्व को कोई संदेश या नसीहत देना चाह रहे हैं। दूसरी ओर राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि क्या उनका इशारा कांग्रेस संगठन में जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की कमी की ओर है।

राहुल-प्रियंका के साथ पीएम मोदी को भी किया टैग

इस पोस्ट को और ज्यादा चर्चा में लाने वाली बात यह है कि दिग्विजय सिंह ने इसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी टैग किया। इससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। इसके साथ ही पोस्ट की टाइमिंग भी काफी अहम मानी जा रही है।

दिग्विजय सिंह दे रहे कोई बड़ा संकेत?

गौरतलब है कि इससे करीब एक हफ्ते पहले 19 दिसंबर को भी दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को लेकर एक पोस्ट किया था। उस पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी से कहा था कि वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ कांग्रेस संगठन पर भी ध्यान दें। दिग्विजय सिंह ने लिखा था कि कांग्रेस को भी चुनाव आयोग की तरह सुधारों और व्यावहारिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि राहुल गांधी इस दिशा में कदम उठाएंगे।

ऐसे में इन दोनों पोस्ट के बाद यह साफ है कि दिग्विजय सिंह के बयान और सोशल मीडिया गतिविधियां कांग्रेस के भीतर संगठन और नेतृत्व को लेकर बहस को तेज कर रही हैं।

घने कोहरे के कारण सड़क हादसे में तीन की मौत

कोलकाता, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में शनिवार को घने कोहरे के कारण हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर गरम बासती इलाके में उस समय हुई, जब एक छोटी कार और 12 पहियों वाले ट्रॉली (ट्रेलर) के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ट्रेलर सड़क किनारे खाई में जा गिरा।

बताया गया कि छोटी कार उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी की ओर जा रही थी, जबकि ट्रेलर विपरीत दिशा से आ रहा था। ओवरटेक करने के प्रयास के दौरान कार चालक नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार चालक मनोजीत बिस्वास की मौके पर ही मौत हो गई। वह अलीपुरद्वार जिले के कुमारग्राम क्षेत्र के सांकश चाय बागान का निवासी था। अन्य दो मृतकों की पहचान सौविक बिस्वास और राजू मंडल के रूप में हुई है।

'तिरुपरनकुंद्रम मामले से सांप्रदायिक नफरत भड़काना चाहती थी भाजपा'

तमिलनाडु के मंत्री का दावा

चेन्नई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार के मंत्री पीके शेखर बाबू ने दावा किया है कि तिरुपरनकुंद्रम दीप प्रज्जवलन मामले में भाजपा सांप्रदायिक नफरत भड़काना चाहती थी, लेकिन भगवान मुरुगन उनके पक्ष में नहीं थे। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने की कोई भी कोशिश सीएम स्टालिन की सरकार में सफल नहीं होगी।

'सांप्रदायिक नफरत भड़काना चाहती थी भाजपा'

मीडिया से बात करते हुए तमिलनाडु सरकार के मंत्री पीके शेखर बाबू ने कहा, वे (भाजपा) भगवान मुरुगन के नाम पर तिरुपरनकुंद्रम में दीप प्रज्जवलित करने के मुद्दे पर सांप्रदायिक नफरत भड़काना चाहते थे। लेकिन ऐसा लगता है कि भगवान ने भी इसकी मंजूरी नहीं दी और यह असफल हो गया। तमिलनाडु भाजपा की समन्वय समिति के संयोजक एच राजा ने हाल ही में दावा किया है कि जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी तो मंदिर प्रशासन को सरकार से लेकर भक्तों को सौंपा जाएगा। जब इसे लेकर पीके शेखर बाबू से सवाल किया गया तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'उन्हें चुनाव लड़ने और जीतने दीजिए।' उन्होंने कहा, एच राजा को ये अवांछित बयान देने की बजाय, पहले चेन्नई में किसी भी सीट से चुनाव लड़कर अपनी अहमियत बतानी चाहिए।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से सीबीआई अधिकारी की मौत

जम्मू, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में नेशनल हाईवे पर एक हादसे में 35 साल के सीबीआई वकील की मौत हो गई। दुर्घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कथित तौर पर बनिहाल के पास एक तेज रफ्तार गाड़ी वकील की कार को पीछे से टक्कर मारते हुए असंतुलित होकर दूसरी लेन पर चली जाती है पीड़ित, शेख आदिल नबी, को हाल ही में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन में प्रॉसिक्यूटिंग ऑफिसर के तौर पर नियुक्त किया गया था। आदिल को टक्कर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल (एसडीएच), बनिहाल ले जाया गया, जहां उन्हें फर्स्ट एड दिया गया।

'बिना शर्त माफी मांगें प्रियांक खरगे', भाजपा ने विवादित एआई तस्वीर शेयर करने पर कांग्रेस नेता से की मांग

कोझिकोड, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक भाजपा ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे से बिना शर्त माफी की मांग की है। भाजपा ने प्रियांक खरगे पर प्रधानमंत्री पर निशाना साधने और अदालत के आदेश के बारे में जनता को गुमराह करने के लिए एआई तस्वीर शेयर कर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया है। भाजपा ने प्रियांक खरगे पर 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' पहल का मजाक उड़ाने का भी आरोप लगाया और उनसे बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। गौरतलब है कि एआई वाली तस्वीर पर सियासी बवाल होने पर खरगे ने विवादित पोस्ट डिलीट कर दी थी। इस पोस्ट में 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले का जिक्र था।

प्रियांक खरगे ने डिलीट की विवादित पोस्ट

प्रियांक खरगे ने विवाद बढ़ने पर एक अन्य पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'हालांकि पोस्ट में मौजूद तस्वीर एआई से बनाई गई हो सकती है और अनजाने में हुई चूक के कारण साझा की गई हो सकती है। लेकिन आपकी प्रसिद्धि पहले ही आप तक पहुंच चुकी है।' इस पोस्ट में उन्होंने एक और तस्वीर साझा की। दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में उन्नाव दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे भाजपा से निष्कासित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जेल की सजा को निलंबित कर दिया। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि वह पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुके हैं।

फर्जी खबरें फैलाते हैं प्रियांक खरगे :भाजपा

वहीं, कर्नाटक भाजपा ने प्रियांक खरगे पर पलटवार करते हुए दावा किया कि स्वघोषित 'फैक्ट चेकर' प्रियांक खरगे फर्जी खबरें फैलाते हुए पकड़े गए। भाजपा ने पोस्ट में कहा, 'आईटी मंत्रालय संभालने के बावजूद खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करने और अदालत के आदेश के बारे में जनता को गुमराह करने के लिए एक दुर्भावनापूर्ण एआई तस्वीर शेयर की।' भाजपा ने आरोप लगाया, 'प्रियांक खरगे ने भारत की बेटियों को सशक्त बनाने की एक महत्वपूर्ण योजना 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का शर्मनाक ढंग से मजाक उड़ाया। सस्ती राजनीति के लिए झूठ का इस्तेमाल करते हुए इसके अर्थ को तोड़-मरोड़ दिया।'

भाजपा ने साधा निशाना

खरगे पर तथ्यों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए भाजपा ने उन पर हमला करते हुए कहा कि यह राहत अदालत का आदेश था, जिसे सीबीआई चुनौती दे रही है, न कि सरकार का फैसला था। भाजपा ने कहा, 'प्रियांक खरगे की पोस्ट उनकी ही सरकार के घृणास्पद भाषण विधेयक का उल्लंघन करता है, क्योंकि इसमें न्यायिक प्रक्रिया का उपहास करने के लिए सांप्रदायिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया है।'इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने भाजपा की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर अपराधियों को सम्मानित करने और उन्हें संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'सबसे बड़ा मुद्दा यही है: भाजपा अपराधियों को सम्मानित और संरक्षण देना जारी रखे हुए है। कर्नाटक में पॉक्सो (पॉक्सो) के आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? और इस नेता को अभी भी आपकी पार्टी के मार्गदर्शक और 'दिशा-निर्देशक' के रूप में क्यों पेश किया जा रहा है? क्या आप चाहेंगे कि मैं इसकी तथ्य-जांच करूं?'

रेप केस में सजा काट रहे व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट ने किया रिहा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। रेप केस में जेल की सजा काट रहे एक व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने 'छठी इंद्री' के आधार पर फैसला लिया है। कोर्ट का कहना है कि आरोपी और पीड़िता ने सहमति से संबंध बनाए थे, लेकिन रिश्ते में खटास आने के बाद पीड़िता ने युवक पर झूठा आरोप लगा दिया और उसे 10 साल की सजा सुना दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी और पीड़िता समेत दोनों के परिवार से भी बातचीत की। दोनों का विवाह हो चुका है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने यह सजा रद करते हुए केस खत्म करने का फैसला किया है।

9 महीने बाद आया फैसला

आरोपी मध्य प्रदेश की जेल में बंद था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एमपी पुलिस को आदेश दिया कि आरोपी को पुलिस सुरक्षा में सुप्रीम कोर्ट लाया जाए। हालांकि, इस मामले की सुनवाई में 9 महीने का लंबा समय लग गया। कोर्ट ने मार्च में नोटिस जारी किया था और अब दिसंबर में इसपर फैसला आया है। इस बीच आरोपी और पीड़िता ने शादी कर ली है।

हाईकोर्ट से नहीं मिली थी जमानत

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, यह अनोखा केस है। आरोपी ने अपनी सजा खत्म करने की अपील की थी। हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। हम छठी इंद्री के आधार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि आरोपी और पीड़िता साथ रह सकते हैं।

कपल ने की शादी

बता दें कि आरोपी और पीड़िता से बातचीत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में जमानत याचिका पर मुहर लगा दी थी, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली। वहीं, अब मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट को पता चला कि दोनों खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। ऐसे में अदालत ने केस रद करने का फैसला सुनाया है।

एम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान मौत

ऋषिकेशएम्स ऋषिकेश में भर्ती कुख्यात विनय त्यागी की उपचार के दौरान आज घटना के तीसरे दिन मौत हो गई। उसका ट्रॉमा सेंटर मे उपचार चल रहा था। पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट में पेशी पर जाते समय बदमाशों ने पुलिस के वाहन पर फायरिंग की थी। इस दौरान विनय त्यागी के सीने, हाथ और गले में गोली लगी थी। एम्स के पीआरओ श्रीलॉय मोहंती ने विनय त्यागी की मौत की पुष्टि की है।

अंकिता हत्याकांड: उत्तराखंड में सियासी तूफान भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व गंभीर, पूरे मामले में ली रिपोर्ट

देहरादून, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया में प्रसारित हो रहे अभिनेत्री उर्मिला सनावर के वीडियो के मामले पर भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व गंभीर है। राष्ट्रीय नेतृत्व ने पूरे मामले की रिपोर्ट ली है। लगातार सामने आ रहे तथ्यों और राजनीतिक हलचल पर नजर भी रखी जा रही है।बीते कई दिनों से अभिनेत्री उर्मिला सनावर के सिलसिलेवार वीडियो ने सोशल मीडिया ही नहीं पूरे प्रदेश में राजनीतिक भूचाल ला दिया है। उर्मिला अपने वीडियो में जहां अंकिता भंडारी हत्याकांड की परतें खोलने का दावा कर रही है तो वहीं वीआईपी नामों को लेकर भी पार्टी के ही वरिष्ठ नेताओं पर आरोप लगा रही है।

वायरल वीडियो से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता असहज हो रहे हैं। महिला की ओर से हर दिन सोशल मीडिया पर लाइव आकर पार्टी के बड़े नेताओं के नाम लेकर लगाए जा रहे आरोप, टेलीफोन पर की जा रही बातचीत का रिकॉर्ड, संबंधित तस्वीरों से पार्टी की छवि खराब हो रही है। प्रदेशभर से लोग सोशल मीडिया पर इन वीडियो में दिए जा रहे तथ्यों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पहले पार्टी के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने मामले पर अपना पक्ष रखते हुए कांग्रेस को दोषी ठहराया। इसके बाद प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने मीडिया के सामने अपनी पीड़ा बयां करते हुए कानूनी कार्रवाई की बात की है।

नौकरी दिलाने के नाम पर यूनिवर्सिटी कैंपस में रेप

जबलपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। स्थित जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 22 वर्षीय युवती से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी विश्वविद्यालय में पदस्थ बाबू और प्यून हैं, जिन्होंने जबलपुर के तिलवारा में रहने वाली युवती को विश्वविद्यालय के कैंपस में बुलाया और कमरे में ले जाकर रेप किया। घटना 25 दिसंबर की रात की है। जैसे-तैसे महिला आरोपियों के चंगुल से छूटकर अगले दिन आधारताल थाने पहुंची और दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

'असम में 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम', सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले- 2027 की जनगणना से पता चल जाएगा

गुवाहाटी, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा कि साल 2027 में होने वाली जनगणना से ये स्पष्ट भी हो जाएगा।

गुवाहाटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की जनसांख्यिकी को लेकर चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा, '2027 की जनगणना से पता चल जाएगा कि असम में रहने वाली कुल आबादी में से 40 फीसदी जनसंख्या बांग्लादेशी मुसलमानों की है।'

सीएम सरमा ने कहा, '2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी थी, अगर हम कहें कि 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। 2021 में कोई जनगणना नहीं हुई। 2027 में जब जनगणना होगी तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या 40 प्रतिशत के करीब होगी।'

सीएम सरमा ने हालात को बताया चिंताजनक

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ सरमा सरकार सख्त

असम के मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब उनकी सरकार ने राज्य में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ बिना किसी समझौते के सीधी कार्रवाई करने की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी डिप्टी कमिश्नर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वे अवैध अप्रवासियों और ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशी घोषित किए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें और उन्हें निष्कासित करें। पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित प्रवर्तन एजेंसियां उन्हें बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगी। अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950, राज्य सरकार को उन अवैध अप्रवासियों को निष्कासित करने का अधिकार देता है जिनका निरंतर निवास 'आम जनता के हितों के लिए हानिकारक' माना जाता है। यह कानून प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से पहचान और निष्कासन के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 28 दिसंबर, 2025 3

सुविचार: कदर होती है इंसान की जरुरत पड़ने पर ही क्योंकि, बिना जरुरत के तो लोग मोमबत्ती भी नहीं जलाया करते!

कांग्रेस नेताओं द्वारा बीआरएस समर्थक पर हमला

कामारेड्डी, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नव निर्वाचित सरपंचों के शपथ ग्रहण के बावजूद राज्य में कांग्रेस नेताओं द्वारा बीआरएस समर्थकों पर हमले जारी हैं। शुक्रवार रात येल्लारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र के मुधेली गांव में रंजीत नामक युवक पर स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने कुल्हाड़ी से हमला किया। 38 वर्षीय रंजीत को गर्दन और सिर पर गंभीर चोटें आईं और उन्हें बांसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में निजामाबाद के सरकारी जनरल अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हमला करने वाले कांग्रेस नेता नरसिमुलु रंजीत से द्वेष रखते थे क्योंकि रंजीत ने सरपंच चुनाव में बीआरएस समर्थक लक्ष्मण का समर्थन किया था। स्थानीय लोगों ने नरसिमुलु के खिलाफ गांधारी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि नरसिमुलु और रंजीत रिश्तेदार हैं और शराब पीकर हुई बहस के बाद गुस्से में हमला किया गया, पुलिस के अनुसार, हमले के पीछे कोई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं थी।

पुलिस ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों को सुलझाया : सज्जनार

हैदराबाद पुलिस ने पेश किया 2025 का वार्षिक रिपोर्ट

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने वर्ष 2025 का वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि इस वर्ष कानून व्यवस्था मजबूत रही, जनता का विश्वास बढ़ा और समुदाय के साथ सहयोग में सुधार हुआ।

पुलिस ने सभी प्रमुख त्योहारों, धार्मिक जुलूसों, सार्वजनिक कार्यक्रमों, जुबली हिल्स उपचुनाव और कई बड़े आयोजनों को शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि पुलिस ने कई हाई-प्रोफाइल मामलों को सुलझाया और अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। उन्होंने बताया कि इन प्रयासों के चलते पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में कुल अपराधों में 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस वर्ष पीपुल वेलफेयर पुलिस(पीडब्लूपी) की नींव मजबूत की गई। इसके तहत जागरूक हैदराबाद- सुरक्षित हैदराबाद कार्यक्रम शुरू किया गया, जो देश का सबसे बड़ा डोर-टू-डोर सुरक्षा जागरूकता अभियान है। यह पहल नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकथाम और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार की जानकारी देने के उद्देश्य से शुरू की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, ने किया था। सीपी ने कहा कि साथ ही 'ओका गोप्पा मर्पुनाकु इदे श्रीकरम' प्रशिक्षण पहल के तहत पुलिसकर्मियों को आधुनिक जांच, तकनीकी, नेतृत्व और जन-केंद्रित पुलिसिंग कौशल से लैस किया गया।

तकनीकी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। शहर में उन्नत निगरानी नेटवर्क के लिए एसीएसजीपी लागू किया गया और ईवाईईएस (इंप्रूविंग योर इनक्रिडे सेफ्टी) टीमों को तैनात किया गया, जिससे रियल-टाइम अपराध रोकथाम और निगरानी में सुधार हुआ। सामाजिक जिम्मेदारी के तहत, पुलिसकर्मियों ने पुलिस शहीद सप्ताह के दौरान 5,000 यूनिट रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। हैदराबाद सिटी पुलिस ने नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शांति और सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया।

मंत्री सीतक्का नामपल्ली कोर्ट में कोविड उल्लंघन मामले में पेश

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण राज्य मंत्री दानासारी अनसुईया (सीतक्का), एमएलसी बलमूर वेंकट और अन्य नेताओं ने शनिवार को कोविड-19 महामारी के दौरान दर्ज मामले में नामपल्ली विशेष जन प्रतिनिधि न्यायालय में हाजिरी दी। कोर्ट ने गवाहों से क्रॉस-एग्जामिनेशन किया और दोनों पक्षों की दलीलों के बाद अगली सुनवाई 5 फरवरी, 2026 के लिए स्थगित की। मंत्री सीतक्का ने मीडिया से कहा कि पूर्व सरकार ने 2020 में उनके खिलाफ कोविड नियमों के उल्लंघन के झूठे मामले दर्ज किए।

उन्होंने कहा कि यह विरोध शांतिपूर्ण था और कोविड गाइडलाइन के अनुसार किया गया था, जिसका उद्देश्य आम जनता पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए आरोग्यश्री योजना में कोविड उपचार को शामिल करने की मांग करना था।

उन्होंने न्यायपालिका पर भरोसा जताया और कहा कि न्याय अवश्य मिलेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता नागुलुरी कृष्ण कुमार गौड़, कूर्मा नरेंद्र और एस.एस. राव ने मंत्री और अन्य नेताओं का प्रतिनिधित्व किया।

हैदराबाद पुलिस तीनों कमिश्नरेट में उपद्रवी तत्वों पर संयुक्त निगरानी करेगी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद, रचाकोंडा और साइबराबाद के त्रि-कमिश्नरेट में उपद्रवी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए तेलंगाना पुलिस अब उपद्रवी तत्वों पर संयुक्त रूप से निगरानी रखेगी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि हाल ही में तीनों आयुक्तालयों के अधिकारियों के साथ बैठक में गुंडों पर लगाम लगाने के उपायों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि शीर्ष गुंडों के परिवार, सहयोगियों, छिपने के स्थानों और संपत्तियों का डेटाबेस तैयार किया गया है और इसे तीनों आयुक्तालयों में साझा किया जाएगा। हैदराबाद पुलिस उन अपराधियों पर नजर रख रही है जिनके खिलाफ विभिन्न थानों में गुंडागर्दी की रिपोर्ट दर्ज है। अधिकारियों के अनुसार, रिपोर्ट की गई हत्याओं और विवादों के मुख्य कारण संपत्ति विवाद, विवाहेतर संबंध और वित्तीय विवाद हैं। पुलिस ने गुंडों के लिए काउंसलिंग आयोजित की है और अब आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त सज्जनार ने कहा कि शांति भंग करने वाले गुंडों के खिलाफ आपराधिक अपराध अधिनियम लागू किया जाएगा।

जीएचएमसी में 60 उपायुक्तों का तबादला

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवगठित सर्किलों के बेहतर प्रशासन के उद्देश्य से जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शनिवार को 60 उपायुक्तों का तबादला उतने ही सर्किलों में कर दिया। आयुक्त द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि सभी उपायुक्तों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदों का कार्यभार ग्रहण करना होगा। स्थानांतरित सभी उपायुक्त पहले जीएचएमसी के 30 सर्किलों और अन्य विभागों में कार्यरत थे और अब उन्हें नए सर्किलों में तैनात किया गया है। ये तबादले राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुरूप किए गए हैं, जिसमें 12 जोन, 60 सर्किल और 300 वार्डों के गठन तथा 12 जोनों के लिए जोनल आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है।

आईआईएल ने ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी का खंडन किया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित प्रमुख वैक्सीन निर्माता इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से अभयराब एंटी-रेबीज वैक्सीन संबंधी हाल ही में जारी स्वास्थ्य सलाह की समीक्षा का औपचारिक अनुरोध किया है और इसे 'गलत' बताते हुए सार्वजनिक विश्वास के लिए हानिकारक बताया। यह विवाद ऑस्ट्रेलियाई तकनीकी सलाहकार समूह ऑन इम्युनाइजेशन (एटीएजीआई) की सलाह के बाद उत्पन्न हुआ, जिसमें कहा गया था कि 1 नवंबर, 2023 के बाद भारत में अभयराब का टीका लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई यात्रियों को अपने टीकाकरण को अमान्य मान लेना चाहिए।

आईआईएल ने स्पष्ट किया कि यह चेतावनी केवल बैच संख्या केए 24014 (निर्माण: मार्च 2024, समाप्ति: फरवरी 2027) से संबंधित है, जिसमें जनवरी 2025 में पैकेजिंग गड़बड़ी की पहचान कर भारतीय नियामकों को सूचित किया गया था। कंपनी ने कहा कि नकली उत्पादों को आपूर्ति श्रृंखला से पहले ही हटा दिया गया और अब वे दुकानों में उपलब्ध नहीं हैं।

स्थानीय औषधि अधिकारियों ने पुष्टि की कि नकली दवाएं आधिकारिक संयंत्र से नहीं बनी थीं और इन्हें थोक विक्रेताओं के माध्यम से 'ग्रे मार्केट' में डाला गया था। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और लखनऊ को नकली दवाओं के मुख्य केंद्रों के रूप में पहचाना गया। नए निर्देशों के अनुसार, रेबीज टीकों की बिक्री और खरीद को दस्तावेजित करना अनिवार्य है और फार्मेसियों तथा अस्पतालों को संदिग्ध बिक्री की सूचना देने का आदेश दिया गया है।

RENT - COMMERCIAL
Furnished SHOP with or without cold room in BEGUM BAZAR OPP. KASHMIR HOUSE. Ground floor 265 sqft and still floor 310 sqft. on main BEGUM BAZAR.
Contact Mr. Shiva Kumar. Ph.9396829958.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, GOVARDHAN SINGH, F/O: HAV LOKENDRA SINGH CHANDRAWAT, R/o: MAKAN N-187, WARD NO.09, CHATRI KE PASS, CHAMPA NADI MOHALLA, BHANPURA, MANDSAUR, MADHYA PRADESH -458775 have changed my name from GOVARDHAN SINGH to GORDHAN SINGH RAJPUT vide Affidavit dt.27-12-2025

I, PHOOL KUNWAL, M/O: HAV LOKENDRA SINGH CHANDRAWAT, R/o: MAKAN N-187, WARD NO.09, CHATRI KE PASS, CHAMPA NADI MOHALLA, BHANPURA, MANDSAUR, MADHYA PRADESH -458775 have changed my name from PHOOL KUNWAL to FUL KUNVAR BAI RAJPUT and my DOB is 01-01-1962 vide Affidavit dt.27-12-2025

I, HAV SUDHAKAR S, R/O: 146, ARMY STREET, CC ROAD, BHARAT PETROL BUNK NEAR, VALLAM VILLAGE, KILVALLAM POST, VALLAM KANNAMANGALAM, VELLORE, TAMILNADU - 632311 have changed my Daughter's name from S MATHUNISHA to S MADHUNISHA vide Affidavit dt.27-12-2025

I, SUREKHABAI, M/o:NK MAHAJAN NITESH RAVINDRA, R/o: AMBAPIMPRI TAL PAROLA, AMBAPIMPRI, AMBA PIMPRI, PAROLA, JALGAON, MAHARASHTRA - 425401 have changed my name from SUREKHABAI to SUREKHA RAVINDRA MALI and my DOB is 01-01-1976 vide Affidavit dt.27-12-2025

I, RAVINDRA, F/o:NK MAHAJAN NITESH RAVINDRA, R/o: AMBAPIMPRI TAL PAROLA, AMBAPIMPRI, AMBA PIMPRI, PAROLA, JALGAON, MAHARASHTRA - 425401 have changed my name from RAVINDRA to RAVINDR BHAGVAN MALI and my DOB is 01-06-1970 vide Affidavit dt.27-12-2025

I, KM SEEMA, Spouse of SEP LALJI MAURYA, R/o: MANGAPUR, AMETHI, UTTAR PRADESH -227405 have changed my name from KM SEEMA to SEEMA vide Affidavit dt.26-12-2025

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

निम्स में यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांटेशन के तीन विशेष क्लीनिक शुरू

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) का यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांटेशन विंग जल्द ही यूरो-ऑन्कोलॉजी, रीनल ट्रांसप्लांटेशन और पीडियाट्रिक यूरोलॉजी सहित तीन उप-विशेषज्ञता क्लीनिक शुरू करेगा। एनआईएमएस के निदेशक प्रोफेसर नागरी बीरप्पा ने बताया कि ये क्लीनिक 1 जनवरी से चालू होंगे और यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राहुल देवर की देखरेख में संचालित किए जाएंगे। सेवाएं प्रत्येक शुक्रवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्पेशलिटी ब्लॉक की छठी मंजिल पर उपलब्ध होंगी। निदेशक बीरप्पा ने बताया कि इन क्लीनिकों में मूत्र संबंधी कैंसर, गुर्दा प्रत्यारोपण और बच्चों के मूत्र संबंधी रोगों के लिए उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली, विशेषीकृत स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाना है।

हैदराबाद पुलिस बढ़ाएगी ड्रोन बेड़े और अपनाएगी तकनीक आधारित निगरानी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस अपने ड्रोन बेड़े को बढ़ाएगी और शहर में नियमित पुलिसिंग के लिए इन्हें तैनात करेगी। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने शनिवार को वार्षिक बैठक में बताया कि आईटी विंग की ड्रोन यूनिट में और ड्रोन शामिल किए जाएंगे और जमीनी निगरानी में उनका व्यापक उपयोग होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराध नियंत्रण के लिए बॉडी-वियर कैमरे, एकीकृत सीसीटीवी सिस्टम और डिजिटल मामलों का प्रबंधन भी अपनाएगी। अगले वर्ष से पुलिस अपराध की भविष्यवाणी, हॉटस्पॉट मैपिंग, चेहरे की पहचान और डेटा-आधारित तैनाती के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करेगी, ताकि प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय पूर्वानुमानित पुलिसिंग की जा सके। इसके अलावा, पुलिस मॉक ड्रिल, अंतर-एजेंसी समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया इकाइयों के माध्यम से आपात स्थितियों जैसे बाढ़, आग और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के लिए तैयारियों को मजबूत करेगी। यातायात प्रबंधन में पुलिस स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, एआई-सक्षम सिग्नल, ई-चालान और शहरी नियोजन के साथ समन्वय की योजना बना रही है।

उर्वरक की कमी से किसानों की कतारें लंबी

वारंगल, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा ऐप आधारित उर्वरक आपूर्ति प्रणाली शुरू करने के दावों के बावजूद, वारंगल के विभिन्न क्षेत्रों में किसान उर्वरक के लिए लंबी कतारों में इंतजार कर रहे हैं। शनिवार को कड़ाके की ठंड के बावजूद महिला किसान समेत बड़ी संख्या में किसान खिला वारंगल स्थित प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पीएसीएस) केंद्र पर पहुंचे और केंद्र खुलने से पहले ही खाद की बोरियों के लिए कतार में खड़े हो गए। कई किसानों, विशेषकर महिलाओं ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई कि फसल कटाई से पहले पर्याप्त उर्वरक की व्यवस्था नहीं की गई। महबूबाबाद के पीएसीएस केंद्र में भी किसानों, विशेषकर वृद्ध किसानों, के लंबी कतारों में खड़े होने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। वेमुनूर, उत्तरावेल्ली, इदुलापुसापल्ली, शनिगरम और अन्य क्षेत्रों के किसान भी केंद्र पर खाद न मिलने की शिकायत कर रहे हैं। ठंड में सुबह से कतारों में खड़े रहने के बाद, अधिकारियों ने किसानों को बताया कि उनके पास स्टॉक नहीं है और खाद अभी तक केंद्र पर नहीं पहुंचा है। खाद की कमी और अधिकारियों की उदासीनता से नाराज किसानों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया, जिससे कस्बे में यातायात बाधित हो गया।

जीएचएमसी में कल से फिर विशेष स्वच्छता अभियान चलेगा : आर.वी. कर्णन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि 29 दिसंबर से जीएचएमसी में एक बार फिर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। शनिवार को, आयुक्त आर.वी. ने संबंधित क्षेत्रीय आयुक्त रवि किरण और मल्काजगिरि क्षेत्रीय आयुक्त संचित गंगवार के साथ सिकंदराबाद और मलकाजगिरि क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर किए जा रहे स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने ज़िला परिषदों और ज़िला परिषदों को स्वच्छता कार्यों की प्रभावी निगरानी करने की सलाह दी। विशेष स्वच्छता अभियान में लंबे समय से जमा कचरे और गंदगी वाले संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने गांधी अस्पताल और उसके आसपास के क्षेत्रों में सार्वजनिक सुरक्षा, स्वच्छता और पैदल यात्री बुनियादी ढांचे से संबंधित स्थितियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने आवारा कुत्तों के मुद्दे को गंभीरता से लिया। आयुक्त ने गौर किया कि पुनर्वास केंद्रों में भेजे गए कुत्ते आसपास के इलाकों से वापस अस्पताल परिसर में प्रवेश कर रहे थे। आयुक्त ने समस्या के तत्काल समाधान के लिए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) और पशु चिकित्सा उप निदेशक द्वारा संयुक्त निरीक्षण का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में मौजूद कुत्तों को पकड़कर पशु देखभाल केंद्रों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने आदेश दिया कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए और कुत्तों के हमले नहीं होने चाहिए। उप निदेशक स्तर के पशु चिकित्सा अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। सभी अस्पतालों, स्कूलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों की प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप से निगरानी की जानी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए कि वहां कोई आवारा कुत्ते न हों। उन्होंने चेतावनी दी कि कुत्ते के काटने की घटना होने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवारा कुत्तों के आतंक से संबंधित शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके बाद आयुक्त ने मैदानी स्तर पर पैदल यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे फुटपाथों पर जमा कचरे के ढेर को हटाकर उन्हें तुरंत बहाल करें। आयुक्त ने मल्काजगिरि जोनल के अंतर्गत ओल्ड अलवाल में कचरा जमा होने की आशंका वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर कचरा निपटान की निगरानी करने की सलाह दी।

निजामाबाद में एटीएम चोरी

निजामाबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार तड़के चोरों ने कस्बे के दो एटीएम मशीनों को तोड़कर नकदी लूट ली, जिससे पुलिस थाना क्षेत्रों के निवासी दहशत में हैं। पहला हमला टाउन IV पुलिस स्टेशन क्षेत्र के पांगरा शाखा में स्थित डीसीबी बैंक एटीएम पर हुआ, जहां गैस कटर और अन्य उपकरणों का उपयोग कर चोरों ने एटीएम को तोड़ दिया और कथित तौर पर 25 लाख रुपये की नकदी चुरा ली। दूसरा हमला टाउन V क्षेत्र के वर्णी चौरास्ता में स्थित एसबीआई एटीएम पर हुआ, जहां चोरों ने एटीएम के निगरानी कैमरों पर रसायन छिड़क कर मशीन को क्षतिग्रस्त किया और लगभग 10 लाख रुपये चुरा लिए। स्थानीय लोगों की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच दल और बैंक कर्मचारियों से चोरी की कुल राशि और अन्य विवरण लिए। जांच दल और स्थानीय पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और कस्बे में निगरानी बढ़ा दी गई है, साथ ही जिले में आने-जाने वाले सभी वाहनों की जांच भी की जा रही है।

संक्रांति छुट्टियों के कार्यक्रम में बदलाव की संभावना

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक संस्थानों, विशेषकर स्कूलों के लिए संक्रांति की छुट्टियों के कार्यक्रम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार स्कूलों में 11 से 15 जनवरी तक पांच दिनों की छुट्टी रहेगी, जबकि 10 जनवरी दूसरे शनिवार को पड़ने के कारण एक अतिरिक्त अवकाश भी मिलेगा। राज्य सरकार ने 2026 के लिए जारी छुट्टियों की अधिसूचना में 15 जनवरी को संक्रांति और 16 जनवरी को कनुमा के लिए वैकल्पिक अवकाश घोषित किया है, जिसके अनुसार स्कूलों को त्योहारों की छुट्टियों के अगले दिन से फिर से खुलना है। हालांकि शिक्षक संघों का कहना है कि अधिकांश अभिभावक संक्रांति के तुरंत बाद बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। इसे देखते हुए शिक्षक संघों ने सरकार से छुट्टियों को 18 जनवरी तक बढ़ाने और स्कूलों को 19 जनवरी से खोलने का आग्रह किया है।

साइबराबाद पुलिस का अश्लीलता पर कड़ा एक्शन

एक हफ्ते में 10 आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस की महिला एवं बाल सुरक्षा शाखा ने 20 से 27 दिसंबर तक विशेष कार्रवाई और जागरूकता अभियान चलाते हुए मानव तस्करी, सार्वजनिक अश्लीलता और महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर कड़ा नियंत्रण किया।

डीसीपी के. सुजना के अनुसार, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग ने रात्रि छापेमारी के दौरान एक हफ्ते के विशेष अभियान में दो सेक्स वर्कर्स और पांच ट्रांसजेंडरों को गिरफ्तार किया, पांच पीड़ितों को बचाया और तीन पीआईटीए मामलों में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही, शी टीमों ने 209 छद्म अभियानों के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्यों में 51 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा। 58 मामलों में मामूली कार्रवाई की गई, जबकि अन्य को काउंसलिंग दी गई। टीमों को विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं की ओर से 22 शिकायतें प्राप्त हुईं और काउंसलिंग के जरिए 21 अलग हुए परिवारों को फिर से जोड़ा गया। निवारक जागरूकता के तहत, एएचटीयू और शी टीमों ने साइबराबाद में 4,112 लोगों तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन सत्रों में मानव एवं बाल तस्करी, छेड़छाड़, साइबर उत्पीड़न, बाल अधिकार, बाल मजदूरी, बाल विवाह, पीछा करना, भिक्षाटन, साइबर फ्रॉड और आपातकालीन सेवाओं जैसे महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, डायल 100 और साइबर क्राइम 1930 के बारे में जानकारी दी गई। साइबराबाद पुलिस ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रवर्तन, काउंसलिंग और सामुदायिक जागरूकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अवैध रेत खनन को लेकर चेन्नूर में कांग्रेस नेताओं पर श्रम मंत्री नाराज

मंचेरियल, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम मंत्री डॉ.जी. विवेक चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा कथित तौर पर किए जा रहे अवैध रेत खनन और परिवहन को लेकर नाराज बताए जा रहे हैं। हाल ही में चेन्नूर कस्बे के दौरे के दौरान उन्होंने गोदावरी नदी से रेत के अवैध खनन और परिवहन में लिप्त नेताओं को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि ऐसे कृत्य पार्टी और सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। मंत्री ने नेताओं को फटकार लगाते हुए प्राकृतिक संसाधनों के दोहन को रोकने और सरकार की आय को प्रभावित न करने की हिदायत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सरपंच उम्मीदवारों ने रेत खनन से अर्जित धन बांटकर स्थानीय निकाय चुनाव जीते हैं और चेतावनी दी कि ऐसे अपराधियों का समर्थन करने वाले नेताओं व कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

ए. तेजस्विनी
माता : ए. श्वेता किरण
पिता : ए. विजय यादव

बृजभूषण सिंह ने बाबा रामदेव का उड़ाया मजाक

गोंडा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बाहुबली नेता और भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर योग गुरु बाबा रामदेव का मजाक उड़ाया है। उन्होंने एक छात्र के चेहरे पर मुंहासे देख अवधी में कहा- इ रामदेव का घी निकलत हय।।।। इससे पहले बृजभूषण ने बाबा रामदेव को काना कह तक डाला था। बाबा रामदेव के उत्तराधिकारी आचार्य बालकृष्ण ने नोटिस देने की धमकी दी थी। बाद में बृजभूषण सिंह ने माफी मांगी थी।

"भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढे में भाजपा को ही गिरा दिया है'

' अखिलेश यादव ने कसा बीजेपी पर तंज

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक और एसआईआर के मुद्दे को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर हमला बोला है। सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा, "उप्र भाजपा में मचे आपसी घमासान का कारण ऊपरी तौर पर भले कोई 'विद्रोही बैठक' हो पर असल कारण ये है कि भाजपाई विधायकों के बीच ये समाचार पहले ही प्रसारित हो चुका है कि एसआईआर में 2.89 करोड़ वोटरों के नाम कट गये हैं।

'बीजेपी दहाई का अंक भी पार नहीं कर पायेगी'

इससे आगे उन्होंने लिखा, "बकौल 'एक वर्ष-शेष' उप्र के मुख्यमंत्री जी इसमें से 85-90% उनके अपने वोटर कटे हैं। इसका राजनीतिक गणितीय विश्लेषण है, 28900000 का अगर केवल 85% भी मान लिया जाए तो ये आँकड़ा होगा लगभग 24565000। अब इस आँकड़े को उप्र की कुल 403 सीट से भाग दे दिया जाए तो ये आँकड़ा लगभग 61,000 वोट प्रति सीट आएगा। ऐसे में ये निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय जनता पार्टी उप्र की हर एक सीट पर आनुपातिक रूप से 61000 वोट कम पाएगी। ऐसे में वो सरकार क्या बनाएगी, दहाई का अंक भी पार नहीं कर पायेगी। इसीलिए आपसी लड़ाई अब एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप व टोका-टोकी व खुलेआम नोटिस के रूप में सामने आ रही है।

'अब पीडीए सरकार बनाएगा, भाजपा का पीड़ा-राज मिटाएगा'

सपा प्रमुख ने कहा, "भाजपाई विधायक अलग-अलग बैठकें करके ये दिखा रहे हैं कि भाजपा सरकार, भाजपा संगठन व भाजपा के संगी साथी कोई भी उनकी नहीं सुन रहे हैं इसीलिए उनके कोई काम नहीं हो रहे हैं। ऐसे में जब चुनाव के पूर्व उनके कामों के आधार पर उनके मूल्यांकन का सर्वे करवाया जाएगा तो वो फ़ेल हो जाएंगे। यही वो बुनियादी कारण है कि वो सब इकट्ठे होकर अपनी सफ़ाई देने में जुट गये हैं। भाजपा में चंद गिने-चुने लोगों के महाभ्रष्टाचार में से इन 'असंतुष्टी से विद्रोह के स्तर तक' पहुँचे लोगों के हिस्से बदनामी की छींटों के सिवा कुछ हाथ नहीं लगा है। भाजपाई एसआईआर ने अपने खोदे गड्ढे में भाजपा को ही गिरा दिया है। अब पीडीए सरकार बनाएगा, भाजपा का पीड़ा-राज मिटाएगा, सबके हिस्से तरक़्क़ी-ख़ुशहाली लाएगा।"

युवक की हत्या, शव के 3 टुकड़े किए

भागलपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भागलपुर के नाथनगर थाना क्षेत्र से तीन दिन से लापता युवक का शव मिला है। बॉडी के तीन टुकड़े किए गए। सिर और पैर गायब है। युवक का धड़ मिला है। हाथ प्लास्टिक की रस्सी से बंधे थे, फिर जैकेट में बांध कर प्लास्टिक के बोरे में बंद कर दफनाया गया था। वारदात राघोपुर पंचायत के शाहपुर पुलिया के पास की है। मृतक का नाम अभिषेक कुमार है। पुलिस ने हत्या के आरोप में उसके तीन दोस्तों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि युवक की जांघ में पहले गोली मारी गई थी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक मशीन (हेक्सा ब्लेड) से शव के तीन टुकड़े किए गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कहा कि सिर और पैर गंगा में फेंक दिया था। हत्या के पीछे की वजह पैसों का लेनदेन बताया जा रहा है।

'एसाईआर के नाम पर बीजेपी कर रही वोट काटने की साजिश'

सपा नेता शिवपाल यादव का बड़ा आरोप

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा किए जा रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव से बात की गई। उन्होंने बताया कि हर स्तर पर बीजेपी अपने अधिकारियों के स्तर से बेईमानी करना चाहती है। महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि हम लोगों ने समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर दिया है। जिससे कोई फर्जी वोट बढ़ाने ना पाए और असली वोटर कोई छूटने न पाए अपने कार्यकर्ताओं को यह कहा गया है।

एसाईआर के नाम पर सिर्फ वोट काटने का हो रहा काम- शिवपाल

शिवपाल यादव ने इस दौरान जाने का प्रयास किया गया कि एसाईआर के माध्यम से बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को रोकने का जो दावा किया जा रहा है। उसमें कितनी सच्चाई है उन्होंने कहा कि इसके नाम पर सिर्फ वोट काटने का काम किया जा रहा है। जिनका सैकड़ो साल से वोटर लिस्ट में नाम है उनका नाम वह काटना चाह रहे हैं। वह मुसलमान और इसके अलावा समाजवादी पार्टी के जो पक्के वोटर है उनका वोट काटना चाहते हैं।

यूपी में फिर बनाएंगे अखिलेश यादव की सरकार- राष्ट्रीय महासचिव

राष्ट्रीय महासचिव ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि आगामी चुनाव को लेकर एसआईआर में लगे हुए हैं कि कोई वोट काटने ना पाए। हम लोग 2027 में बीजेपी को हटाकर अखिलेश यादव की सरकार बनाएंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मऊ जनपद के घोसी सदर सीट जहां से विधायक सुधाकर सिंह की मौत हुई है। वहां पर उनके बेटे सुजीत सिंह को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी बनाया गया है। जिसकी घोषणा अखिलेश यादव के द्वारा की जा चुकी है।

घरेलू कलह में युवक ने सुसाइड किया

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के फरीदीपुर गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक फ्लावर डेकोरेटर ने सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान रतन कश्यप (35) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि कुछ समय बाद जब सपना घर वापस लौटी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। उसने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। उसके बाद उसने आसपास के लोगों को बुलाया। लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर फंदे के सहारे उसका शव लटक रहा था।

दिनदहाड़े कनपटी पर पिस्टल रखकर लूट

प्रयागराज, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में दिनदहाड़े कपड़ा व्यापारी से लूट हुई। शुक्रवार शाम 3 बदमाश शॉप में घुसे। अंदर पहुंचते ही पिस्टल निकालकर कर्मचारियों पर तान दी। इसके बाद केबिन में बैठे कारोबारी के पास दो बदमाश पिस्टल लेकर पहुंचे। इससे वह दहशत में आ आए। इस बीच बदमाशों ने कारोबारी के पास रखी तिजौरी खंगाली। इस दौरान करीब 1 लाख रुपए कैश लूट ले गए। वारदात का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें 3 बदमाश लूटपाट करते नजर आ रहे हैं। सभी चेहरा कवर किए थे। 2 ने टोपी और मास्क से मुंह ढका था, जबकि तीसरा बदमाश कर्मचारियों के पास पिस्टल लेकर खड़ा रहा।

डबल मर्डर, पिता-पुत्र की गोली मारकर हत्या

सीतापुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां डबल मर्डर से हड़कंप मच गया है। बदमाशों ने पिता और पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पुरानी रंजिश में अख्तर और मैसर को गोली मारी गई। कुछ दिन पहले ही पिता-पुत्र जेल से छूटकर आए थे। हत्या के मामले में दोनों जेल में बंद थे। इस दोहरे हत्याकांड के बाद सीतापुर के फतेहपुर गांव में तनाव में है। भारी फोर्स की तैनाती की गई है। पिता पुत्र की गोली मार कर हत्या किए जाने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। पुरानी रंजिश के चलते ये वारदात हुई है। 24 घंटे पहले हुए विवाद में पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ खानापूर्ति की है।

घने कोहरे में दो बसों की जोरदार टक्कर, 12 से ज्यादा यात्री घायल; 3 की हालत नाजुक

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की श्रावस्ती जिले से एक भीषण हादसा सामने आया है, जिसमें तेज रफ्तार दो बसें आपस में टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बसों के परखच्चे उड़ गए हैं। घटना में 12 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं,

जिनमें से तीन की हालात नाजुक बनी हुई है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि सरीरिया मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना के बाद से ही इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। श्रावस्ती जिले में शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे-730 पर कटरा बाईपास के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दिल्ली की ओर जा रही एक डबल डेकर बस और हरियाणा के कुरुक्षेत्र से नेपाल जा रही दूसरी बस आमने-सामने से टकरा गईं।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बसों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनके परखच्चे उड़ गए। हादसे के समय दिल्ली आ रही डबल डेकर बस खाली थी, जबकि नेपाल वाली बस में 29 यात्री सवार थे।

गुरु गोबिंद सिंह का संघर्ष निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है: सीएम योगी

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए शनिवार को कहा कि अन्याय और अधर्म के विरुद्ध उनका संघर्ष निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

'श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को कोटि-कोटि नमन'

योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''महान संत एवं धर्मयोद्धा, साहस और त्याग की प्रतिमूर्ति, खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता गुरु श्री गोबिंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।'' उन्होंने कहा, ''अन्याय व अधर्म के विरुद्ध आपका संघर्ष और धर्मरक्षा का संदेश संपूर्ण मानवता को सत्य, निष्ठा एवं निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।''

'आप सभी को लख-लख बधाइयां'

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर पोस्ट कहा, ''सिखों के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व की आप सभी को लख-लख बधाइयां।'' चौधरी ने कहा, ''धर्म, मानवता, समानता और प्रेम-भाईचारे का जो मार्ग उन्होंने दिखाया, उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले प्रकाश-स्तंभ हैं।'' हर वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती मनाई जाती है।

प्रेमी के साथ भाग गई पत्नी, पति की संदिग्ध हालात में मौत

बांका, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के शंभूगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कैथा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान कैथा गांव निवासी गोपाल पंजिकार के 30 वर्षीय पुत्र अनुज कुमार उर्फ सेठो पंजिकार के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों ने पत्नी और उसके प्रेमी पर साजिशन हत्या का आरोप लगाते हुए थाना में मामला दर्ज कराया है। मृतक की मां मंजू देवी सहित अन्य स्वजनों ने आरोप लगाया है कि अनुज की पत्नी नेहा पंजिकार और करसोप निवासी कैलाश साह का पुत्र आदर्श प्रताप उर्फ कुमार ने मिलकर अनुज की हत्या करवाई है। सूचना मिलते ही एसडीपीओ अमर विश्वास, दारोगा आदर्श कुंदन, मु। शहजाद, सौरभ कुमार सहित अन्य पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना करने के बाद जांच के लिए भागलपुर से फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया।

3 साल में 3 शादियां कीं, 2 बीवियां थाने पहुंचीं तो खुला राज

गोपालगंज, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज से एक चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने परफेक्ट पत्नी की तलाश में 3 साल में 3 शादियां कर लीं। दो बीवियों से उसके दो बच्चे भी हैं, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि तीनों पत्नियां एक-दूसरे से पूरी तरह अंजान रहीं। जब सच्चाई सामने आई, तो मामला सीधे थाने तक पहुंच गया और अब आरोपी पति सलाखों के पीछे है। मामला मीरगंज थाना क्षेत्र के गौरूप समईल गांव का है। पिंटू बरनवाल ने बिना तलाक दिए एक के बाद एक तीन शादियां कर लीं। पहली शादी वर्ष 2022 में हिंदू रीति-रिवाज से हुई। पहली पत्नी खुशबू कुमारी उर्फ अमृता का आरोप है कि शादी में उसके पिता ने 20 ग्राम सोना, कई तोला चांदी और करीब 3 लाख रुपये नकद दिए थे। इसके बावजूद पति लगातार 5 लाख रुपये और कार की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता रहा।

पुलिस की रायफल लूटकर भागा बदमाश 13 साल बाद चढ़ा एसटीएफ के हत्थे

बांदा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने 13 साल से फरार चल रहे एक लाख के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश पर 13 साल पहले पुलिस की रायफल लूटने का आरोप है। कहां हुई मुठभेड़ः पुलिस के मुताबिक, मटौंध थाना क्षेत्र के भूरागढ़ इलाके में सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति तमंचा लिए हुए खदान के पास बैठकर शराब पी रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया तो अभियुक्त ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। घायल का उपचार किया जा रहा है। आरोपी के पास से एक तमंचा व 2 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

अंगीठी जलाकर सोए परिवार के 4 लोगों की मौत

छपरा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छपरा में रात घर में अंगीठी जलाकर सोए एक ही परिवार के 4 लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। परिवार के तीन सदस्यों की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों में तीन मासूम बच्चे और एक बुजुर्ग महिला शामिल है। मृतकों की पहचान 3 साल की तेजस, 4 साल के अध्याय, 7 महीने की गुड़िया कुमारी और 70 साल की कमलावती देवी के रूप में की गई है। तीनों बच्चों आपस में भाई-बहन थे और बुजुर्ग महिला उनकी नानी थी। वहीं दम घुटने से अमित कुमार, अमीषा और अंजलि की हालत गंभीर है। उन्हें तत्काल छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उनकी हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया और मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है। घटना भगवान बाजार थाना क्षेत्र के अंबिका कॉलोनी, भारत मिलाप चौक के पास की है।

'मनमाना बुलडोजर एक्शन' प्रशासन को पड़ा महंगा

हाईकोर्ट ने यूपी सरकार पर ठोका 20 लाख का जुर्माना; एसडीएम का आदेश रद्द

प्रयागराज, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने जमीन का मालिकाना हक छीनने और अवैध तरीके से निर्माण ढहाने के एक मामले में यूपी सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने न केवल पीड़ित को न्याय दिया, बल्कि प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी पर 20 लाख रुपये का भारी-भरकम हर्जाना भी लगाया है। यह विवाद रायबरेली जिले के देवनंदनपुर गांव का है।

याचिकाकर्ता सावित्री सोनकर का नाम सरकारी राजस्व रिकॉर्ड में जमीन के मालिक के तौर पर दर्ज था। इसके बावजूद संबंधित एसडीएम (एसडीएम) ने 10 फरवरी को राजस्व संहिता की धारा 38 का इस्तेमाल कर बिना किसी सुनवाई के सावित्री का नाम हटा दिया। जमीन को ग्राम सभा का घोषित कर दिया गया और 24 मार्च को वहां बना निर्माण ढहा दिया गया। बाद में यह जमीन जीएसटी विभाग को सौंप दी गई।

ये अवैध और मनमाना कदम था'

जस्टिस आलोक माथुर की सिंगल बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए प्रशासन की कार्यशैली को 'अवैध' करार दिया। अदालत के अपने आदेश में कहा कि विवादित जमीन का कब्जा तुरंत याचिकाकर्ता (सावित्री सोनकर) को लौटाया जाए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश दिया गया है कि वह 2 महीने के भीतर मुआवजे की यह राशि याचिकाकर्ता को दे। इतना ही नहीं, कोर्ट ने राजस्व अधिकारियों की भूमिका पर संदेह जताते हुए अपर मुख्य सचिव (एसीएस) स्तर के अधिकारी से इसकी जांच कराने का आदेश दिया है।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि रिकॉर्ड में बदलाव करने से पहले याचिकाकर्ता को कोई नोटिस नहीं दिया गया और न ही उनका पक्ष सुना गया। यह पूरी कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध और सत्ता का दुरुपयोग है।

पुलिस की जीप में बैठकर बनाई युवक ने रील वायरल होने पर पहुंचा जेल

सकीट, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। क्षेत्र में रील बनाने का खुमार युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के लिए युवा नियम-कानून की परवाह किए बिना लगातार ऐसी हरकतें कर रहे हैं, जो उन्हें भारी पड़ रही हैं। इसी तरह का एक मामला क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर से सामने आया है, जहां एक युवक ने खड़ी पुलिस जीप में बैठकर रील बनाई और उसे वायरल कर दिया। रील का वीडियो जैसे ही इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ, मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस तत्काल हरकत में आई और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरडीएफ जलाने पर बवाल, किसान नेता राकेश टिकैत की चेतावनी से गरमाया माहौल

मुजफ्फरनगर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में बढ़ते प्रदूषण ने हालात को बेहद गंभीर बना दिया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जनपद की फैक्टरियों में आरडीएफ के नाम पर बाहर से कचरा मंगाकर जलाया जा रहा है। जिससे प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को इस मुद्दे को लेकर जिला प्रशासन की पहल पर जिला कलेक्ट्रेट स्थित पंचायत सभागार में किसानों और फैक्ट्री मालिकों के बीच एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत भी मौजूद रहे। बातचीत के दौरान किसानों और फैक्ट्री मालिकों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली।

जनपद में कचरा जलाने की अब नहीं दी जाएगी अनुमति- राकेश टिकैत

बैठक के दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जनपद में बाहर से कचरा लाकर जलाने की अनुमति अब नहीं दी जाएगी। अगर बाहर से ट्रक भरकर कचरा आया, तो किसान आंदोलन तेज करेंगे। फैक्ट्री मालिकों में हिम्मत है तो बाहर से कचरा लाकर दिखाएं।

फैक्ट्री बंद कर जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी मिल की चाबी- पंकज अग्रवाल

राकेश टिकैत की चेतावनी पर फैक्ट्री मालिक पंकज अग्रवाल ने भी दो टूक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरडीएफ जलाने की अनुमति सरकार से है। अगर दबाव बनाया गया तो फैक्ट्री बंद कर मिल की चाबी जिलाधिकारी को सौंप दी जाएगी। फैक्ट्री मालिकों ने साफ कहा कि दहशत के माहौल में मिल चलाना संभव नहीं है।

'सपा सरकार में अपराध था बेलगाम'

जनसुनवाई के दौरान अखिलेश यादव पर बरसे ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ, 27 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज्य मंत्री ओम प्रकाश राजभर गाजीपुर के मरदह ब्लॉक में जन सुनवाई कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां पर लोगों की समस्याओं को जाना समझा और उसके निराकरण का निर्देश दिया। इस दौरान अखिलेश यादव के द्वारा हापुड़ के किसानों के बकायों को लेकर सरकार को घेरा है। इस पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सहारनपुर में कत्लेआम हो रहा था और सैफई में नाच हो रही थी।

अखिलेश यादव बैठकर नाच देख रहे थे। क्या वह भूल गए उन्होंने कहा कि सपा सरकार में किसानों का जितना भुगतान हुआ उसे तीन गुना ज्यादा बीजेपी ने किसानों का कराया है।

अखिलेश की सरकार में छुट्टा सांड की तरह घूमते थे अपराधी- ओम प्रकाश राजभर

अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी राज में बाटी चोखा की जगह पर माटी चोखा खाने को मिलता है। इस पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव के जमाने में अपराधी छुट्टा साढ़ की तरह घूम रहे थे। उस पर विराम लग गया है समाजवादी कांग्रेस और बसपा की सरकारों में दंगा हुआ करते थे और कर्फ्यू लगते थे। उसे पर भी विराम लग गया है और जो बिचौलिया बीच में माल लूट लेते थे वह सभी पैसा अब किसान के सीधे खाते में सम्मान निधि और अन्य योजनाओं के माध्यम से आ रही है। अब तो लोगों को इससे दिक्कत हो रही है पहले वह स्वतंत्र होकर लूट रहे थे।

गुरुद्वारे की गोलक से चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया युवक, संगत ने पिटाई कर पुलिस को सौंपा

जालंधर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जालंधर के अवतार नगर इलाके में स्थित गली नंबर-3 के एक गुरुद्वारे में चोरी की घटना सामने आई है। गुरुद्वारे के गोलक से पैसे निकालते हुए एक युवक को संगत ने रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी को काबू में लेते ही वहां मौजूद लोग आक्रोशित हो उठे और उसकी जमकर पिटाई कर दी, जिससे कुछ समय के लिए इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक काफी समय से सेवा के बहाने गुरुद्वारे में आ-जा रहा था। गुरुद्वारा प्रबंधन को गोलक में रखी रकम लगातार कम होने का शक था, जिसके चलते संगत के कुछ सदस्यों ने निगरानी शुरू की। घटना वाले दिन जैसे ही युवक गोलक से पैसे निकालने की कोशिश कर रहा था, तभी लोगों ने उसे देख लिया और तुरंत पकड़ लिया।

अजित पवार अचानक 'नॉट रिचेबल', बिना किसी को बताए निकले अकेले; आखिर हुआ क्या?

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य में नगर निगम चुनावों से पहले राजनीतिक घटनाक्रम ने रफ़्तार पकड़ ली है। मीटिंग, इंटरव्यू, चर्चा, सीटों का बंटवारा चल ही रहा था कि अचानक आज सुबह नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रेसिडेंट और राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार ने सबको हैरान कर दिया। अजित पवार अचानक पुणे के बारामती हॉस्टल से बिना किसी को बताए, बिना किसी सरकारी काफिले या पुलिस प्रोटेक्शन के अकेले निकल गए। अजित पवार आखिर गए कहां? इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस बार, वे बिना किसी पुलिस प्रोटेक्शन या पुलिस काफिले के अकेले निकल गए। अजित पवार आखिर गए कहां? और क्यों गए? सबके मन में यही सवाल था।

चुनाव सिंबल को लड़ाई?

पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि पुणे में दोनों एनसीपी पार्टियां एक साथ आएंगी। दोनों एनसीपी के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला भी तय हो गया था। हालांकि, पता चला है कि यह बात इस बात पर अटक गई है कि चुनाव किस सिंबल पर लड़ा जाए, घड़ी या तुरही। इस बात के अटकने के बाद अजित पवार अचानक बारामती हॉस्टल से चले गए हैं।

शरद पवार ग्रुप से बात बिगड़ने के बाद अजित पवार का अचानक इस तरह अकेले चले जाना कई तरह की चर्चाओं को हवा दे रहा है क्या वह पारिवारिक कारणों से गए हैं या इसके पीछे कोई राजनीतिक वजह है? इसे लेकर अब कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दोनों गुटों के बीच बात लगभग तय मानी जा रही थी कि पुणे में एनसीपी के दोनों गुटों के बीच बातचीत फेल हो गई है, वहीं अजीत पवार ने 'कोई वापस न आए' कहते हुए हॉस्टल से निकल गए। उन्होंने कहा कि कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अपने साले के घर पहुंचे हैं। लेकिन इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

आखिर हुआ क्या?

पुणे नगर निगम चुनावों के मद्देनज़र एनसीपी के दोनों गुटों के बीच बातचीत टूटने की बात हो रही है। इसके बाद कल देर रात शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की महा विकास अघाड़ी के साथ एक बैठक हुई। यह बैठक दिन-रात करीब चार से पांच घंटे तक चली। आज सुबह, अजीत पवार बिना किसी पुलिस सुरक्षा या काफिले के अकेले बारामती हॉस्टल से निकल गए। इसलिए, यह सवाल उठ रहा है कि वह आखिर कहां गए?

ऐसा क्या हुआ कि 24 घंटे भी नहीं टिकी 'डॉक्टर कपल' की शादी, फेरों के तुरंत बाद हुआ तलाक

पुणे, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। शादी के पवित्र बंधन में बंधने के कुछ ही घंटों बाद एक जोड़े का अलग हो जाना वाकई चौंकाने वाला है। आमतौर पर शादियां जन्म-जन्मांतर के साथ का वादा होती हैं, लेकिन पुण से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है जहां दूल्हा-दुल्हन के बीच विवाद इतना गहरा गया कि यह शादी 24 घंटे भी नहीं टिक पाई। पुणे में नवविवाहित डॉक्टर दंपती द्वारा महज 24 घंटे के भीतर तलाक लिए जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है।

शादी के तुरंत बाद दोनों के बीच गंभीर मतभेद शुरू हो गए, जिसके बाद दोनों ने अदालत में जाकर आपसी सहमति से विवाह समाप्त कर दिया। यह मामला स्थानीय स्तर पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बड़े पैमाने पर चर्चा का विषय बन गया है। महिला के वकील के अनुसार, यह एक लव मैरिज थी, लेकिन पति ने अपने काम के स्वरूप के बारे में शादी के बाद खुलासा किया।

पति ने बताया कि वह जहाज (मर्चेंट नेवी) पर काम करता है और उसे ड्यूटी के लिए कभी भी जाना पड़ सकता है, जहां उसे 6-6 महीने तक घर से दूर रहना पड़ता है। महिला को यह बात ठीक नहीं लगी क्योंकि उसका मानना था कि इतनी बड़ी बात शादी से पहले साझा की जानी चाहिए थी। पति की लंबी अनुपस्थिति और समय पर जानकारी न देने की बात को लेकर शादी के तुरंत बाद ही विवाद इतना बढ़ गया कि महिला पति से अलग रहने लगी। हालांकि शादी के 24 घंटे के भीतर ही दोनों अलग हो गए थे, लेकिन कानूनी रूप से 18 महीने की प्रक्रिया के बाद अब आपसी सहमति से उनका तलाक संपन्न हुआ है।

पीएनबी ने श्रेय फर्म के लोन खातों को फ्रॉड घोषित किया; 2,400 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने श्रेय इक्विपमेंट फाइनेंस और श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस के पूर्व प्रमोटर द्वारा कथित तौर पर 2,434 करोड़ रुपए की लोन धोखाधड़ी की घोषणा की है। यह जानकारी सरकारी बैंक की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई। एक्सचेंज फाइलिंग में पीएनबी ने बताया कि 2,434 करोड़ रुपए की लोन धोखाधड़ी में से 1,240।94 करोड़ रुपए श्रेय इक्विपमेंट फाइनेंस और बाकी के 1,193.06 करोड़ रुपए श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस से जुड़े हुए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने कहा कि उसने इन लोन के लिए 100 प्रतिशत का प्रावधान किया है। इन दो खातों को फ्रॉड फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर घोषित किया गया है, जिसमें संबंधित पक्षों को लोन देने और लोन के संभावित पुनर्जीवन जैसी अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया है। हालांकि, श्रेय ग्रुप ने धोखाधड़ी के वर्गीकरण के आधार के रूप में फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट को यह कहते हुए चुनौती दी है कि मामला अभी अदालत में विचाराधीन है। पंजाब एंड सिंध बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जैसे अन्य बैंकों ने पहले ही श्रेय कंपनियों से जुड़े लोन खातों को फ्रॉड घोषित कर दिया है। श्रेय ग्रुप 2021 से दिवालियापन समाधान प्रक्रिया से गुजर रहा है, और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 2023 में राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को मंजूरी दे दी है।

अक्टूबर 2021 में भारतीय रिजर्व बैंक ने श्रेय ग्रुप को एनसीएलटी के समक्ष भेजा था, क्योंकि उसे शासन संबंधी समस्याएं और चूक मिली थीं। साथ ही, नियामक ने श्रेय इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस और श्रेय इक्विपमेंट फाइनेंस के बोर्डों को भंग कर दिया था। फरवरी 2023 में एनआरसीएल, एसआईएफएल और एसईएफएल के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभर कर सामने आया, जिन पर ऋणदाताओं का कुल 32,750 करोड़ रुपए का बकाया था। एनआरसीएल ने फरवरी 2023 में बोली जीती, अगस्त 2023 में एनसीएलटी से मंजूरी प्राप्त की और जनवरी 2024 तक अधिग्रहण को अंतिम रूप दे दिया।

हथियार, ड्रग्स और जुआ पर सख्ती, दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन आघात' के तहत की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के दक्षिण-पूर्वी जिले ने अपराधियों के खिलाफ सख्ती दिखाते हुए 'ऑपरेशन आघात 3.0' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। इस विशेष अभियान में अवैध शराब, नशीले पदार्थ, जुआ और हथियारों की तस्करी पर जोर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और भारी मात्रा में सामग्री बरामद की गई।

अभियान के दौरान एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैंबलिंग एक्ट के उल्लंघन में 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। निवारक कार्रवाई के तहत 504 लोगों को हिरासत में लिया गया, जबकि 116 बदमाश किस्म के अपराधी (बैड कैरेक्टर) पकड़े गए। प्रॉपर्टी क्राइम में संलिप्त 10 अपराधियों और 5 ऑटो-लिफ्टरों को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया गया।

ओडिशा पीसीसी प्रमुख भक्त चरण दास ने सीईसी के दौरे पर उठाए सवाल

भुवनेश्वर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के ओडिशा के तीन दिवसीय दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी। भक्त चरण दास ने आरोप लगाया कि मौजूदा निर्वाचन आयोग सत्तारूढ़ भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है और इसके चलते लोकतांत्रिक अधिकारों से समझौता किया जा रहा है।

भक्त चरण दास ने कहा कि वर्तमान आयोग के कार्यकाल में कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जिससे नागरिकों के संवैधानिक मतदान अधिकारों का हनन हुआ है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जबकि उत्तर प्रदेश में अदालत के आदेशों के बाद करीब तीन करोड़ नामों को कथित तौर पर मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह की प्रक्रिया अन्य राज्यों में भी अपनाई गई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र को कमजोर करने और गरीबों से उनके अधिकार छीनने की साजिश करार दिया।

सीईसी के पुरी दौरे और भगवान जगन्नाथ के दर्शन को लेकर भी दास ने कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कथित गलत कामों के बाद रोज़ भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने से कोई पाप धुलने वाला नहीं है। भगवान जगन्नाथ पूरे ब्रह्मांड के स्वामी हैं और सब कुछ देखते हैं। ऐसे में इन लोगों के पाप यूं ही समाप्त नहीं होंगे। भक्त चरण दास ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से नैतिक जिम्मेदारी लेने की मांग करते हुए कहा कि यदि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि सीईसी को हकीकत स्वीकार करनी चाहिए। उन्हें अपनी गलतियों को सुधारना चाहिए और जरूरत पड़े तो इस्तीफा देकर जनता का भरोसा बहाल करना चाहिए, ताकि आगामी चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराए जा सकें।

मुरैना में बीजेपी नेता ने कार से 5 लोगों को रौंदा

भीड़ ने पिटाई कर पुलिस को सौंपा, हिरासत से भाग गया आरोपी

मुरैना, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना ज़िले में एक बीजेपी नेता ने पांच लोगों को रौंद दिया। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। इनमें से तीन लोगों की हालत गंभीर है। जिन्हें ग्वालियर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। आरोप है कि बीजेपी नेता तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था और शराब के नशे में है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बीजेपी नेता को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। लोगों ने इस कदर पीटा कि नाक से खून निकलने लगा। मामला पोरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत जोटई रोड का है। आरोपी की पहचान दीपेंद्र भदौरिया के रूप में हुई है।

गुस्साए लोगों ने बीजेपी नेता को जमकर पीटा

जानकारी के मुताबिक, दीपेंद्र भदौरिया तेज रफ्तार से कार चला रहा था। जोटई रोड बाईपास चौराहे के किनारे पर सर्दी से बचने के लिए अलाव के आगे बैठे थे और हाथ सेंक रहे थे। इसी दौरान एमपी 06 सीए 5172 नंबर की कार ने लोगों को टक्कर मार दी। गुस्साए स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पर मौके पर ही पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया।

इसके बाद आरोपी दीपेंद्र पुलिस की हिरासत से भाग गया। गुस्साए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। आक्रोशित ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने ही बीजेपी नेता को भगा दिया।

पुलिस हिरासत से भागा भाजपा नेता

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बीजेपी नेता लोगों को टक्कर मारने के बाद रुकने के बजाय, वह लापरवाही से गाड़ी चलाता रहा। इस दौरान उसकी कार सड़क पर एक और गाड़ी से भी टकरा गई। टक्कर के बाद, मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी का पीछा किया। गुस्साए स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई की। बाद में उन्होंने उसे पोरसा पुलिस के हवाले कर दिया।

हालांकि पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी का पता लगाने के लिए टीमें बनाई गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की कोशिशें जारी हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया है। किसी भी और गड़बड़ी को रोकने के लिए पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि आरोपी के पकड़े जाने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विजिलेंस विभाग के एसएसपी लखबीर सिंह निलंबित

अमृतसर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। विजिलेंस विभाग अमृतसर में तैनात एसएसपी लखबीर सिंह को पद से निलंबित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई एक निर्माण कंपनी से जुड़े मामले की जांच के दौरान सामने आई शिकायतों के आधार पर की गई है। जानकारी के मुताबिक एक सीनियर आईएएस अधिकारी द्वारा की गई शिकायत के बाद सरकार ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया। बताया जा रहा है कि अमृतसर के रंजीत एवेन्यू इलाके में 55 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत विकास कार्यों को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं।

शिकायतों में कहा गया है कि जिन योजनाओं के लिए धनराशि जारी की गई थी, उनका कार्य धरातल पर नजर नहीं आया, जबकि भुगतान करोड़ों रुपये में किया गया। इस मामले की शिकायत शासन तक पहुंचने के बाद जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है। पूरे मामले पर उच्च स्तर से निगरानी रखी जा रही है और आने वाले दिनों में इस प्रकरण में और भी अहम खुलासे हो सकते हैं।

गुजरात ने हासिल किया 'बाघ की मौजूदगी वाले राज्य' का दर्जा, 36 साल का इंतजार खत्म

अहमदाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात ने तीन दशकों से अधिक समय बाद 'बाघ की मौजूदगी वाले राज्य' का दर्जा फिर से हासिल कर लिया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने गुजरात में एक बाघ की मौजूदगी की पुष्टि की है। उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने यह जानकारी दी। इस दौरान एक अन्य मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही गुजरात अब शेर और तेंदुए के साथ बाघ का भी घर बन गया है।

वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, गुजरात में 36 साल पहले 1989 में बाघ विलुप्त हो गए थे। यह घटनाक्रम गुजरात वन विभाग द्वारा यह घोषणा किए जाने के लगभग एक महीने बाद आया है कि एक भटकते हुए बाघ ने दाहोद जिले के रतनमहल वन्यजीव अभयारण्य को अपना नया घर बना लिया है और अब वह वहीं बस गया है।

हर्ष सांघवी ने किया पोस्ट

सांघवी ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि गुजरात ने 30 से अधिक साल बाद बाघों की मौजूदगी दर्शाने वाले भारत के नक्शे में फिर से जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि रतनमहल वन्यजीव अभयारण्य (दाहोद) में लगे कैमरे में रिकॉर्ड किए गए सबूतों की पुष्टि करते हुए एनटीसीए ने वर्ष 2026 की गणना के लिए आधिकारिक तौर पर गुजरात को बाघ वाले राज्य के रूप में फिर से शामिल कर लिया है।

वन एवं पर्यावरण मंत्री ने क्या कहा?

गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि एनटीसीए की एक टीम ने हाल ही में अध्ययन करने के लिए राज्य का दौरा किया था और अभयारण्य में बाघ की मौजूदगी की पुष्टि की थी। उन्होंने कहा, ''एनटीसीए की एक टीम ने हाल ही में राज्य का दौरा किया और एक शुरुआती रिपोर्ट तैयार की, जिसमें कहा गया है कि गुजरात में एक बाघ है। रिपोर्ट में एनटीसीए ने पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई कदम भी सुझाए हैं जो राज्य में बाघों के संरक्षण में मदद करेंगे।''

'जी राम जी' बिल की वापसी के लिए सडकों पर उतरेंगे, नहीं चलने देंगे संसद की कार्रवाई: पप्पू यादव

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने 'जी राम जी' बिल को लेकर दावा किया है कि इस बिल को वापस लेने के लिए किसान आंदोलन से भी बड़ा आंदोलन करने की जरूरत है और अंजाम कितना भी भयावह हो, सरकार को चलने नहीं दिया जाएगा। नई दिल्ली में सांसद पप्पू यादव ने आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के विचारों को बनाए रखने के लिए बिना किसी समझौते के लड़ाई लड़ने की जरूरत है। इस देश की संस्कृति और इतिहास से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। अगर कुछ भी संविधान के खिलाफ जाता है या लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं है, तो हमें उसके खिलाफ लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सदन को नहीं चलने देंगे। हम अंजाम भुगतने को तैयार हैं। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मनरेगा का मुद्दा आम गरीबों का मुद्दा है। मनरेगा की हत्या कर दी गई है, यह कैसे भुलाया जा सकता है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह ने जो किया, वह आजीवन याद रहेगा। मनरेगा महात्मा गांधी से जुड़ा हुआ था।

पप्पू यादव ने कहा कि राजीव गांधी के सपने पंचायती राज व्यवस्था को खत्म करने का काम किया है, गांधी के ग्राम स्वराज को खत्म किया गया है। गरीबों के अधिकार के लिए कांग्रेस ने जो बड़ी सोच लाई थी, आम आदमी के अधिकार को खत्म कर दिया गया है। इसीलिए उस अधिकार के लिए किसान आंदोलन से बड़े आंदोलन की जरूरत है। यह बिल तब तक वापस नहीं लिया जाएगा, जब तक हम सड़कों पर नहीं उतरेंगे।

बीएमसी चुनाव 2026 को लेकर एआईएमआईएम ने जारी की पहली लिस्ट, इन 7 उम्मीदवारों के हैं नाम

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव को लेकर एआईएमआईएम ने अपनी पहली सूची जारी करते हुए 7 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है। यह घोषणा एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के निर्देश पर की गई है। आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव 2026 को देखते हुए यह सूची राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है। इससे साफ है

कि एआईएमआईएम ने मुंबई के स्थानीय निकाय चुनाव में सक्रिय और संगठित तैयारी शुरू कर दी है। बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव के तहत एआईएमआईएम ने मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र 171 के अंतर्गत आने वाले वार्डों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं। वार्ड नंबर 134 से मेहजबीं अतीक अहमद खान को महिला उम्मीदवार के तौर पर उतारा गया है। वार्ड नंबर 135 से खान इरशाद असलम अली, वार्ड 136 से मोहम्मद जमीर मोहम्मद मुर्तुजा कुरैशी, वार्ड 137 से शमीर रमजान पटेल और वार्ड 138 से रोशन इरफान शेख को ओबीसी श्रेणी से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं वार्ड 139 से शबाना मोहम्मद आतिफ शेख महिला उम्मीदवार होंगी और वार्ड 140 से विजय तातोबा उबाले को एससी वर्ग से टिकट दिया गया है। इन नामों से एआईएमआईएम ने सामाजिक संतुलन साधने का प्रयास किया है। बीएमसी के अलावा एआईएमआईएम ने महाराष्ट्र के निकाय चुनावों के लिए भी छह उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। अहमदनगर के प्रभाग 4 से शहनाज खालिद शेख, सलमा जाबिर शेख, शाहबाज अहमद सैयद और समद वहाब खान को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके साथ ही लातूर के वार्ड 4 से सुमैय्या मुहम्मद अली शेख को मैदान में उतारा गया है।

परभणी से आलिया अंजुम मोहम्मद गौस जैन को उम्मीदवार घोषित किया गया है। पार्टी की यह सूची राज्य स्तर पर एआईएमआईएम की मौजूदगी को मजबूत करने की रणनीति को दर्शाती है। मुंबई नगर निगम चुनाव के कार्यक्रम के अनुसार नामांकन स्वीकार करने की प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 दिसंबर 2025 को की जाएगी। उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 02 जनवरी 2026 तय की गई है। चुनाव चिह्न का आवंटन 03 जनवरी 2026 को होगा और उसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। मतदान 15 जनवरी 2026 को कराया जाएगा जबकि मतगणना 16 जनवरी 2026 को होगी। इस कार्यक्रम के साथ बीएमसी चुनाव की तस्वीर अब पूरी तरह साफ हो गई है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने दिया इस्तीफा

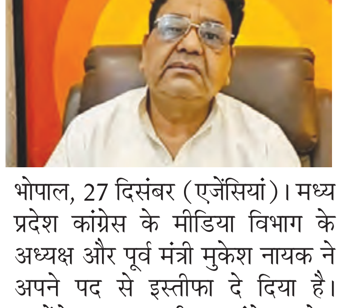

भोपाल, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को भेजा है। मुकेश नायक ने साफ कहा है कि वे यह फैसला पूरी तरह स्वेच्छा से ले रहे हैं। इसके पीछे उनका मकसद नए लोगों को मौका देना है। मुकेश नायक का कहना है कि उन्होंने मीडिया विभाग के अध्यक्ष के रूप में अपना दो साल का कार्यकाल पूरी ईमानदारी, निष्ठा और मेहनत के साथ निभाया है।

इस दौरान पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जनता तक पहुंचाने के लिए उन्होंने पूरी टीम के साथ मिलकर काम किया। उनका मानना है कि संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए समय-समय पर बदलाव जरूरी होते हैं, ताकि नए चेहरे और नई ऊर्जा सामने आ सकें। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई प्रबंधन समिति की बैठक में भी उन्होंने इस मुद्दे को उठाया था। बैठक के दौरान उन्होंने कहा था कि पुराने लोगों को खुद आगे बढ़कर नए साथियों के लिए जगह बनानी चाहिए। उसी सोच के तहत उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। अपने इस्तीफे में मुकेश नायक ने लिखा, ₹कल प्रबंध समीति की बैठक में मैंने यह आह्वान किया था कि पुराने लोगों को नए लोगों के लिए स्थान खाली करना चाहिए। मैं स्वेच्छा से अपने पद से इस्तीफा देता हूं।

दो वर्ष एक बेहद मेहनती, ईमानदार और सक्षम अध्यक्ष के साथ काम करने का अनुभव अच्छा रहा। मेरी अनन्य शुभकामनाएं। पिछले 24 घंटों में मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग में उथल-पुथल मची हुई है। मामला पार्टी प्रवक्ताओं के टैलेंट हंट कार्यक्रम से जुड़ा है। एक ही काम के लिए अलग-अलग पदाधिकारियों द्वारा अलग-अलग कमेटियां और आदेश जारी किए गए, जिससे आपसी तालमेल की कमी साफ दिखी।

साहित्य का मुखर व संवेदनशील स्वर : शिव मंगल सिंह सुमन

अतुल कुमार

हिंदी के प्रमुख साहित्यकारों में शिव मंगल सुमन एक हैं .जिनको प्रबुद्ध पाठकों के अलावा सामान्य जन भी जानते .क्यों कि उन्होंने साहित्य को बोझिल नहीं बल्कि चिंतनशील बनाया जिसमें रम आम पाठक भी झूम उठते और काव्य मर्म को समझते .उनकी प्रसिद्ध काव्य कृति " मिट्टी की बारात " साहित्य की चर्चित किताबों में एक है .जिसमें सुमन ने जीवन मृत्यु , प्रकृति और संस्कृति के सार्वभौमिक महत्व को गहराई से चित्रांकित किया . मिट्टी की महिमा का गान किया . मिट्टी कैसे जीवन का आधार है . यह प्रकृति की अनंतता तथा लचीलेपन की द्योतक है . मिट्टी के माध्यम से कवि ने सामाजिक यथार्थ .इंसानी जज़्बात और सांस्कृतिक मूल्यों व महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया .इसकी कुछ लाइनों को पढिये " कीचड कालिख से सने हाथ इनको चूमो / सौ कामिनियों के लोल कपोलों से बढ कर जिसने चूमा / दुनिया को अन्न खिलाया है / आतप –वर्षा पाले से सदा बचाया है श्रम सीकर से लथपथ चेहरे इनको चूमो / कुश – कंटक से क्षत विक्षत पग इनको चूमो जो लक्ष्मी – ललित क्षीर सिंधु के चर्चित चरणों से बढ कर , जिनका अपराजित शौर्य इनको चूमो //

शिव मंगल सिंह सुमन महान कवि लेखक और शिक्षाविद थे जिनकी कविताओं में राष्ट्रीय चेतना , मानवता और सांस्कृतिकता के स्वर गूंजते जिसे पढ पाठक भाव विभोर होते .कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ कर मंच से उतरते तो श्रोता उनका खडे हो अभिवादन ही नहीं करते अपितु फूलों की वर्षा करते . उनकी प्रखर वाणी को सुनने सम्मेलन स्थलों के बाहर खडे तांगे और रिक्शे वाले भी आनंदित होते और बाहर खडे हो उनके आने की प्रतीक्षा करते. प्रसंगानुसार बताया जाता है कि कानपुर में एक रिक्षा चालक ने अपने रिक्षे को मंहगे फूलों से सजा सम्मेलन स्थल के बाहर इस उम्मीद से खडा किया कि उनको इसमें बैठा प्रवास स्थान तक ले जायेगा . वैसा ही हुआ तब उससे पूछा कि इतना खर्च क्यों किया और कहां से लाये ? उसने उत्तर दिया कि आपके आगमन की सूचना पा अपने तीन दिन के मेहनताने से इसे आपके स्वागत में सजाया .सुन भावुक हुए . कहा आपकी कविताओं पर यह चढावा है .काश ! उस दौर में आज की भांति सेल्फी या पिक का चलन होता .

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे . अच्छे वक्ता ,कवि सम्मेलनों के गायक और एक कुशल प्रशासक भी थे विक्रम विश्व विद्यालय के कुलपति थे .उनकी कविताएं समय .चुनौतियों और समस्याओं का आख्यान होतीं. जिसमे जन समस्याओं के साथ उनका दर्द, बेहसहारगी के कारण चुभता एकांत और खामोशी से जूझते भावों की अभिव्यक्ति होती . अब कहां ऐसी कविताएं लिखीं ,सुनी और कही जाती हैं बाज़ारवाद ने मनुष्य की संवेदनाओं को लील लिया है .वही कविताएं होती हैं जिसमें अधिक लाइक्स या कमेंट्स मिलें . वास्तव मे शिव मंगल सिंह सुमन सामाजिक यथार्थ इंसानी मोहब्बत और सौहार्द के सशक्त कवि थे जो हर आदमी में अपनापन , अच्छाई और उसकी रचनात्मकता को देखते थे . साहित्य के विद्वानों के अनुसार सुमन की कविताओं में अदम्य साहस ,ओज और तेजस्विता एक तरफ ,दूसरी तरफ प्रेम ,करुणा और रागमयता तीसरी ओर प्रकृति का निर्मल चित्रण और चौथी ओर दबे कुचले और सताये लोगों की आवाज़ मुखर रूप में एक्स्प्रेस होती .

अपनी कविताओं मे आत्म सम्मान ,कर्तव्य निष्ठा जीवन की चुनौतियों के सामने झुकने की भावना से इंकार करने की भावना को व्यक्त करते लिखा कि ‘ तिल – तिल मिटूंगा पर दया की भीख मैं लूंगा नही,वरदान मांगूंगा नहीं / अपने हृदय की वेदना व्यर्थ त्यागूंगा नहीं / संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही ,वरदान मांगूंगा नहीं / पथ भूल न जाना पथिक यह जीवन चुनौतियों और संघर्षो से ही सजता है वरदान मांगूंगा नहीं // यह इंसानी पीडा और उसके प्रति एक सकारात्मक सशक्त प्रतिक्रिया का चित्रण है जो जीवन के पथ पर कठिनाइयों के

बावजूद कर्तव्य से विचलित न होने की प्रेरणा देते है. अपने साहित्य से अनेका नेक अर्थों की पोट्ली को खोलते उनकी विद्वता के सम्मुख रचनात्कता को नयी धार और दिशा मिली . सामाजिक निर्माण की उनकी गति सकारात्मक तथा सृजनात्मक रही .आज के संकुचित ईर्ष्यालु माहौल में उन जैसा विशाल हृदय कवि कहां मिलता है .याद रखें ! व्यक्ति पद से नहीं कद से ऊंचा होता है सुमन की रचनाओं में स्वर गूंजा वह राष्ट्रीय चेतना ,संवेदना ,और प्रकृति के संरक्षण को मुखर कर गया . कविताओं का शब्द चयन ऐसा जो सीधे पाठक के दिल में जगह बना गया . सुमन ने यही किया .

हिल्लोल जीवन के गान ,प्रलय सृजन , विंध्य हिमालय , मिट्टी की बारात ,वाणी की व्यथा , कटे अंगूठों की बंदनवारें ,विश्वास बढता गया ,आंखें नहीं भरीं इत्यादि कालजयी रचनाएं साहित्य को गौरांवित करती रहेंगी . 5 अगस्त 1915 को उन्नाव ज़िले के झगरपुर में जन्म हुआ . उन्होंने गद्य रचना " महादेवी की काव्य साधना ‘ और गीति काव्य उद्यम और विकास " लिखा .

नाटक " प्रकृति पुरुष कालिदास ‘ भी लिखा .कहा कि " मनुष्य की सबसे बडी भूल किसी पर आश्रित रहना है हमें अपनी बुद्धि और कर्म से जीना चाहिये " आम लोगों से जुडते थे और उनका साहित्य आम आदमी की भाषा भावनाओं से भरा होता .हमारे सामने एक आदर्श रखते हुए कहा कि " मुझको इस युग का नमक अदा करना है " आशावादी थे कहते कोई ऐसा व्यक्ति बता सकते हो जो कभी निराश न हुआ हो ? आशा निराशा जीवन के क्रम हैं इसलिये लिखा "वरदान मांगूंगा नहीं ". आज निराशा (डिप्रेशन) एक महारोग के रूप में बड रही है तब सुमन की कविताएं शक्ति दायिनी बन खडी दिखायी देती हैं . महान कवि होने के बावजूद भी कहते कवि बनने के प्रयास में हूं . सोचिये ! कितने ज़मीन से जुडे और अकड से दूर थे .और आज ?

जन सामान्य जिसे अपना प्रवक्ता माने उसकी महता कितनी असीम होगी कहना मुश्किल है . 27 नवंबर 2002 को इस संसार को छोड गये .अपने पीछे साहित्य की अमिट रचनाओं के कोषागार को छोडा . साहित्यिक योगदान के लिये भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से उनको सम्मानित किया गया . शिव मंगल सिंह उनका मूल नाम था . सुमन उप नाम था . पाठकों के लिये लिख गये " कितनी बार तुम्हें देखा पर आंखें नहीं भरी / शब्द ,रूप ,रस गंध तुम्हारी ,कण कण में बिखरी ,गूंथने के क्रम में कलिका खिली ,मन नहीं भरा ,रोके नहीं रुका / एक बूंद थी किंतु जिसकी तृष्णा नहीं मरी / कितनी बार तुम्हें देखा पर आंखें नहीं भरी //

काव्य कुंज

वीडियो क्लिप

विकास कुमार
बिहार

चलो आज फिर हम मोबाइल उठाते है
अपनी आवाज को बुलंद बनाते है
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है
अब इंसान की नहीं
इंसानियत की क्लिप बनाते है।
सोते हुए लोगों को सच्चाई कुछ दिखाते है
इस गुमराह समाज को फिर से जगाते है
मुकदर्सक हो कर नहीं हौसलों से कुछ बनाते है
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है।
अत्याचारियों को सबक सिखाते है ,
जाति धर्म से परे इंसानियत को दिखाते है
किसी माँ बहन पर होते अत्याचार को दिखाते है
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है।
किसी गरीब का घर जलने से बचाते है
किसी गरीब को जीने का हक़ दिलाते है
उसे सामाज में बराबर का हक़ दिलाने को
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है।
अर्धनग्न वेश -भूषा से दूर
अपनी संस्कृति के पहनावें को दिखाते है
नयी पीढ़ी के बच्चों को संस्कृति से मिलाते है
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है।
अपनी माता बहनों के संग
फिर से क्लिप बनाते है
किसी जाग रहे दुशासन को
श्री कृष्ण का चक्र दिखाते है
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है।
भाई को भाई से फिर मिलाते है
बुद्ध का ज्ञान फैलाते है
फिर से शान्ति को विस्थापित करने को
चलो फिर एक क्लिप बनाते है।
अब प्रशासन को जगाते है
सो रहे जन प्रतिनिधि को उठाते है
देश को फिर से सोने की चिडयां बनाने को
चलो आज फिर एक क्लिप बनाते है।

अनुभव

डॉ टी महादेव राव

बचपन में
प्रश्न मेरा पीछा करता
कि रातें क्यों?
पता लगते ही
कि रातें धीमे धीमे
मृत्यु की आदत डालने के लिए है
रात से मैं प्रेम करने लगा
दिन भर किसी तरह
वियोग के दर्द को सहकर रात होते ही
मृत्यु को गले लगाता
आतुर शरीर बनकर
हर रात कुछ घंटे ही सही
मृत्यु के साथ रमके
अपने घोंसले में लौट आता हूँ
न स्वाप्निक दशा न जागृतावस्था
एक निश्चिंत प्रातः में
सामने टकराता सपना
किन्हीं प्राचीन मृत्यु रहस्यों को
खुलकर बताता है
एक बार जीने के रहस्य को पाने के बाद
मृत्यु नहीं लगती उतनी निर्दयी
रूठकर घर से जा चुके
बच्चे को ढूंढकर लाना उसे सीने में छिपाते हुये
बिलखकर रोने जैसा अनुभव ही तो मृत्यु है।

प्रेमानुभूति : राधा कृष्ण

अमित पाठक
शाकद्वीपी

श्री राधे में खो गए
मोहन कुंज बिहारी,
ज्यों है देखो
प्रेम मग्न उनकी राधा प्यारी।
अद्भुत शोभा है तन मन की
लीला कितनी न्यारी,
राधा के रंग रंग से गए हैं
माधव कृष्ण मुरारी।।
प्रेममयी यह भाव भंगिमा, दिव्य मृदुल मुस्कान,
हाथ लिए एक वेणु से प्रभु जी छेड़े तान।
चंद्र सरिस श्री राधिका मेघ सरिस भगवान,
एक दूजे में रमे हुए हैं, एक दूजे के प्राण।।
कानो में कुंडल झलकाया, मस्तक पर है चंदन,
एक टक नैना देखें तुझको मौन भाव से वंदन।
राधिका के तन पर भी ये दिव्य वस्त्र आगराए,
पाकर स्पर्श हवा के ये कुंतल नागिन सी बलखाए।।
हरी हरी ये चूड़ियां हरि में खोती जाए,
जब जब श्याम निहारे इनको राधे भी हर्षाए,
मांग टिका भी स्वर्णिम और बिंदी सजी लीलार,
दिव्य प्रीत की अनुभूति अनुपम इनका प्यार।
अमित तेरी ये लेखनी चाहे जितना चाहे,
किंतु अलौकिक प्रेम को शब्दों में कैसे सजाए।
मैं मतिहीन लिखूं वही, जितना मुझको आए,
क्षमा करना श्री राधिके, कोई चूक अगर हो जाए।

चिड़िया,माँ और कविता

संजीव ठाकुर,
रायपुर

चिड़िया कविता नहीं लिख पाती
यह साधारण सी पंक्तियां
पर इसके भीतर
बहुत-सा सूना समय बैठा
वह उड़ान जानती ,
पर अर्थ नहीं लिख सकती
उसके पंखों में भाषा नहीं,
सिर्फ़ दिशा होती है।
माँ थी तो सुबह आँगन में शब्द बिखर जाते
चावल और गेहूँ की तरह।
चिड़ियाँ उन शब्दों को चुगती और समझ जाती
कि यह बिखरे हुए शब्द हैं, कविताएं नहीं,
माँ ने मिट्टी से एक छोटा-सा पोखर बनाया
पानी के लिए नहीं, ठहराव के लिए।
जहाँ प्यास थोड़ी देर रुक सके।
चिड़ियाँ दाना चुगकर वहीं पानी पीती थीं,
और शायद माँ के मौन में अपना कुछ छोड़ जाती
अब माँ नहीं शब्दों का दाना
किसी और भाषा में बह गया है।
पोखर सूख चुका क्योंकि किसी ने
उससे बात करना छोड़ दिया ।
चिड़िया पूछ नहीं सकती कहाँ गया वह आँगन
जो आसमान से जुड़ा , कहाँ गए खेत
जो साँस लेते थे, नाले, नदियाँ, झरने
जो केवल पानी नहीं , रास्ते थे।
अब चिड़िया एक खाली प्रश्न बन गई ।
हर शाम वह माँ के बंद कमरे में आती
जैसे स्मृति दरवाज़ा खटखटाती हो।
थोड़ी देर दीवारों को देखती है,
खिड़की से उजाले की कमी मापती, और लौट जाती ।
वह अपनी करुणा किसी भाषा में नहीं ढाल पाती,
क्योंकि दुख हमेशा अनुवाद नहीं चाहता।
वह आती दाना ढूँढने नहीं,
पानी खोजने नही आने भर के लिए।
एक दिन वह भी नहीं आएगी।
जैसे माँ अचानक चली गई थी—
बिना अंतिम वाक्य लिखे।
चिड़िया भी बिना कविता लिखे चली जाएगी।
क्योंकि कुछ जीवन कविता नहीं होते,
वे केवल शब्द रह जाते हैं।

नवीन वर्ष की नूतन बातें

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

गया दिसंबर आया जनवरी
कुछ बीत गया कुछ बाकी है।
उलझी उलझी सी कई कड़ियां
कुछ सुलझ गई कुछ बाकी है।
जीवन के पथ पर कई मिले,
कुछ साथ चले कुछ छूट गए
रास्ते कुछ के बदल गए
कुछ नए मुसाफिर साथ मिले
कुछ प्रिय पुराने छूट गए ।
उलझी उलझी से कई कड़ियां कुछ सुलझ गई कुछ बाकी है
जो बीत गया वह बीत गया जो कल था आज ना आएगा
जो लहरें आकर चली गई वह फिर ना वापस आएंगी
बेकार है बिसुरना बीती बातों पर आगे की राह तो बाकी है ।
यह भूल न जाना तुम राही लंबा सफर अभी बाकी है
हो कि दिसंबर या जनवरी पहचान तुम्हारा बाकी है ।
दिन महीनों का क्या है राही वह तो निकलते जाएंगे
उन लम्हों के संग संग तुमको अभी कदम मिलाना बाकी है।
अगर करना है जीवन में कुछ तो चलना होगा
नियमों में बंध कर।
सूरज के निकलने ढलने तक कुछ नियम बने कुछ बाकी है।
इक्कतीस और एक के बीच लंबा सफर अभी बाकी है ।
उलझी उलझी सी कुछ कड़ियां कुछ सुलझ गई कुछ बाकी है।

विश्व गुरु कौन

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

भारत है गुणों की खान
ऋषि मुनि अत्यंत महान,
जो विज्ञान आज बताता
पहले से जाने दास्तान।
आर्यभट्ट ने जो बतलाया
अर्से बाद समझ में आया,
कॉपरनिकस,आर्कमिडीज सिद्धांत
प्रथम आर्यभट्ट ने समझाया,
अब बताओ विश्व गुरु कौनभारत को अग्रिम ही पाया,
आयुर्वेद की जननी भारतजड़ी बूटी उपचार बताया,
यूं ही तुलसी को न पूजे
तुलसी ने असाध्य रोग भगाया रसोई मसाले बचाते जान।
भारत है गुणों की खान..
गाय हमारी माता है युगो युगो से नाता है,
वृक्ष के हम हैं संरक्षक हर वृक्ष को पूजा जाता है,
योग से ग्रह दूरी नापी धरा से ग्रह चाल बताता है,
जीरो का आविष्कारी भारत प्राणायाम का ज्ञाता है,
हर देश में भारत बाशिंदा अपना दिमाग चलाता है,
भारत बनेगा विश्व गुरु सनातन में बसते हैं प्राण।
भारत है गुणों की खान ऋषि मुनि अत्यंत महान,
जो विज्ञान आज बताता पहले से जानें दास्तान।
भारत है गुणों की खान.....

जीवन धूप - छांव का खेल है

गजानन पाण्डेय

जीवन धूप - छांव का खेल है
जैसे खेत में हरियाली
तो कभी सूखी फसल ।
हर रात के बाद
सवेरा है
जैसे अंधेरे से उजाला है।
खेल के मैदान में
हार या जीत है
थक कर बैठ जाना
खिलाड़ी की न रीत है ।

कैसे गुज़र रही..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

उठती गिरती बहती लहरें
जाने क्या क्या कहती लहरें
गूंज रहा बस शोर तुम्हारा
बाकी सब कुछ बिखर गया मैं
माला से टूट कर झुलस गया मैं
हैं संग बहारें, झिलमिल सितारें..
फिर भी खामोश
कोई दर्द नहीं समझता
कैसे गुज़र रही सब पूछते हैं
कैसे गुजारता कोई नहीं पूछता
जमाने से कुछ खफा से हैं आजकल
या जमाना ही खफा है हमसे आजकल
शुक्रिया क्या करें हम कोसते नहीं
थकते हम आजकल कोरा कैनवास, आंखों में नमी
कोई नहीं समझता कैसे गुज़र रही..
थकान मिटाने को बस उसकी
बाहों का एहसास चाहिए
एहसास के दरमियां बस वो
शख्स पास चाहिए बहुतों की भीड़ है
लेकिन कोने में सिमटा मैं अकेला
कुछ नहीं सालता कैसे गुज़र रही..

बदनसीब

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

बदनसीब है वो,
जिनको किसी का प्यार नहीं
बदनसीब है वो,
जिनमे नसीब की रेखा ही नहीं
टूट- टूट कर बिखरते हैं,
रोज-रोज यूँ मरते हैं
जिंदगी उदास उदास है,
शायद वो बदनसीब है
पैरों तले जमीन नहीं,
सर पे आसमान नहीं
क्यों रूठे हो खुदा उनसे,
क्यों उनकी तुम सुनते नहीं
क्यों होते हैं कोई बदनसीब,
क्यों कोई मुकद्दर का सिकंदर है
क्यों दुनिया में यह मंजर है,
क्यों उनके सपने अधूरे हैं
मिन्नतें उनकी भी सुन ले,
बदनसीब को सहारा तू दे दे,
बदनसीब को सहारा तू दे दे ।

वह

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

सरे आम जिसने
किया क़त्लेआम
वह खा रहा है
काजू बादाम।
जनता को जिसने
सताया तमाम
वह पा रहा सारे
ऐशो आराम।
कभी जो था पक्का
विरोधी सुरा का पी रहा है अब जाम के बाद जाम।
जो हैं चोर उचक्के और गुंडे मवाली
घूमते फिरते हैं बेख़ौफ़ बेलगाम।
जिनसे उम्मीद थी होंगे हाफ़िज़ हमारे
वह अपनी हिफ़ाज़त का कर रहे इंतज़ाम।
जो है अन्नदाता हमारा सभी का
करता रहता है श्रम शीत हो या हो घाम।
उल्टी पड़ी है कहावत पुरानी
जिसने बोया बबूल वह खा रहा है आम।

हकीकत में बदलते हैं अफसाने

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

ग़र लक्ष्य पर नज़र हो
और मन में लगन हो,
तो अफसाने हकीकत
में बदल सकते हैं,
और लक्ष्य की मंज़िल
को पाने के लिए,
लक्ष्य प्राप्ति की विधि
और उसकी योजना ही मार्ग है,
कल्पनातीत कहानियों का सच हो जाना ही,
अफसानों का हकीकत में बदल जाना है।
ग़र अपने कदमों की काबिलियत पर विश्वास है,
तो आगे बढ़ने का रास्ता साफ है,
क्योंकि सोते समय दिखनेवाले सपने नहीं होते,
सपने तो वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।।
ग़र सकारात्मक सोच का आधार है,
और आत्मविश्वास बेशुमार है, तो
लक्ष्य की तरफ कदम खुद-ब-खुद बढ़ते हैं,
और अफसाने हकीकत में बदलने लगते हैं।।।
ग़र प्रेरणा और प्रोत्साहन मिले मार्ग में,
तो युवाशक्ति के इरादे मजबूत होते हैं,
जुनून और जज्बे की मशाल लिए हाथों में,
अफसानों के क़दम हकीकत की तरफ बढ़ने लगते हैं।

इज़्ज़त की डिलीवरी

प्रियंका सौरभ

वह साइकिल नहीं चलाता था,
वह समय को थामे चलता था।
थैले में सिर्फ़ ख़त नहीं होते थे,
किसी माँ की प्रतीक्षा,
किसी बेटे का सपना होता था।
ख़ाकी कपड़ों में लिपटा आदमी,
नक़्शों से बड़ा भरोसा था।
नाम लेकर बुलाया जाता था,
क्योंकि हर गली से रिश्ता था।
आज समय उड़ता है पंखों पर,
पर ठहराव मर गया है।
डिलीवरी हो गई है पेशा,
पर पेशे में आदमी मर गया है।
जो इज़्ज़त पद से नहीं,
कर्तव्य से उपजती थी—
वह तेज़ी की चकाचौंध में
चुपचाप कुचली गई है।
कहना बस इतना है सभ्यता से—
अगर ख़त फिर कभी लिखो,
तो पता केवल घर का नहीं,
आदमी का सम्मान भी लिखो।
वो जो ख़ामोशी से ख़त पहुँचा जाता था,
असल में भरोसा पहुँचाया जाता था।
आज आवाज़ तेज़ है, समय कम है—
पर आदमी कहीं रास्ते में गिरा जाता है।

सुहानी सुबह

शालिनी
श्रीवास्तव

हर सुबह सुहानी हो जाए
उम्मीद की कलियाँ खिल जाएं।
बिखरे जब सूरज की लाली,
घर-घर में लाए खुशहाली।
सुहानी सुबह के स्वप्न सजा,
जीवन पथ पर बढ़ते जाएं।
आशा की किरणें सजी रहें
उमंग हृदय में जगी रहें।
इस नई सुबह का स्वागत कर ,
इस नए वर्ष का स्वागत कर।
हर राह नई , मंजिल हो नई,
जीवन में भरी हो उमंग नई।
खुशियाँ बरसें ,नव स्वप्न सजें,
नवरंग बिखेरे यह जीवन ।
सरगम गुंञ्जित दिशाएं हो,
साकार सब कल्पनाएं हों।
रौशन हो मन का हर कोना,
जब भोर सुहानी अपनी हो।
ईश्वर का फिर वरदान मिले,
सफलता की नई कहानी लिखें।

नव वर्ष का आगमन

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

चलते चलते ये साल भी गुज़र गया।
कुछ अच्छी कुछ उदास यादें दे गया।
नया साल भी आयेगा,न जानें,
क्या क्या दिखलाएगा।
आशा तो खुशियों की ही रहती है,
गम को कोसों दूर भगाएगा।
दुनिया भर में मनाते,ये नया साल।
हम भी मानने लगे,
इसी दिन को नया साल।
काश खुशियां ही खुशियां लाए।
ये नया साल मुझपे इतराए।
रंगीन दुनिया हो हमारी सबकी।
आंखों में किसी के आँसू न आए।
वजह न बनूं किसी के दुःख की।
ख़ुशी ही बनूं सबके सुख की।
ये जनवरी का महीना,
ख़ूब पतंग लाएगा।
सपनों की उड़ानें भरकर,
छत पर भी ले जाएगा।
तिल के लड्डू,घेवर , फ़ीनी,
गूंद के लड्डू,गाजर का हलवा।
हम देखेंगे हमारे अपने,
त्योहारों का जलवा।
रंग रंगीली पोशाक पहन कर, जब छोरियां छत पे आती है।
कुंवारे मन चले लड़कों को तब, छत तो खूब सुहाती है।

समर्पित से न करते किनारा...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

किस-किस को दिखाओगे बाहर का रास्ता,
पहले से ही हो रही पार्टी की हालत खस्ता।
वह 'सत्य की ओर' ही तो कर रहे थे इशारा,
समर्पित रहें मो. मुकीम से न करते किनारा।
प्राथमिक सदस्यता से
निष्कासित कर दिया,
पार्टी विरोधी
गतिविधियों को 'चस्पा' किया।
यह दल आज भी मुश्किल दौर से गुजर रहा,
नए नेतृत्व की जरूरत का आगाज़ कर रहा।
पार्टी प्रमुख नेता के रूप में आवश्यक मेहनत,
दौड़-भाग;लोगों से जुड़ाव संभव सब सहमत।
पार्टी में खरगे सलाहकार की भूमिका निभाएं,
वह किसी सक्रिय 'युवा नेतृत्व' को आगे लाएं।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

‘कुलदीप सेंगर हमें 5 हजार किमी दूर से मरवा देगा’

रेप विक्टिम बोली- उसकी बेटी सीबीआई अफसर से मिली, बृजभूषण ने सस्पेंड कराई सजा

‘5 किमी क्या, 5 हजार किमी भी उसके लिए कुछ नहीं है। वो हमें कहीं भी मरवा सकता है। मेरे लिए जिंदगी भर का खतरा है। उसके मरने के बाद भी खतरा रहेगा, क्योंकि उसके लोगों को मेरा चेहरा याद रहेगा कि इसी लड़की ने हमारेधायक को जेल भिजवाया था।’ उन्नाव रेप केस की विक्टिम ये बात कहते हुए भावुक हो जाती हैं। 23 दिसंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने इस केस में बीजेपी के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की सजा सस्पेंड कर दी। सेंगर को उम्रकैद की सजा मिली है। कोर्ट ने जमानत देते हुए ये शर्त रखी कि कुलदीप सेंगर को विक्टिम से 5 किमी दूर रहना होगा। विक्टिम का कहना है कि इस फैसले ने हमारी उम्मीदें तोड़ दी हैं।

विक्टिम और उनकी मां ने सीबीआई और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह पर सेंगर की मदद करने का आरोप लगाया। हमने विक्टिम के वकील और कानून के जानकारों से भी समझा कि कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड होने के क्या मायने हैं। हालांकि, सजा सस्पेंड होने के बावजूद कुलदीप सेंगर को जेल में रहना होगा क्योंकि 2020 में विक्टिम के पिता की हत्या में 10 साल की सजा मिली हुई है। इस फैसले के खिलाफ भी कुलदीप सेंगर ने दिल्ली हाई कोर्ट में अपील की है।

विक्टिम के साथ 4 जून, 2017 को रेप हुआ था। आरोप विधायक कुलदीप सेंगर पर था, इसलिए मामला सुर्खियों में आ गया। विक्टिम ने पुलिस स्टेशन में सुनवाई न होने पर मुख्यमंत्री आवास के बाहर आत्मदाह की कोशिश की थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के दखल के बाद कुलदीप सेंगर को 13 अप्रैल 2018 में गिरफ्तार किया गया। विक्टिम और उनका परिवार दिल्ली में रह रहा है। उनकी सिक्योरिटी में सीआरपीएफ के 9 जवान तैनात रहते हैं। विक्टिम कहती हैं, 'कोर्ट के फैसले से बहन-बेटियों की हिम्मत कमजोर हो गई है। मेरे साथ अन्याय हो रहा है। जज मुझसे बोलते थे कि आप कुछ नहीं बोल सकतीं। आपके वकील बोलेंगे। मेरा ही केस, मेरे साथ रेप हुआ और मुझे ही बोलने से रोका गया।’

विक्टिम का दावा है कि उन्हें आज भी धमकियां मिलती हैं। वे कहती हैं, ‘लोग बगल से निकलते हुए बोलते हैं कि ज्यादा दिन तक दुनिया में रह नहीं पाओगी। ऐसे बोलते हैं कि सीआरपीएफ वाले भी नहीं समझ पाते। पता नहीं, कब मुझे मार दिया जाएगा।’ कोर्ट के फैसले के बाद विक्टिम ने अपनी मां और महिला अधिकार कार्यकर्ता योगिता भयाना के साथ इंडिया गेट पर प्रदर्शन किया था। इस पर वे कहती हैं, ‘मैं धरना देने गई थी। मुझे बोला गया कि इसकी परमिशन नहीं है। तो क्या रेप करने की परमिशन है, क्या बहन-बेटियों को छेड़ने की परमिशन है।’

‘सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि कुत्तों को सड़कों से हटाया जाए। कुत्तों को न हटाकर रेप के दोषियों को हटाया जाए, ताकि बहन-बेटियों को इंसाफ मिल सके। कुत्ते रहेंगे तो कम से कम लड़कियों को बाहर निकलने पर सुरक्षा मिलेगी। इस फैसले को देखते हुए लगता है कि महिलाओं को इंसाफ मिलना मुश्किल है।’

विक्टिम आरोप लगाती हैं कि कुलदीप सेंगर को जमानत दिलाने में बृजभूषण शरण सिंह का हाथ है। सरकार उनसे डरती है। उन्होंने भी पहलवान लड़कियों के साथ गलत किया था। सीबीआई पर सवाल उठाते हुए कहती हैं, ‘अगर सीबीआई अच्छे से बहस करती, तो उसे जमानत नहीं मिलती। कुलदीप सेंगर की बेटी बहस के दौरान कोर्ट आती थी। वो पीछे से आकर सीबीआई के जांच अधिकारी से मिलती थी। मैंने ये कोर्ट में देखा है।’

विक्टिम की मां भी उनके साथ हैं। वे कहती हैं, ‘कोर्ट ने अच्छा नहीं किया। कुलदीप सेंगर को जमानत मिलना गलत है। उसे तो फांसी की सजा होनी चाहिए। हमने आठ साल लड़ाई लड़ी है। मेरे पति को उन्नाव में पीट-पीटकर मार दिया गया। बच्चों को अनाथ कर दिया।’

‘सरकार कुलदीप सेंगर की जमानत कैंसिल कराए। जब तक ऐसा नहीं होगा, हम धरना-प्रदर्शन करना बंद नहीं करेंगे। मेरे बच्चे भटक रहे हैं। ये कैसा न्याय है। मेरे परिवार की सुरक्षा कम कर दी है। उन्नाव में गवाह हैं, उनकी सुरक्षा हटा दी है। निचली अदालत के जज ने कहा था कि इन्हें सुरक्षा की जरूरत है। कुलदीप सेंगर को बड़े नेता बचा रहे हैं।’

सजा सस्पेंड करना भी जमानत की तरह ही है। सजा पाए व्यक्ति के पास सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार होता है। हाई कोर्ट के पास अधिकार है कि वह सजा सस्पेंड कर जमानत दे दे। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन की बेंच ने कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड की है। कोर्ट ने विधायक को 'पब्लिक सर्वेंट' नहीं मानने का तर्क स्वीकार करते हुए ये फैसला सुनाया। ये निलंबन अपील पर सुनवाई पूरी होने तक रहेगा।

रेप केस में दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने IPC और पाक्सो की धाराओं के तहत कुलदीप सेंगर को दोषी पाया था। 20 दिसंबर 2019 को निचली अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सेंगर के वकीलों ने 2020 में इसे दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी।

पाक्सो की धारा-5 में गंभीर यौन हिंसा के मामलों में उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। धारा-5(C) बच्चियों के साथ पब्लिक सर्वेंट द्वारा की गई गंभीर यौन हिंसा के बारे में है। इसी तरह IPC की धारा 376 (2) में भी पब्लिक सर्वेंट द्वारा किए गए रेप पर सजा का प्रावधान है। हाई कोर्ट में विधायक को पब्लिक सर्वेंट नहीं मानने की अपील की गई थी। कोर्ट के सामने सवाल यही था कि कुलदीप सेंगर को पब्लिक सर्वेंट माना जाए या नहीं।

सेंगर के वकीलों ने दलील दी थी कि ट्रायल कोर्ट ने 1997 के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के आधार पर दोषी को पब्लिक सर्वेंट माना था। उस केस में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के तहत आरोपी विधायक को पब्लिक सर्वेंट माना गया था। पाक्सो की धारा-2 (2) में पब्लिक सर्वेंट की परिभाषा IPC की धारा-21 से लाई गई है। इसके तहत विधायक को पब्लिक सर्वेंट नहीं माना जाता है।

ये सवाल हमने सीनियर वकील और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष दुष्यंत दवे से पूछा। वे कहते हैं कि एक विधायक को पब्लिक सर्वेंट नहीं कहना, दुर्भाग्य की बात है। विधायक संविधान के तहत शपथ लेता है। विधानसभा का सदस्य बनता है और जनता के काम करने के लिए चुना जाता है। विधायकों को भत्ते मिलते हैं, तो इन्हें पब्लिक सर्वेंट नहीं कहना हैरान करने वाली बात है।

प्रीवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विधायक और सांसद पब्लिक सर्वेंट हैं, पाक्सो तो और कड़ा कानून है। इसमें हाई कोर्ट का विधायकों का पब्लिक सर्वेंट नहीं मानना ज्यादती है।

दवे आगे कहते हैं, ‘पाक्सो नाबालिग बच्चों खासकर लड़कियों के खिलाफ होने वाले अपराध को रोकने के लिए लाया गया था। हाई कोर्ट को इस कानून की व्याख्या उदार तरीके से करनी चाहिए थी। इसकी व्याख्या ऐसी होनी चाहिए कि उसका फायदा पीड़िता को मिलना चाहिए, न कि दोषी को।’

‘कोर्ट कानून की धारा-4 को भी देख सकती थी, जिसमें आम लोगों को उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। पीड़िता के साथ रेप किया गया, उसके पिता को मारा गया, उसके वकील की मौत हो गई। ये सारी बातें हाई कोर्ट को देखनी चाहिए थीं। सिर्फ पब्लिक सर्वेंट के तकनीकी पक्ष को देखकर फैसला देना गैर-जिम्मेदाराना है। कानून के पीछे मकसद क्या है, इसे देखकर बेल नहीं देनी चाहिए थी।’ दवे हाई कोर्ट के फैसले पर सवाल करते हैं कि जजों ने ट्रायल कोर्ट की फाइंडिंग्स को सही से नहीं पढ़ा है। उसे सही तरीके से जांचा नहीं गया। वो दोषी व्यक्ति है। ये कोई पेंडिंग ट्रायल नहीं था।

पीड़िता के वकील महमूद प्राचा कहते हैं, ‘अदालत ने कुलदीप सेंगर को दया का पात्र पाया, पीड़ित बच्ची को नहीं। कोर्ट को थोड़ी और गहराई में जाने की जरूरत थी। निलंबन के मामलों में हाइपर टेक्निकल चीजों में जाना मना हैं। ये सुप्रीम कोर्ट ने ही कहा है।’

प्राचा कहते हैं कि जो आधार बताए गए हैं, उस पर सजा का निलंबन नहीं होना चाहिए। उसी आधार पर हम इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाले हैं। वे CBI पर भी आरोप लगाते हैं कि जांच एजेंसी पहले दिन से कोशिश करती रही कि कुलदीप सेंगर की मदद की जाए और उसे बरी कराया जाए। हालांकि, सेंगर के खिलाफ सबूत इतने थे कि निचली अदालत ने उन्हें सजा सुनाई थी।

स्टेशन के नाम पर 'खलनायक' खिलजी का विरोध

मोहम्मद बख्तियार खिलजी की पहचान भारत में खलनायक के रूप होती रही है। इतिहास बख्तियार ख़िलजी को गरमसीर प्रान्त के गोर स्थान का जन्मजात लुटेरा कहता है। अपनी लूटेरी प्रवृति के कारण वह लूटेरों के सरदार मोहम्मद गोरी के दल में शामिल हो गया। उसकी पहचान हिन्दुओं, बौद्धों, जैनों को लूटने, मंदिरों को तोड़ने जलाने और उनकी स्त्रियों के साथ बदसलूकी के लिए जाना जाता है। तबकाते नासिरी के लेखक मिन्हाज के अनुसार, “साहसी और उद्दमी होने के कारन मुंगेर और बिहार के जिलों पर प्रायः आक्रमण कर, वह प्रचूर लूट जमा करता रहा था। उसके इस लुटेरी प्रवृति पर कुतुबुद्दीन ऐबक ने उसे बड़ा सम्मान भी दिया। मिन्हाज ने 1193 ईसवी में नालंदा विश्वविद्यालय पर हमले के बारे में लिखा है। लेखक आगे कहते हैं- बख्तियार खिलजी को लूट का काफी माल हाथ लगा। महल के अधिकांश निवासी केश-मुंडित ब्राह्मण थे। उन सभी को खत्म कर दिया गया। वहां मुहम्मद ने पुस्तकों के ढेर को देखा। बख्तियार खिलजी ने उन किताबों के ढेर में आग लगा दिया जो अगले तीन महीने तक जलता रहा। सारनाथ, कुशीनगर, नालंदा आदि प्राचीन विश्वविख्यात हिन्दू, बौद्ध शिक्षा केन्द्रों को नष्ट करते हुए बंगाल की ओर बढ़ा। रस्ते में उसने आठवी सदी में पाल राजा धर्मपाल के द्वारा स्थापित विक्रमशीला विश्वविद्यालय पर हमला किया और उसे भी पूरी तरह नष्ट कर दिया।

क्यों है चर्चा में खिलजी?

बिहार में विरोध की यह हवा उत्तरप्रदेश से आई। दरअसल उत्तर प्रदेश में जायस सिटी रेलवे स्टेशन जायस को गुरु गोरखनाथ धाम रेलवे स्टेशन, मिसरौली को मां कालिकन धाम रेलवे स्टेशन ,अकबरगंज को अहोरवा भवानी धाम रेलवे स्टेशन,वारिसगंज हाल्ट -अमर शहीद भाले सुल्तान रेलवे स्टेशन निहालगढ़ को महाराजा बिजली पासी रेलवे स्टेशन और मुगलसराय को पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्टेशन कर दिया गया है। इसी आन्दोलन की लहर भी बख्तियारपुर पहुंची। बख्तियारपुर स्टेशन का नाम बदलने का आंदोलन यहां भी चल पड़ा। जिसमें विश्व हिंदू परिषद (VHP) और बजरंग दल जैसे संगठन बख्तियार खिलजी के नाम पर रखे गए इस शहर (और रेलवे स्टेशन) को बदलने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट किया था।

क्या चाहते हैं आंदोलनकारी?

संघ के आंदोलनकर्ता चाहते जाए कि बख्तियारपुर स्टेशन का नाम 'मगध द्वार' रखा जाए। संघ से अलग आंदोलनकारी चाहते हैं कि महान स्वतंत्रता सेनानी शील भद्र याजी के नाम पर हो। इसके अलावा नीतीश नगर', या 'धर्मपाल नगर' जैसे नाम भी प्रस्तावित किए गए हैं। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बख्तियारखिलजी का नाम बदलने के पक्ष नहीं हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नाम बदलने से इनकार करते हुए इसे अपना जन्मस्थान बताया है और कहा कि यह खिलजी के नाम पर नहीं, बल्कि बख्तियार काकी के नाम पर है। लेकिन भाजपा नेता और स्थानीय लोग नालंदा विश्वविद्यालय के विनाशक बख्तियार खिलजी के नाम पर शहर या स्टेशन का नाम बख्तियार ख़िलजी के नाम पर रखना नहीं चाहते।

वर्ष 2025 : जब भारत ने प्रतिक्रिया नहीं, दिशा दी

-प्रो. आरके जैन “अरिजीत”

वर्ष 2025 भारत के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ के रूप में अंकित हुआ, जहाँ अंधकार, संकट और षड्यंत्रों के बीच राष्ट्र ने अपनी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास का विराट प्रदर्शन किया। यह वर्ष केवल चुनौतियों का नहीं, बल्कि उनके उत्तर देने की भारतीय क्षमता का प्रतीक बना। आतंकवाद की क्रूर घटनाएँ, जलवायु परिवर्तन की भयावह मार और वैश्विक अस्थिरता—इन सबने देश की परीक्षा ली। किंतु भारत विचलित नहीं हुआ। उसने साहस, विज्ञान, नीति और संकल्प के सहारे हर मोर्चे पर जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर की निर्णायक कार्रवाई, नवीकरणीय ऊर्जा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ और रक्षा आत्मनिर्भरता की ठोस प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, दिशा तय करने वाला राष्ट्र बन चुका है। 2025 ने सिद्ध किया कि भारत संकटों को बोझ नहीं, अवसर में बदलने की क्षमता रखता है।

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में 2025 एक कठोर लेकिन निर्णायक वर्ष रहा। अप्रैल में पहलगाम की बैसारन घाटी में हुए नृशंस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया, जहाँ निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने मानवता को शर्मसार किया। इसके बाद नवंबर में दिल्ली के लाल किले के निकट कार बम विस्फोट ने राजधानी की सुरक्षा को चुनौती दी। इन घटनाओं ने एक बार फिर पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के असली चेहरे को उजागर किया। परंतु भारत ने शोक को शक्ति में बदला। मई में प्रारंभ हुआ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का उद्घोष था। पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सटीक प्रहार कर भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब सहनशीलता नहीं, निर्णायक प्रतिकार होगा। स्वदेशी हथियारों और उन्नत खुफिया तंत्र ने इस अभियान को ऐतिहासिक बना दिया।

नक्सलवाद के विरुद्ध भी वर्ष 2025 निर्णायक सिद्ध हुआ। वर्षों से विकास को बाधित कर रहे उग्रवादी नेटवर्क पर व्यापक और सुनियोजित कार्रवाई की गई। सुरक्षा बलों के संयुक्त अभियानों में अनेक दुर्दांत नक्सली मारे गए या आत्मसमर्पण को विवश हुए। प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और डिजिटल सेवाओं का विस्तार हुआ, जिससे स्थानीय जनता का विश्वास लोकतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत हुआ। सरकार की “जीरो टॉलरेंस” नीति केवल नारा नहीं रही, बल्कि ज़मीन पर परिणाम देती दिखाई दी। आतंक और उग्रवाद के विरुद्ध यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब रक्षात्मक मुद्रा में नहीं, बल्कि रणनीतिक बढ़त की स्थिति में है। राष्ट्र की सुरक्षा अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि विचारधारा और व्यवस्था दोनों स्तरों पर सुदृढ़ हुई है।

जलवायु परिवर्तन ने 2025 में अभूतपूर्व विनाश के रूप में दस्तक दी। वर्ष के लगभग पूरे कालखंड में चरम मौसमी घटनाएँ दर्ज की गईं—भीषण गर्मी, विनाशकारी बाढ़, चक्रवात और आकाशीय बिजली ने 4,419 से अधिक जानें लीं और करोड़ों लोगों को प्रभावित किया। उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान 50 डिग्री के पार चला गया, जबकि कई राज्यों में बाढ़ से व्यापक विस्थापन हुआ। 17.4 मिलियन हेक्टेयर फसलें बर्बाद हुईं, जिससे खाद्य सुरक्षा पर दबाव बढ़ा। यह संकट केवल प्राकृतिक नहीं था, बल्कि वैश्विक स्तर पर विकसित देशों द्वारा किए गए अत्यधिक उत्सर्जन का परिणाम भी था। इसके बावजूद भारत ने पीड़ित की भूमिका नहीं अपनाई, बल्कि समाधानकर्ता की भूमिका निभाई। आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास में अभूतपूर्व समन्वय देखने को मिला।इसी चुनौती के बीच भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की। 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य भारत ने 2025 में ही हासिल कर लिया। सौर और पवन ऊर्जा में रिकॉर्ड वृद्धि हुई और अकेले एक वर्ष में लगभग 50 गीगावॉट क्षमता जोड़ी गई। राजस्थान और गुजरात वैश्विक स्तर के सौर ऊर्जा केंद्र के रूप में उभरे। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने जलवायु न्याय की आवाज बुलंद की और विकसित देशों से वित्तीय व तकनीकी सहयोग की मांग दोहराई।

आखिर क्यों चर्चा में आ गई है ‘धुरंधर’

यह अनुमान लगा लेना तो खैर कल्पना की ऊंची उड़ान होगा कि हर पाठक ने ‘धुरंधर’ और ‘पठान’ देखी होगी, लेकिन मैं मानकर चलता हूं कि उक्त दो फिल्मों से कई लोग वाकिफ जरूर होंगे। बहरहाल, ‘धुरंधर’ भारी विवाद में घिर गई है और यह विवाद केवल सोशल मीडिया पर ही नहीं चल रहा है। मुख्यधारा वाले मीडिया में इसके आलोचकों से लेकर अखबारों में छपे लेख तक ‘धुरंधर’ को सरकार द्वारा प्रायोजित, प्रोपगंडा, इस्लामोफोबिया से ग्रस्त फिल्म बता रहे हैं। जबकि सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म- ध्रुवीकरण वाले इन तीन मुद्दों से ‘पठान’ कतराकर निकल गई थी।

सियासत की बात करें तो हालांकि ‘पठान’ भारत-पाक टकराव के बारे में थी, लेकिन वह सियासत से मुक्त थी। इसमें प्रतिद्वंद्वी खुफिया एजेंसियों के दो अच्छे व्यक्ति मानवता की रक्षा के लिए हाथ मिला लेते हैं। राष्ट्रवाद को इससे दूर रखा गया था।

केवल इतना ही नहीं था कि इसमें ‘भारत-पाकिस्तान पार्टनर’ बन गए थे, बल्कि शाहरुख खान ने इसमें जिस पात्र की भूमिका निभाई, उसका चरित्र भी अस्पष्ट रखा गया था। उसकी परवरिश अफगानिस्तान के उस गांव के एक परिवार द्वारा की गई थी, जिस पर अमेरिका बम बरसा रहा है। वहीं भारत ऐसे आतंकवादी खतरे का सामना कर रहा था, जिसमें उसकी लगभग पूरी आबादी खत्म हो सकती है।

ऐसे में एक पाकिस्तानी और एक भारतीय जासूस मानवता की रक्षा के लिए हाथ मिला लेते हैं। जाहिर है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि एक जासूस शाहरुख खान है और दूसरी दीपिका पादुकोण है। और भारत को खतरा एक भारतीय गद्दार एजेंट की ही ओर से है।

यह थीम किसी मॉडल यूएन (एमयूएन) इलीट तबके की कसौटी पर खरी उतर सकती है। फिल्म में धर्म से इतनी दूरी बनाए रखी गई थी कि आज तक हम जान नहीं पाए हैं कि ‘पठान’ का नाम क्या था। फिल्म में कोई किसी धर्म के बारे में कड़वी बात नहीं कहता।

आतंकवादी केवल व्यक्तिगत बदला लेना चाहता है।

लेकिन ‘धुरंधर’ ठीक उलट है। यही वजह है कि इसे बॉलीवुड के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक फिल्मों में गिना जा रहा है। आइए, ‘धुरंधर’ को भी हम इन तीन मुद्दों की कसौटियों पर कसकर देखें। सियासत के मामले में इसकी स्थायी थीम यह है कि ‘पाकिस्तान की ओर से आने वाले’ आतंकवादी खतरे का जवाब देने के मामले में भारत का इतिहास 2014 के पहले और उसके बाद के दो हिस्सों में बंटा है।

वास्तव में, इसका एक पात्र सान्याल (अजित डोभाल मानिए) कहता है कि ‘दुनिया में जहां कहीं भी आतंकवाद है उसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है’। ‘धुरंधर’ की थीम पूरी तरह से राजनीतिक है। यह मोदी-डोभाल दौर का गुणगान है। इसकी अगली कड़ी आने वाली है, इसलिए मान लें कि आपने ‘अभी तो कुछ भी नहीं देखा’ है। राष्ट्रवाद इस फिल्म की सबसे प्रबल प्रेरणा है। यह इतनी प्रबल है कि उम्रकैद में बंद या सजा-ए-मौत का सामना कर रहे अपराधी भी पाकिस्तान में आईएसआई के लिए काम कर रहे गिरोहों को प्रशिक्षण देने, घुसपैठ करने के लिए तैयार दिखते हैं।

पाकिस्तान दुश्मन है और भारत भुक्तभोगी है, यह निर्विवाद और स्थायी सच है। फर्क इतना है कि मोदी के भारत ने भुक्तभोगी न बनने का फैसला कर लिया है। और तीसरी कसौटी है धर्म। इसमें तो शक की कोई गुंजाइश ही नहीं है कि फिल्म में सारे हमलावर मुसलमान हैं, जो अपनी आस्था और उसकी बुनियाद पर बने मुल्क की खातिर काम करते हैं। वे भुक्तभोगियों को कायर मानते हैं, जो हिंदू हैं और मोदी दौर से पहले तो और भी ज्यादा डरपोक माने गए थे।

इन तीन प्रमुख मुद्दों पर ये बुनियादी फर्क ‘धुरंधर’ को ‘पठान’ के मुकाबले ज्यादा विवादास्पद और ज्यादा ध्रुवीकरण करने वाली फिल्म बनाते हैं। अगर शाहरुख की फिल्म ने रूढ़िवादियों और उदारवादियों, दोनों को मुंह छिपाने की जगह मुहैया कराई, तो ‘धुरंधर’ ऐसी कोई कृपा नहीं करती। राष्ट्रवादी लोग खुश हो सकते हैं, और उदारवादी लोग यह सवाल खड़ा कर सकते हैं कि आखिर हमारे सिनेमा जगत को क्या हो गया है?

वैसे, मैं यह जानने को उत्सुक हूं कि आईएसआई को ‘धुरंधर’ देखकर निराशा तो नहीं होगी। जो दुनिया की न केवल सबसे आधुनिक, विनाशक, हिंसक और ताकतवर खुफिया एजेंसियों में गिनी जाती है, उसके बारे में यह कहना अपमान ही होगा कि उसे हथियारों और गोली-बम आदि के लिए कराची के कुख्यात ल्यारी इलाके के अंडरवर्ल्ड की जरूरत पड़ेगी। मैं आपको 1993 के बंबई बम धमाकों की याद दिलाना चाहूंगा। आतंकवाद से मुकाबले के अनुभवी पुलिस अधिकारी एमएन सिंह हमें याद दिलाते रहते हैं कि बम धमाकों के बाद डाले गए छापों में उन्होंने 71 एके-47 राइफलें बरामद की थीं। इनमें 3.5 टन आरडीएक्स भी जोड़ लीजिए, जो मुंबई की गगनचुंबी इमारतों को उड़ा देने के लिए काफी था। और 500 हथगोलों को भी।

यह तब था, जब पूरी महाराष्ट्र पुलिस के पास एक भी एके-47 नहीं थी। तब, पश्चिमी समुद्रतट पर नावों से भी भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए थे। आईएसआई अगर 1993 में इतना सब भेज सकती थी तो जाहिर है कि 26/11 कांड करने के लिए वह कराची के अंडरवर्ल्ड पर निर्भर नहीं हो सकती थी। उसे भारत में जो अंडरवर्ल्ड है, उस पर जरूर भरोसा रहा होगा।

यह ‘धुरंधर’ की राजनीति का सबसे रहस्यपूर्ण पहलू है। आईसी-814 अपहरण, संसद पर हमला और 26/11 जैसे कांडों की साजिश मस्जिदों, मुरीदके तथा बहावलपुर के मदरसों में या किसी बलूच नेता के यहां तो क्या, ल्यारी के किसी गैंगस्टर के ‘अड्डे’ पर भी नहीं रची जाती।

क्या आईएसआई किसी बलूच सरदार पर भरोसा कर सकती है?

पुत्रदा एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा, जानिए महत्व

पुत्रदा एकादशी व्रत संतान सुख के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली व्रत है। यह व्रत भगवान विष्णु की पूजा करके व्यक्ति को जीवन में शांति, समृद्धि और सुख प्रदान करता है। यदि आप संतान सुख की कामना करते हैं या आपके परिवार में संतान के स्वास्थ्य और खुशी के लिए आशीर्वाद चाहते हैं, तो पुत्रदा एकादशी का व्रत जरूर रखें।

पुत्रदा एकादशी का व्रत विशेष रूप से संतान सुख की प्राप्ति के लिए किया जाता है और यह पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है। इस दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा करके संतान सुख की प्राप्ति की कामना की जाती है। यह व्रत न केवल संतान सुख प्राप्ति के लिए, बल्कि एक व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और पुण्य की प्राप्ति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुत्रदा एकादशी का व्रत किसी भी व्यक्ति के जीवन में संतुष्टि, शांति और सकारात्मकता लाने के लिए एक महान साधना माना जाता है। खासकर उन लोगों के लिए जो संतान सुख से वंचित हैं, यह व्रत भगवान विष्णु के आशीर्वाद से उन्हें संतान प्राप्ति के मार्ग खोलने में मदद करता है।

एकादशी तिथि का समापन- 31 दिसंबर, 2025 को 05:00 ए एम बजे होगा।

पौष पुत्रदा एकादशी पारण

पौष पुत्रदा एकादशी मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को पारण या व्रत तोड़ने का समय- 31 दिसंबर को 01:26 पी एम से 03:31 पी एम तक।

पारण तिथि के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय- 10:12 ए एम पर।

पुत्रदा एकादशी का महत्वः धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पुत्रदा एकादशी का व्रत अत्यंत फलदायी माना गया है। जैसा कि नाम से स्पष्ट है 'पुत्रदा' यानी पुत्र या संतान देने वाली। यह व्रत उन दंपत्तियों के लिए विशेष है जो संतान सुख से वंचित हैं या जिन्हें संतान की प्राप्ति में बाधाएं आ रही हैं। एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन व्रत रखने से साधक को वैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। माना जाता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति के जन्म-जन्मांतर के पाप मिट जाते हैं।

नए साल पर महिलाएं जरूर करें ये खास काम

माना जाता है यदि घर की महिलाएं नए साल के पहले दिन कुछ शुभ और धार्मिक कार्य करती हैं, तो इससे परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और मां लक्ष्मी की कृपा सालभर प्राप्त होती है। आइए जानते हैं साल के पहले दिन कौन से काम जरूर करने चाहिएं...

नए वर्ष की शुरुआत हर किसी के लिए खास होती है। मान्यता है कि साल का पहला दिन जैसी होता है पूरे वर्ष उसका असर रहता है, इसलिए यह जरूरी है कि नए साल की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा और भावनाओं के साथ की जाए। खास तौर पर यदि घर की महिलाएं नए साल के पहले दिन कुछ शुभ और धार्मिक कार्य करती हैं, तो इससे परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और मां लक्ष्मी की कृपा सालभर प्राप्त होती है।

सूर्य देव को अर्घ्य

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वर्ष 2026 के पहले दिन महिलाओं को ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए। प्रातःकाल गंगाजल या किसी भी पवित्र नदी के जल को स्नान के पानी में मिलाकर स्नान करना चाहिए। स्नान के बाद साफ वस्त्र धारण कर सूर्य देव को अर्घ्य दें और उनसे परिवार के स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि की कामना करें। इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और दिन की शुरुआत सकारात्मक रहती है।

तुलसी पूजन

नए साल के पहले दिन तुलसी पूजन का भी विशेष महत्व बताया गया है। सुबह तुलसी के पौधे में जल अर्पित करें और उसमें लाल रंग का कलावा बांधें। शाम के समय तुलसी वृंदावन के पास दीप जलाकर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन, वैभव व खुशहाली का वास बना रहता है।

सूर्यास्त के बाद भूलकर भी दान में न दें ये चीजें

धन और आभूषण- सूर्य ढलने के बाद किसी को धन उधार देना या दान करना शुभ नहीं माना जाता। यह समय धन की देवी लक्ष्मी से जुड़ा होता है और इस दौरान पैसे का बाहर जाना आर्थिक अस्थिरता का कारण बन सकता है। इससे अचानक खर्च बढ़ सकते हैं और आय में कमी आने लगती है। इसी प्रकार आभूषणों का दान या शाम के समय उन्हें मरम्मत के लिए देना भी उचित नहीं माना गया है। धन से जुड़े सभी कार्य दिन में ही करने चाहिए।

दूध और दही- दूध को चंद्रमा से जोड़ा जाता है, जो मन की शांति और पारिवारिक सुख का प्रतीक है। रात में दूध का दान करने से चंद्रमा का प्रभाव कमजोर पड़ सकता है, जिससे घर में तनाव और आर्थिक नुकसान की स्थिति बनती है। वहीं दही शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है, जो ऐश्वर्य और सुख-सुविधाओं का कारक है। सूर्यास्त के बाद दही का दान करने से दांपत्य और घरेलू सुख पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इन दोनों वस्तुओं को दिन के समय दान करना अधिक शुभ फल देता है।

नमक- वास्तु शास्त्र में नमक को नकारात्मक ऊर्जा को सोखने वाला तत्व माना गया है और इसका संबंध राहु-केतु से बताया जाता है। रात में नमक का दान या किसी को देना घर में नकारात्मकता बढ़ा सकता है, जिससे पारिवारिक विवाद और आर्थिक रुकावटें उत्पन्न होती हैं।

हल्दी-हल्दी गुरु ग्रह से संबंधित मानी जाती है, जो ज्ञान, समृद्धि और सम्मान का प्रतीक है। शाम या रात के समय हल्दी का दान करने से गुरु ग्रह कमजोर हो सकता है, जिससे व्यक्ति के मान-सम्मान और आर्थिक स्थिति पर असर पड़ता है। खासकर गुरुवार के दिन इस नियम का पालन करना बेहद जरूरी माना गया है।

लहसुन और प्याज- लहसुन और प्याज को तामसिक प्रवृत्ति का भोजन माना गया है और इन्हें केतु ग्रह से जोड़ा जाता है। सूर्यास्त के बाद इनका दान या लेन-देन करने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है, जिससे कामों में बाधाएं आती हैं और आर्थिक परेशानियां शुरू हो सकती हैं।

असली राजा कौन? महल में रहने वाला या खेत में मुस्कराने वाला इस कहानी में छिपा है राज

एक राजा अपार धन-सम्पदा होते हुए भी बड़े अशांत व उदास रहते थे। एक दिन वेश बदल कर घूमते हुए वह एक खेत से गुजरे, तभी उनकी नजर फटे-पुराने वस्त्र पहने एक किसान पर पड़ी। किसान पेड़ की छांव में बैठकर भोजन कर रहा था। राजा के मन में आया कि वह किसान को कुछ स्वर्ण मुद्राएं दे दे, ताकि वह खुश हो जाए। वह किसान से बोले, ''मैं एक राहगीर हूं। तुम्हारे खेत पर मुझे ये चार स्वर्ण मुद्राएं गिरी मिलीं। यह खेत तुम्हारा है, इसलिए इन्हें तुम रखो।''

किसान बोला, ''ये मुद्राएं मेरी नहीं हैं। मुझे ये नहीं चाहिएं। इन्हें चाहे तो आप रख लें या फिर किसी जरूरतमंद को दान कर दें।''

यह प्रतिक्रिया राजा को अजीब लगी। वह बोले, ''आप धन लेने से क्यों मना कर रहे हैं?''

किसान ने कहा कि वह रोज चार रुपए कमाकर उसी में प्रसन्न रहता है। ''यह कैसे संभव है?'' राजा ने अचरज से पूछा।

किसान बोला, ''प्रसन्नता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप कितना कमाते हैं। प्रसन्नता उस धन के प्रयोग पर निर्भर है।'' राजा बोले, ''तो बताओ तुम इन चार रुपयों का क्या करते हो?''

किसान ने कहा, इनमें से एक रुपया मैं कुएं में डाल देता हूं, दूसरे से कर्ज चुका देता हूं, तीसरा उधार में दे देता हूं और चौथा मिट्टी में गाड़ देता हूं। राजा को यह उत्तर समझ नहीं आया। उसने किसान से इसका मतलब पूछा। किसान बोला, '' मैं एक रुपया अपने परिवार के भरण-पोषण में लगाता हूं। दूसरे एक रुपए से मैं अपने वृद्ध मां-बाप की सेवा करता हूं। तीसरा रुपया मैं बच्चों की शिक्षा-दीक्षा में लगा देता हूं और अन्य चौथा रुपया मैं बचा लेता हूं ताकि समय आने पर मुझे किसी से मांगना न पड़े।''

राजा को अपनी अशांति का इलाज मिल चुका था। वह समझ गए थे कि प्रसन्न और संतुष्ट रहना है तो ज्यादा कमाने की लालसा छोड़ उपलब्ध धन के सही इस्तेमाल पर ध्यान देना होगा।

कैसे मालवीय जी के आदर्श ने दिखाई एक राजा को सही और गलत की राह

पंडित मदन मोहन मालवीय ने जब कालेज की शिक्षा पूरी की, तब उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। शिक्षक की नौकरी में वेतन बहुत कम था, फिर भी उन्हें वह नौकरी करनी पड़ी। बाद में उनकी योग्यता की चारों तरफ चर्चा होने लगी। 'कालाकांकर' के राजा रामपाल सिंह ने भी उनके विषय में बहुत कुछ सुन रखा था। उन्हें अपने समाचारपत्र के लिए योग्य संपादक चाहिए था।

उन्होंने मालवीय जी को बुलवाया और पूछा कि क्या वह उनके समाचारपत्र का संपादक बनना पसंद करेंगे। मालवीय जी ने राजा का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। परन्तु एक समस्या थी कि राजा साहब शराब के आदी थे और मालवीय जी को शराब से चिढ़ थी। उन्होंने कहा, 'मैं संपादक का कार्य जरूर करूंगा, परन्तु मेरी शर्त यह है कि जब आप नशे में हों तो कृपा करके मेरे पास न आएं। राजा ने हामी भर दी। इसके बाद मालवीय जी ने संपादन का कार्य लगन से शुरू कर दिया।

एक दिन राजा साहब नशे में अपनी शर्त भूल गए और मालवीय जी के कार्यालय में जा पहुंचे। मालवीय जी ने तुरंत अपना त्यागपत्र दे दिया। जब राजा का नशा उतरा तो उन्हें बहुत दुख हुआ। उन्होंने शर्त तोड़ने के लिए मालवीय जी से क्षमा याचना की, परन्तु मालवीय जी बोले, ''मैं क्षमा करने से अधिक अपने आदर्श को मानता हूं। मैं अब आपके यहां कार्य नहीं कर सकता।''

मालवीय जी के व्यक्तित्व का राजा साहब पर ऐसा असर पड़ा कि उन्होंने उसी दिन से शराब को त्याग दिया। इतना ही नहीं, मालवीय जी को इस फैसले से किसी तरह का आर्थिक नुकसान न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए राजा साहब वेतन के बराबर राशि उन्हें वकालत पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति के रूप में देने लगे।

अपनी परंपराओं और सिद्धांतों का पालन करने से चरित्र मजबूत होता है और सफलता मिलती है

हमें कभी भी नियमों को नजरअंदाज नहीं करनी चाहिए। हमें परंपराओं और सिद्धांतों का हमेशा पालन करना चाहिए। जीवन मूल्यों को नजरअंदाज करने से व्यक्ति लक्ष्य से दूर हो जाता है। अपनी परंपराओं और सिद्धांतों का पालन करने से ही चरित्र मजबूत होता है और सफलता मिलती है। जो लोग परंपराओं के साथ रहते हैं, नैतिक मूल्यों का सम्मान करते हैं, उनका जीवन संतुलित रहता है। साधु-संत, गुरु और माता-पिता के उपदेश हमें सही मार्ग दिखाते हैं।

12 साल बाद बृहस्पति का गोचर... 2026 में ये 3 राशियां बनेंगी धनवान!

ज्योतिष में सबसे महत्वपूर्ण ग्रहों में से एक गुरु अभी मिथुन राशि में है. इसी तरह वह मिथुन राशि में पुनर्भूषण नक्षत्र में भी है. अब बृहस्पति जल्द ही अपनी राशि बदलने वाला है. बृहस्पति भी अपना नक्षत्र बदलने जा रहा है।

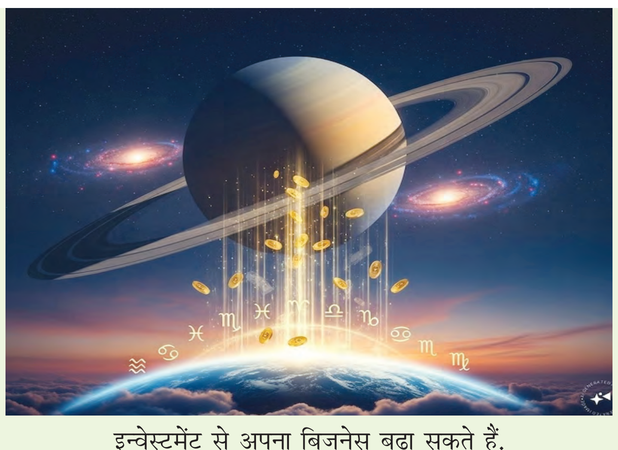

इसके मुताबिक इस बार बृहस्पति शनि में संचार कर रहा है. बृहस्पति का यह संचार 12 राशियों में दिखाई देगा. आने वाले 2026 में बृहस्पति पूस नक्षत्र में जाएगा. शनि को इस नक्षत्र का स्वामी माना जाता है. शनि नक्षत्र में बृहस्पति का संचार कुछ राशियों के लिए बहुत अच्छे परिणाम देगा. चलिए देखते हैं यह किस राशि में है.

कर्क: कर्क राशि वालों के लिए बृहस्पति का गोचर फायदेमंद माना जाता है. व्यापारियों के लिए यह समय बहुत अच्छा है. आप नई इन्वेस्टमेंट से अपना बिजनेस बढ़ा सकते हैं. उम्मीद से ज्यादा फायदा मिलने के अच्छे मौके हैं. नौकरी में प्रमोशन मिलेगा. जो लोग नई नौकरी ढूंढ रहे हैं उन्हें उनकी योग्यता के हिसाब से अच्छी नौकरी मिलेगी।

कन्या: कन्या राशि वालों के लिए बृहस्पति का गोचर अच्छे नतीजे लाएगा. आपकी जिंदगी में जो परेशानियां और रुकावटें लंबे समय से चल रही थीं, वो धीरे-धीरे दूर हो जाएंगी. तनाव कम होगा और शांति मिलेगी. आपके बच्चों की पढ़ाई या नौकरी से जुड़ी अच्छी खबरें आएंगी. संतान की चाह रखने वालों के लिए भी अनुकूल माहौल बनेगा।

धनु: गुरु का गोचर धनु राशि वालों के लिए बहुत फायदे लेकर आएगा. आय बढ़ाने के लिए नए रास्ते खुलेंगे. अनजाने जगहों से पैसे मिल सकते हैं, जो आपको हैरान कर देंगे. नौकरी ढूंढ रहे लोगों को उनकी स्किल्स के हिसाब से अच्छी कंपनी या फील्ड में जॉब मिलने का मौका रहेगा. खुद का बिजनेस या व्यापार करने वालों के लिए भी नए मौके मिल सकते हैं।

योग्यता होने के बाद भी असफलता क्यों? इस एक गलती से रुक जाता है दिमाग

जापान का प्रसिद्ध सेनापति नोबुनागा कम सैनिकों व थोड़े साधनों से ही अपने समर्थ विरोधियों को हराने के लिए प्रख्यात था। वह अपने साथियों का मनोबल बढ़ाए रखने की कला में बहुत कुशल था। युद्ध निकट था लेकिन सैनिकों की संख्या काफी कम थी। युद्ध जीतना भी था।

अतः सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए उसने एक तरकीब निकाली। उन्हें लेकर देवता के मंदिर में गया और सिक्के उछालकर देवता की इच्छा सिद्ध करने लगा। सिक्के चित पड़ें तो जीत, पट पड़ें तो हार समझी जानी थी। सिक्के तीन बार उछाले गए। तीनों ही बार चित पड़े।

सभी हर्ष से नाचने लगे, तालियां बजाते हुए चिल्लाने लगे कि जीत, जीत, जीत ! लड़ाई लड़ी गई। चार गुनी अधिक संख्या वाली विपक्षी सेना को उन बहादुरों ने तोड़-मरोड़ कर रख दिया और विजय का डंका बजाते हुए वापस लौटे।

अभिनंदन समारोह में नोबुनागा ने उसे सैनिकों की नहीं, उनके मनोबल की विजय बताया और रहस्य खोलते हुए वे सिक्के दिखाए जो उछाले गए थे। वे इस चतुराई के साथ ढाले गए थे कि दोनों ओर वही निशान था जो चित कहा जाता था। उन्होंने सैनिकों को समझाया कि आत्मविश्वास से बड़ी कोई शक्ति नहीं, वह असंभव को भी संभव कर दिखाती है।

अगर हमें विश्वास है कि हम कोई काम कर सकते हैं अथवा हमें यह विश्वास है कि हम वह काम नहीं कर सकते तो इन दोनों से जो भी विश्वास दृढ़तर होगा वही सच साबित होगा। हमारे पास कुछ करने की सारी योग्यता होने पर भी यदि हम यह सोचते हैं कि हम यह नहीं कर सकते तो वह काम अमल में लाने वाले मस्तिष्क के सारे मार्ग बंद कर देते हैं।

जब भी दुःख आए, अपने दोषों पर दृष्टि डालना

आजकल व्यावसायिक क्षेत्र में विश्लेषण करते हुए एक टिप्पणी की जा रही है सरकार और सबसे बड़ी हवाई कंपनी के बीच। इंडिगो ने पिछले दिनों अपने यात्रियों के साथ जो किया, उस पर विद्वान लोग कह रहे हैं कि पुरानी नीतिगत व्यवस्था में परिवर्तन न करते हुए यदि मार्केट का विस्तार किया जाए तो ऐसे ही दृश्य सामने आएंगे। अब इसे जीवन से जोड़ा जाए। अपना किया ही भोगना पड़ता है।

यह बात लक्ष्मण जी ने वनवास के समय भीलों के राजा निषाद से बोली थी। निषाद ने श्रीराम और सीता को चट्टान पर सोता हुआ देखकर कहा था कि कैकेयी ने यह अच्छा नहीं किया। किसी भी दृश्य पर टिप्पणी करना बड़ा आसान है।

अब उसके दृश्य के पीछे का जो दर्शन है, वो लक्ष्मण ने अपने संवाद में व्यक्त किया- काहु न कोउ सुख दुःख कर दाता, निज कृत करम भोग सबु भ्राता। इस दुनिया में कोई किसी को न सुख देता है, न दुःख देता है। गहराई में जाकर देखें तो सब अपने-अपने कर्मों को भोग रहे होते हैं। इसलिए जब भी दुःख आए, अपने दोषों पर दृष्टि डालना। अधिकांश दुःख हमारे ही दोष का परिवर्तित परिणाम हैं।

निम्रत की नई शुरुआत

निम्रत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'शौंकी सरदार' के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वह अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही है। जल्द ही वह एक हिंदी वैब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उसका ओ.टी. टी. प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह उसके करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही है ।

एक सूत्र ने बताया, " निम्रत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी सिलैक्टिव हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजैक्ट ढूंढ रही थी जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत I उसे ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दिखा सके इसीलिए उसने एक ऐसी वैब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह एक्टिंग पर आधारित है ।

बताया जा रहा है कि निम्रत ने इस वैब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है।

मेकर्स ने कहानी और उसके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी उसके किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसके अभिनय की नई झलक पेश करेगी ।

सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पैंस का भी तड़का होगा । वहीं मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वे इस प्रोजैक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वैब सीरीज निम्रत की ओ.टी. टी. दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है।

निम्रत ने अपना करियर छोटे पर्दे से शुरू किया था । उसने फेमिना मिस मणिपुर 2018 का खिताब जीता और फेमिना मिस इंडिया 2018 की टॉप 12 प्रतियोगियों में शामिल रही। उसने अपने अभिनय करियर की शुरुआत शो 'छोटी सरदारनी' से की और रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' तथा 'खतरों के खिलाड़ी 14' में भाग लेने के लिए भी जानी जाती है।

मैं हूं नम्बर वन : सोफी चौधरी

सोफी चौधरी संगीत, फिल्मों और लाइव एंटरटेनमेंट की दुनिया में काफी लोकप्रिय है । सोफी 'शादी नं. 1', 'प्यार के साइड इफैक्ट्स', 'किडनैप ' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है। वह एम. टी. वी. इंडिया की जानी-मानी होस्ट भी रही है। परफॉर्मर और एंकर होने के साथ-साथ वह ट्रेंड डांसर है और सोशल मीडिया पर भी काफी फेमस है। उसके इंस्टाग्राम पर दो मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

इसके बावजूद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स उसके काम और पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में सोफी एक ऐसे ही सोशल मीडिया यूजर को करारा जवाब दिया, जिसने उसकी बॉलीवुड में मौजूदगी पर सवाल उठाया।

यह तब हुआ जब सोफी ने उदयपुर में नेत्रा मंटेना और वामशी गदिराजू की शादी से जैनिफर लोपेज के साथ बैकस्टेज ली गई एक तस्वीर शेयर की। वहां दोनों ने साथ परफॉर्म किया था। सोफी ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "जैनिफर लोपेज... एक ऐसी आर्टिस्ट जिसे मैं 20 साल से बेहद पसंद करती हूं और जिनसे बहुत प्रेरित हूं। उनकी स्टेज परफॉर्मेंस, अनुशासन, म्यूजिक वीडियोज, स्टाइल, उनकी कई फिल्में, सब आइकॉनिक हैं ।

फोटो देखने के बाद जब एक यूजर ने लोपेज के पहनावे और उम्र को लेकर कमैंट किया, तो सोफी ने उसकी स्टेज परफॉर्मेंस, का वीडियो शेयर करते हुए जवाब दिया, "उम्म... वह तो ज्यादातर 20 साल के परफॉर्मर्स से बेहतर दिखती हैं। अगर वह कॉन्फिडेंट हैं और उनके फैंस को कोई दिक्कत नहीं, तो आपको क्यों है ?

इसके बाद कमैंटबाजी का दौर तब और बढ़ गया जब एक अन्य यूजर ने सोफी से पूछा कि वह " बिना काम किए बॉलीवुड में कैसे बची रही।

यूजर ने लिखा, "यार सोफी मुझे आज तक समझ नहीं आया कि तुमने बॉलीवुड में बिना काम के कैसे सर्वाइव किया । न फिल्में, न वैब शो, न ही गाने। तुम कभी-कभी ही दिखती हो, फिर तुमने बॉलीवुड में कैसे टिके रहना मैनेज किया ?

दिया करारा जवाब

सोफी ने बिना देर किए इसका सीधा और करारा जवाब देते हुए बताया कि उसका करियर असल में कहां फला-फूला। उसने लिखा, 'लाइव शो मार्कीट से। 17 साल से मैं कॉरपोरेट और वैडिंग शोज के लिए सबसे बिजी लाइव सिंगर हूं। मैं लाइव इवेंट्स की नंबर वन फीमेल होस्ट भी हूं। सिर्फ इसलिए कि आप मुझे स्क्रीन पर नहीं देखते, इसका मतलब यह नहीं कि मैंने कहीं और अपनी जगह नहीं बनाई । भारत में टॉप 10 एक्ट्रेसेज में नहीं हो तो फिल्मों से पैसे नहीं मिलते- यह बात मैंने बहुत पहले समझ ली थी और भगवान का शुक्र है ।

बचपन से हूं फिल्मी

कम उम्र से ही मनोरंजन जगत की अलग-अलग विधाओं में बखूबी हाथ आजमाने वाली सोफी ने पहले एक इंटरव्यू में अपने बारे में बताया था, मेरी पैदाइश और परवरिश लंदन में हुई है, लेकिन हर हिंदुस्तानी लड़की की तरह बचपन से डांस का बहुत शौक रहा है। मैं शुरू से ही बहुत ही फिल्मी लड़की थी । मेरी सुबह शुरू होती थी सलमान की फिल्म के साथ सलमान और गोविंदा की मैं बहुत बड़ी हूं। मैं जब छोटी थी तब सोचती थी कि मैं करिश्मा कपूर हूं और मेरी बैस्ट फ्रैंड, जो कि एक लड़की थी, उसको जबरदस्ती गोविंदा बना देती थी। उसके साथ मैं डांस करती रहती थी । यूं तो मैं सिंगर बनना चाहती थी, लेकिन डांस का शौक मेरे डी.एन.ए. में है। सिंगर बनने के लिए जब मैं बॉम्बे शिफ्ट हुई, तब 'हीरो नंबर वन' रिलीज हुई थी, मैं सोचती थी कि क्या मेरे साथ कभी ऐसा होगा कि मैं गोविंदा और करिश्मा की तरह सड़कों पर डांस करूंगी। फिर जब मुझे डेविड जी का फोन आया कि मैं तुम्हें लॉन्च करना चाहता हूं, तो मैंने न स्टोरी पूछी, न स्क्रिप्ट पढ़ी, न रोल पूछा, मैंने बस यही सोचा कि मैं फ्रांस और इटली की सड़कों पर डांस करने वाली हूं, जो मेरा बचपन का सपना था ।

ताजा हुई पुरानी यादें : कृतिका कामरा

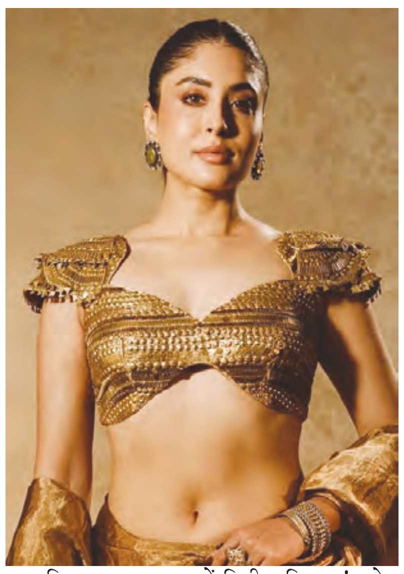

कृतिका कामरा हाल में रिलीज फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चाओं में है। इसमें कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो अमेरिका में अपनी ड्रीम जॉब के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन परिवार के प्रति जिम्मेदारी उसे इस सपने को पूरा करने से रोकती है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई जिसे लेकर कृतिका ने अपना अनुभव साझा किया।

कृतिका ने कहा, शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे । जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था। किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है ।

दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे तरोताजा रखा। सैट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी । फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था। निर्देशक अनुषा रिजवी फिल्म में वास्तविकता और संवेदनशीलता लेकर आईं, जैसे यह घटना कहीं यहीं आसपास घट रही हो।

फिल्म में दिल्ली के एक मुस्लिम परिवार को दिखाया गया है, जिसमें बानी (कृतिका) तलाकशुदा है । वह पेशे से लेखिका और अमेरिका में नौकरी करना चाहती है। इसके लिए उसे अपना प्रेजेंटेशन 12 घंटे के अंदर देना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में परिवार के लोग एक के बाद एक आने लगते हैं। ऐसे में एक तरफ 12 घंटे की समयसीमा है, तो दूसरी तरफ परिवार के सदस्यों का शोर है।

'नितांशी गोयल' के रोमांस के चर्चे

नितांशी गोयल इन दिनों अपने काम के साथ-साथ निजी जीवन को लेकर भी चर्चा में है । हाल ही में वह अपने को-स्टार अभय वर्मा के साथ फिल्म देखने गई जिसकी तस्वीर उसने सोशल मीडिया पर साझा की। अभय वर्मा को फिल्म 'मुंज्या' और वैब सीरीज 'द फैमिली मैन 2' से खास पहचान मिली है और उसके पास कई आने वाले प्रोजैक्ट भी हैं। पिछले कुछ समय से दोनों की नजदीकियों को लेकर चर्चाएं चल रही हैं, क्योंकि उन्हें अक्सर एक साथ देखा जा रहा है ।

सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटो में नितांशी के हाथ में पॉपकॉर्न नजर आ रहे हैं। उसने मजेदार कैप्शन में लिखा कि वह फिल्म पहली बार देख रही है, जबकि अभय इसे तीसरी बार देख चुका है और फैन्स से अंदाजा लगाने को कहा कि कहानी कौन समझा रहा होगा ।

अभय को दी थी जन्मदिन की बधाई

इसी साल जुलाई में नितांशी ने अपने इंस्टाग्राम अकाऊंट पर एक स्टोरी शेयर की थी। इसमें उसने अभय का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें एक्टर को केक काटते हुए देखा जा सकता था।

इसके साथ नितांशी ने कैप्शन में लिखा था, " अभय वर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप बहुत ही अच्छे इंसान हैं। साथ ही आप बहुत दयालु और शांत होने के साथ एक खास इंसान भी हैं। ये साल आपको ढेर सारी खुशियां और प्यार दें, जिसके आप हकदार हैं।

दोनों साथ में कर रहे हैं फिल्म

कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो साल 2017 की सुपरहिट फिल्म 'शादी में जरूर आना' अब एक नए अध्याय के साथ वापसी करने जा रही है और इस बार लीड रोल में हैं अभय और नितांशी । दोनों की जोड़ी इस फिल्म के सीक्वेल में नजर आने वाली है इसलिए भी दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ दिखाई दे रहे हैं। पहली फिल्म की तरह इसका निर्देशन भी रत्ना सिन्हा ही कर रही है ।

फिल्म की कहानी, इस बार भी प्यार, सपनों और जिम्मेदारियों के बीच उलझी भावनाओं को नए तरीके से पेश करने की कोशिश करेगी।

डरो मत, 'हिम्मत' करो: कुब्रा सैत

ब्रह्मपुत्र नदी राफ्टिंग के साहसिक अनुभवों से गुजर कर कुब्रा सैत पूरी तरह एक नए दृष्टिकोण के साथ लौटी है जिसमें उसने डर की बजाय साहस को चुनने का संदेश दिया है। फिल्म और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर दमदार और बहुमुखी अभिनय के लिए जानी जाने वाली कुब्रा ने हमेशा खुद को एक ऐसे अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है जो अपनी गहरी और सच्चाई से भरी परफॉर्मेंस के लिए प्रसिद्ध है। हालांकि स्क्रीन के साथ ही वह अपने वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी अच्छे से जानती है।

अरुणाचल प्रदेश की सियांग नदी, जो ब्रह्मपुत्र की ऊपरी धारा है, पर 180 किलोमीटर की कठिन राफ्टिंग यात्रा पूरी करने के बाद वह काफी रोमांचित महसूस कर रही है। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के दूरदराज इलाकों से होकर गुजरी, जहां मोबाइल नैटवर्क और आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। सियांग-ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली अपने चौड़े, तेज बहाव वाले धाराओं और अप्रत्याशित रैपिड्स के लिए जानी जाती है, जो शारीरिक सहनशक्ति, तकनीकी कौशल और मानसिक ध्यान की आवश्यकता होती है। इस दौरान टीम ने नदी के किनारे कैंप लगाए और केवल बुनियादी सुविधाओं के साथ समय बिताया।

अपनी यात्रा की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा, साहसिक यात्रा तब नहीं होती जब आप इसके बारे में सपना देखते हैं, बल्कि तब होती है जब आप अपने कैलेंडर पर एक तारीख चुनते हैं और उसे पूरा करने का संकल्प करते हैं। इस यात्रा ने मुझे यह याद दिलाया कि मैं साहस को क्यों चुनती हूं, इसलिए नहीं कि मैं निडर हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं डर को पार करना सीख रही हूं। जब आप जीवन को जीवन शक्ति के साथ चुनते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।

कुब्रा ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान वह कई लोगों से मिली, लेकिन उसे सबसे ज्यादा प्रभावित किया 19 वर्षीय तामार ने । तामार ने कुब्रा को वह वक्त दिखाया जब वह 19 साल की थी और याद दिलाया कि साहस क्या होता है, बजाय इसके कि दुनिया हमें संकोच सिखाए ।

ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग के अपने अनुभव में उसने वहां के खुशनुमा मौसम का जिक्र करते हुए यह भी लिखा है कि शहरों के मुकाबले स्वच्छ वातावरण और पूरे चांद ने उसे एक और नया नजरिया दिया । वह लिखती है, "ये वे सुविधाएं हैं, जिनके सुखद अनुभव और उनके होने को हम भूल जाते हैं। फिलहाल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र को सियांग के माध्यम से 30 लोगों के साथ पार करना, यह वाकई शब्दों से परे एक अनुभव था । यह सिर्फ राफ्टिंग अभियान नहीं था, बल्कि यह 12 दिनों का एक ऐसा आत्मसात करने वाला अनुभव था, जो इंसानी समय-सारिणी के आगे झुकने से इनकार करता है। जमीन ने सम्मान और नदी ने विनम्रता के बदले हमें दुर्लभ दृष्टिकोण दिया।"

कुब्रा ने एक वीडियो के साथ आगे लिखा, यह आखिरी वीडियो है जब हम 18 फुट की राफ्ट के साथ 30 फुट की लहरों को चीरते हुए राफ्टिंग कर रहे थे, वह भी बिल्कुल पागलपन के साथ, जहां उथल-पुथल भी थी और शांति भी । मैं समझती हूं कि हर किसी को ऐसी एक साहसिक यात्रा जरूर करनी चाहिए क्योंकि इसके बाद, जीवन धीरे-धीरे उस व्यक्ति में बदल जाता है जो आप होने के लिए बने हैं।

रियलिटी शो में आई थी नजर

बोल्ड चयन और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली कुब्रा ने थिएट्रिकल और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी प्रतिभा साबित की है। गत दिनों वह अपने पहले रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' में नजर आई थी।

इस शो को लेकर उसका कहना था, मुझे अनजाने को खोजने का शौक है और यह मेरे लिए सबसे बेहतरीन अनुभव होने वाला है । मेरी जिंदगी के अनुभवों के हिसाब से, मैं कभी शासक बन सकती हूं तो कभी मेहनतकश इंसान । मैं एक भरोसेमंद, जिम्मेदार इंसान हूं। चाहे मैं बेसमेंट में रहूं, मैं वफादार रहूंगी।

सलमान खान के बर्थडे पर यूलिया ने खास अंदाज में किया विश, बोलीं- 'हर दिन लोगों की मदद करते हैं'

सलमान खान बॉलीवुड के उन सुपरस्टार्स में से हैं, जिनका स्टारडम सालों से बरकरार है. अपने काम और इंसानियत की वजह से वह सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी लोगों के दिलों पर राज करते हैं. वहीं सलमान खान कल यानी 27 दिसंबर को अपना 60वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगे. इसी खास मौके पर उनकी करीबी दोस्त यूलिया वंतूर ने उन्हें खास अंदाज में विश किया. यूलिया ने सलमान की जमकर तारीफ करते हुए उनके इंसानियत भरे स्वभाव और सालों में बनाई गई खास पहचान की बात कही.

यूलिया ने की सलमान की जमकर तारीफ

यूलिया ने पीटीआई से बातचीत में सलमान खान के बारे में कहा कि, 'वो उन्हें दिल से शुभकामनाएं देती हैं. उन्होंने कहा कि सलमान इतने सालों से इंडस्ट्री में रहकर हम सबके लिए प्रेरणा बने हुए हैं और उन्होंने जो विरासत बनाई है, वह बहुत खास है. यूलिया के मुताबिक सलमान ने कुछ ऐसा बनाया है जिसके बारे में दुनिया में बहुत कम लोग गर्व से कह सकते हैं कि उन्होंने बनाया है.'

उन्होंने आगे कहा, 'वो चाहती हैं कि सलमान आगे भी फिल्म इंडस्ट्री और दुनिया के लिए अपनी यही पहचान बनाए रखें. उन्होंने यह भी कहा कि सलमान इंसानियत के नाते बहुत अच्छा काम करते हैं, हर दिन दूसरों की मदद करते हैं, लेकिन उनके कई अच्छे काम लोगों को पता भी नहीं चलते, उसे सिर्फ ऊपरवाला जनता है.'

सलमान खान का वर्क फ्रंट

सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर की आखिरी रिलीज फिल्म ईद पर आई सिकंदर थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई थी. फिलहाल सुपरस्टार अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान में बिजी हैं. इस मच अवेटेड फिल्म का टीजर भाईजान के बर्थडे पर यानी 27 दिसंबर को रिलीज होने की उम्मीद है. ये फिल्म अगले साल जून या जुलाई में रिलीज हो सकती है. हालांकि मेकर्स ने अभी कर इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं की है.

अगरबत्ती में खतरनाक रसायनों पर लगेगी लगाम, सरकार ने तय किए नए गुणवत्ता मानक

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। हर घर में उपयोग होने वाली अगरबत्ती में खतरनाक रसायन मिलने की जानकारी सामने आई है। ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने एक नया गुणवत्ता मानक पेश किया है। इस नए मानक से 8,000 करोड़ रुपये के उद्योग को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। भारत अगरबत्ती का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है।

उपभोक्ता सुरक्षा और नियामक अनुपालन पर बढ़ते जोर के साथ कुछ सुगंधित तत्वों और रसायनों पर वैश्विक प्रतिबंधों को देखते हुए अगरबत्ती के लिए एक विशेष भारतीय मानक आईएस 19412:2025 विकसित किया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा, नए मानक का पालन करने वाले उत्पादों पर बीआईएस मानक चिह्न भी लगाया जा सकता है। इससे उपभोक्ताओं को सोच-समझकर और विश्वास के साथ चुनाव करने में मदद मिलेगी।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) अगरबत्ती बनाने में उपयोग के लिए प्रतिबंधित पदार्थों की सूची तय करता है। इसमें एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन साथ ही बेंजाइल साइनाइड, एथिल एक्रिलेट और डाइफेनिलमाइन जैसे सिंथेटिक सुगंध मध्यवर्ती पदार्थ शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, इनमें से कई पदार्थ स्वास्थ्य और घर के अंदर की वायु गुणवत्ता पर संभावित प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं। नए गुणवत्ता मानक के तहत अगरबत्ती को मशीन से बनी, हाथ से बनी और पारंपरिक मसाला अगरबत्ती में वर्गीकृत किया गया है। कच्चे माल, जलने की गुणवत्ता, सुगंध और रासायनिक मापदंडों के लिए आवश्यकताएं तय की गई हैं। अगरबत्ती उद्योग 150 से अधिक देशों को सालाना 1,200 करोड़ रुपये के उत्पाद निर्यात करता है। प्रमुख बाजार अमेरिका, मलयेशिया, नाइजीरिया, ब्राजील और मैक्सिको हैं।

तीन साल की उठापटक के बाद अब संतुलन की ओर बढ़ रहा डेयरी सेक्टर

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का डेयरी सेक्टर पिछले तीन वर्षों के उतार-चढ़ाव के बाद अब सीमित सप्लाई और मार्जिन के पुनर्संतुलन (रीकैलिब्रेशन) के चरण में प्रवेश कर रहा है। यह आकलन सिस्टमैटिक्स इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज द्वारा आयोजित एक एक्सपर्ट सेशन में सामने आया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड के बाद 2022-23 का दौर डेयरी उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। इस दौरान दूध की कीमतों में इतनी तेज गिरावट आई कि वह किसानों की उत्पादन लागत भी नहीं निकाल पा रही थीं। नतीजतन, पशु संख्या में बढ़ोतरी रुकी और दूध उत्पादन में तेज गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, 2023 के मध्य से हालात बदलने लगे। प्रमुख सहकारी समितियों और निजी कंपनियों ने किसानों के साथ दोबारा जुड़ाव बढ़ाया, टिकाऊ चारा कार्यक्रम शुरू किए और भरोसा बहाल किया।

'भारत वैश्विक मंच पर उभरती ताकत, 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की राह पर'

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर पिछले चार वर्षों से काम जारी था और यह 2025 में आकार ले सका। स्टार्मर ने संसद में कहा, भारत वैश्विक मंच पर एक उभरती ताकत है और 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की राह पर है।

इसके साथ ही ब्रिटिश पीएम ने कहा- व्यापार और निवेश से आगे द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए 'विजन 2035' समझौते पर भी सहमति बनी। एफटीए को लेकर वार्ताएं वर्ष के ज्यादातर समय सुर्खियों में रहीं। दोनों पक्ष समझौते के लिए प्रतिबद्ध दिखे और जुलाई में पीएम नरेंद्र मोदी के ब्रिटेन दौरे पर औपचारिक हस्ताक्षर किए गए। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मोदी से हुई द्विपक्षीय चर्चा के बाद कहा, हमने दुनिया की तेज अर्थव्यवस्था भारत के साथ ऐतिहासिक समझौता किया है। उन्होंने अक्तूबर में

अब तक के सबसे बड़े ब्रिटिश व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत यात्रा का निमंत्रण भी स्वीकार किया। दीर्घकालिक सहयोग की राह भी खुलेगी 2025 में दोनों देशों के महत्वाकांक्षी व भविष्य-उन्मुख 10 वर्षीय भारत-ब्रिटेन विजन 2035 रोडमैप को भी रखा गया। यह दीर्घकालिक सहयोग और नवाचार के रणनीतिक लक्ष्य तय करता है। ब्रिटेन के उच्च शिक्षा क्षेत्र की भारत में बढ़ती मौजूदगी भी नए वर्ष से फलीभूत होगी। नौ ब्रिटिश विवि भी भारत में अपने विदेशी परिसरों को अंतिम रूप दे रहे हैं।

अगले साल सीईटीए को ब्रिटिश संसद की मंजूरी संभावित

ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य विभाग (डीबीटी) के विश्लेषण के अनुसार, व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) लागू होने पर द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 44.1 अरब पाउंड से बढ़कर कई अरब पाउंड से अधिक हो सकता है। उम्मीद है कि 2026 की पहली छमाही में समझौते को ब्रिटिश संसद की मंजूरी मिल जाएगी, जिसका दोनों देशों को परस्पर लाभ होगा।

अध्ययन वीजा पर रुझान बढ़ेगा

हालिया आंकड़ों के अनुसार, अध्ययन वीजा पर करीब 45,000 भारतीय और कामकाजी वीजा पर 22,000 पेशेवर देश से बाहर गए, जिससे वहां शुद्ध आव्रजन में कमी आई। स्थायी निवास के लिए प्रतीक्षा अवधि को बढ़ाकर 10 वर्ष करने जैसे सख्त नियमों से यह रुझान आगे भी बना रह सकता है।

आतंकवाद पर भारत-ब्रिटेन साथ-साथ भारत-ब्रिटेन संबंधों में आतंकवाद के खिलाफ साझा प्रतिबद्धता भी प्रमुख रही। नवंबर में दिल्ली में हुए आतंकी हमले पर ब्रिटेन ने संवेदना जताई और अप्रैल में कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद कूटनीतिक समाधान का आह्वान किया।

सरकारी बैंकों के विलय में अगले साल तेजी, बनेंगे बड़े बैंक, वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार 2047 तक विकसित भारत के विकास के अगले चरण को रफ्तार देने के लिए देश में बड़े बैंकों की दिशा में काम तेजी से शुरू कर दिया है। अगले साल से इसका नतीजा दिखने भी लगेगा। छोटों को बड़े बैंकों में मिलाकर वैश्विक स्तर के चार-पांच बैंक बनाए जाने की योजना है। इससे घरेलू बैंकों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

पिछले महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि भारत को कई बड़े, विश्व स्तरीय बैंकों की जरूरत है। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। सरकार ने रिजर्व बैंक और सरकारी बैंकों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। इस समय 12 सरकारी बैंक हैं। देश का सबसे बड़ा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) एकमात्र बैंक है जो परिसंपत्तियों के आधार पर वैश्विक शीर्ष-50 बैंकों में शामिल है। यह 43वें स्थान पर है। निजी क्षेत्र का एचडीएफसी बैंक 73वें स्थान पर है। बड़े बैंकों के निर्माण के उद्देश्य से सरकार ने पहले दो बार विलय प्रक्रिया चलाई थी। अगस्त, 2019 में चार बड़े बैंकों के विलय की घोषणा की गई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय
सुर्य	धनु	मे	06-24 बजे
चंद्र	मीन	मे	08-29 बजे
मंगल	धनु	मे	10-12 बजे
बुध	वृश्चिक	मे	11-42 बजे
गुरु	मिथुन	मे	13-08 बजे
शुक्र	धनु	मे	14-45 बजे
शनि	मीन	मे	16-41 बजे
राहु	कुंभ	मे	18-55 बजे
केतु	सिंह	मे	21-14 बजे
			23-30 बजे
			01-44 बजे
			04-02 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
सूर्योदय 06-47
सूर्यास्त. 17-45
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष रविवार 28 Dec
तिथि - अष्टमी 11-59 तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 08-43 तक उप रेवती
योग - वरियान 10-13 तक उप. परिघ
करण - बव 11-59 तक उप बालव

सर्वार्थ सिद्धि योग 07-28 से

धनु मे बुध

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-27 17-50

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06-47 - 08-09	अशुभ	शुभ।	17-45 - 19-27	शुभ
चंचल	08-09 - 09-32	शुभ	अमृत	19-27 - 21-04	शुभ
लाभ	09-32 - 10-55	शुभ	चंचल	21-04 - 22-41	शुभ
अमृत	10-55 - 12-18	शुभ	रोग	22-41 - 00-18	अशुभ
काल	12-18 - 13-41	अशुभ	काल	00-18 - 01-55	अशुभ
शुभ	13-41 - 15-04	शुभ	लाभ	01-55 - 03-32	शुभ
रोग	15-04 - 16-27	अशुभ	उत्पात	03-32 - 05-09	अशुभ
उत्पात	16-27 - 17-45	अशुभ	शुभ	05-09 - 06-47-	शुभ

सावधान : कंपनी फाइलिंग की डेडलाइन और फीस माफी पर वायरल हुआ सर्कुलर 'फर्जी'

सरकार ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर आप भी कॉरपोरेट जगत से जुड़े हैं, चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, या कंपनी सेक्रेटरी हैं, और आपको सोशल मीडिया या मैसेजिंग ऐप्स पर कोई ऐसा सर्कुलर मिला है जिसमें वित्तीय विवरण दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने का दावा किया गया है, तो सावधान हो जाएं। यह खबर पूरी तरह से भ्रामक और झूठी है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को एक जरूरी स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि सरकार ने कंपनी कानून के तहत फाइलिंग के लिए अतिरिक्त शुल्क में छूट या समय सीमा बढ़ाने से संबंधित कोई भी नया परिपत्र जारी नहीं किया है।

हाल ही में सोशल मीडिया और विभिन्न प्रोफेशनल ग्रुप्स में 26 दिसंबर, 2025 की तारीख वाला एक दस्तावेज प्रसारित हो रहा था। इसे 'सामान्य परिपत्र संख्या 08/2025' बताया जा रहा था। इस फर्जी सर्कुलर में दो बड़े दावे किए गए थे। पहला था अतिरिक्त शुल्क में छूट का दावा। इसके तहत कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत वित्तीय विवरण और वार्षिक रिटर्न दाखिल करने में देरी पर लगने वाली पेनल्टी या अतिरिक्त शुल्क को माफ कर देने की बात कही गई थी। दूसरे दावे में फाइलिंग की डेडलाइन को आगे बढ़ाने की बात कही गई थी।

चूंकि साल का अंत कॉरपोरेट फाइलिंग के लिए व्यस्त समय होता है, इसलिए यह फर्जी खबर तेजी से फैल गई और हितधारकों के बीच भ्रम की स्थिति बन गई। मंत्रालय ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' (पूर्व में ट्विटर) पर स्थिति स्पष्ट की। मंत्रालय ने साफ शब्दों में कहा कि ऐसी कोई राहत पैकेज या छूट नहीं दी गई है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के संज्ञान में आया है कि 26 दिसंबर, 2025 को जारी कथित सामान्य परिपत्र संख्या 08/2025 प्रसारित किया जा रहा है।

वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र में 1.35 लाख करोड़ का निवेश

विदेशी बैंकों और पीई फंड्स का बढ़ा भरोसा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र यानी बीएफएसआई के लिए 2025 वैश्विक निवेश का केंद्र बना रहा। इस दौरान इस क्षेत्र में कुल 1.35 लाख करोड़ रुपये (15 अरब डॉलर) का निवेश आया है। विदेशी बैंकों, बीमा कंपनियों, निजी इक्विटी फंडों के साथ सरकारी निवेशकों ने हिस्सेदारी खरीद, नियंत्रण सौदों और पूंजी निवेश के जरिये यह रकम लगाई।

बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और बीमा कंपनियों में सौदों की इस गति ने वैश्विक निवेशकों की नजर में भारत की वित्तीय प्रणाली के संरचनात्मक पुनर्मूल्यांकन को दर्शाया। 2025 को पिछले वर्षों से अलग करने वाली बात सीमा पार लेनदेन का विशाल आकार और उद्देश्य था। मित्सुबिशी यूएफजे वित्तीय समूह के श्रीराम फाइनेंस में 4.4 अरब डॉलर में 20 फीसदी हिस्सा हासिल करने के समझौते ने भारत के विविध ऋण मंचों विशेष रूप से खुदरा और लघु व्यवसायों में मजबूत उपस्थिति वाले मंचों में विदेशी विश्वास को रेखांकित किया।

एमिरेट्स एनबीडी का आरबीएल में 60 फीसदी हिस्सा लेना भी उतना ही महत्वपूर्ण था, जो किसी विदेशी ऋणदाता द्वारा भारतीय निजी क्षेत्र के बैंक का परिचालन नियंत्रण लेने के दुर्लभ मामलों में से एक है। इस सौदे से संकेत मिला कि भारत का नियामक वातावरण इतना परिपक्व है कि वह अच्छी पूंजी वाले वैश्विक बैंकों को नेतृत्व की भूमिकाओं में शामिल कर सकता है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अगर आप बेरोजगार हैं, तो एक अवसर आज आपके दरवाजे पर अपनी दस्तक दे सकता है। दोनों हाथों से इसे ले । आपके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। कृपया करके मुफ्त सलाह प्रदान करने वालो से दूर रहे । आप नौकरी पाने के पश्चात अपनी ईमानदारी और समर्पण दिखाए ।आपको एक नए क्षेत्र से अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है ! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते है , इस तरफ ध्यान न दे । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते है , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते है की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है ! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एक दिन में 17,000 रुपये उछली चांदी, अब भी बचा है काफी दम

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी की कीमत में तेजी का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। हफ्ते के अंतिम दिन यह नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई। एमसीएक्स पर इसकी कीमत में 17,000 रुपये से अधिक तेजी आई। कारोबार के दौरान यह 2,42,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी और अंत में 2,40,935 रुपये पर बंद हुई। कॉमेक्स पर इसका भाव $79.70 प्रति औंस के नए रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

इसके साथ ही चांदी दुनिया की दूसरे सबसे वैल्यूएबल एसेट बनने के करीब पहुंच चुकी है। इसका मार्केट कैप 4.4 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है और यह एनवीडिया की वैल्यू को पार करने से मात्र 4.5% दूर है। अगर यह एनवीडिया को पछाड़ती है तो सोने के बाद दुनिया की दूसरी बड़ी एसेट बन जाएगी। शुक्रवार के बंद भाव पर एनवीडिया का मार्केट कैप 4.638 ट्रिलियन डॉलर है और यह दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है।

क्या भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता?

केंद्र सरकार ने बताए चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि बीते 11 वर्षों में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए बताया कि इस अवधि में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना और निर्यात आठ गुना बढ़ा है। मंत्री के अनुसार, वित्त वर्ष 2014-15 में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का उत्पादन जहां 1.9 लाख करोड़ रुपये था, वह 2024-25 में बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये

हो गया। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 0.38 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में बताया कि बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना के तहत 13,475 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है। इसके जरिए 9.8 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन हासिल किया गया। बीते दशक में इस क्षेत्र से करीब 25 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की यह वृद्धि पीएम मोदी के व्यापक इकोसिस्टम विकसित करने के विजन का नतीजा है। उन्होंने लिखा कि यह जमीनी स्तर पर वास्तविक आर्थिक विकास है।

भारत ही नहीं दुनिया भर में बेकाबू हुआ सोना

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया भर के सोना प्रेमी परेशान है। हर रोज सोने की कीमत एक नई ऊंचाई पर चढ़ कर बंद हो रही है। कल ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोना 50.87 डॉलर प्रति औंस चढ़ कर 4,530.42 डॉलर की सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। आखिर सोना इतना महंगा क्यों हो रहा है और लोग इस महंगे सोने का क्या तोड़ निकाल रहे हैं? मनी मैटर्स की आज की श्रृंखला में हम इसी पर चर्चा करेंगे।

इस समय दुनिया भर के बाजारों में सोना सरपट भाग रहा है। भारत में भी सोने की कीमतों में तेजी का सिलसिला कायम है। कल यानी शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट मतलब कि 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत में फिर बढ़ोतरी हुई। यह 1,500 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,42,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले सोना 1,40,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

साल भर में 80% महंगा

इस साल गेहूं चावल की कीमत भले ही दूनी के करीब नहीं हुई हो, लेकिन सोने की कीमत में ऐसा कमाल हो गया है। पिछले साल के अंतिम दिन मतलब कि 31 दिसंबर, 2024 को दिल्ली बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 26 दिसंबर को यह बढ़ कर 1,42,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। मतलब कि एक साल से कम अवधि में ही यह 63,350 रुपये यानी 80.24 फीसदी महंगा हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने की कीमतों में उछाल देखा गया है। 26 दिसंबर 2025 को 24 कैरेट सोना 50.87 डॉलर यानी 1.2 फीसदी बढ़कर 4,530.42 डॉलर

प्रति औंस के नए सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दर में कटौती किए जाने की अभी और उम्मीद है। इस वजह से जिंस बाजार में सकारात्मक माहौल बन रहा है। तभी तो सोना 4,530 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत में घट रही है खपत

सोना के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की वजह से भारत में सोने की खपत गिरने लगी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक साल 2024 में यहां 802.8 टन सोने की खपत हुई थी। इस साल इसकी खपत 650 से 700 टन तक सिमट सकती है। काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जनवरी से सितंबर के बीच भारत में कुल 462.4 टन सोना बिका है। ऐसा भारत में हो रहा है जो कि दुनिया का सबसे बड़ा बुलियन मार्केट माना जाता है। हालांकि सोने के भाव बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपया के कमजोर होने की वजह भारत का गोल्ड इंपोर्ट बिल बढ़ रहा है। इस साल कम सोना आयात होने के बावजूद अभी तक गोल्ड इंपोर्ट बिल 55 अरब डॉलर हो गया है जो कि पिछले साल से करीब दो फीसदी ज्यादा है।

लोगों ने निकाला यह तोड़

सोने के बेकाबू होने के बावजूद शादी-ब्याह से लेकर छठी-मुंडन सबमें सोना तो खरीदा ही जाएगा। पहले लोगों ने भारी ज्वैलरी के बजाय हल्के ज्वलैरी पर शिफ्ट हुए। लेकिन सोने की कीमत में तो कोई ठहराव आया नहीं। इसलिए लोगों ने दूसरा विकल्प निकाल लिया। इंडिया के सीईओ सचिन जैन का कहना है कि अब लोग 22 कैरेट सोने के जेवर खरीदने के बजाय कम कैरेट वाले गहने पर शिफ्ट हो रहे हैं। खबर है कि अब बाजार में करीब 50 फीसदी गहना 14 से 18 कैरेट के बीच के बनने लगे हैं।

नवंबर में भी कम आया सोना

जब देश में सोना बिक ही नहीं रहा है तो इंपोर्टर इसका क्यों इंपोर्ट करेंगे। तभी बीते नवंबर महीने में महज 32 से 40 टन सोने के आयात का ही इस्टिमेट है। यह महीने दर महीने के अधार पर 73 फीसदी की गिरावट है। इसे साल दर साल के आधार पर भी देखें तो यह 59 फीसदी की गिरावट है।

सोने की कीमत इतनी ज्यादा क्यों है

सबके मन में यही सवाल उठ रहा है कि आखिर सोने की कीमत इतनी ज्यादा क्यों है? सोने की कीमत ज्यादा होने के पीछे कई फैक्टर हैं। सदियों से सोना अनिश्चित समय में पैसे को सुरक्षित रखने का एक अच्छा तरीका माना जाता है। ऊपर से दुनिया भर में चल रहे भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की सोने की लगातार खरीदारी, और अगले साल ब्याज दरों में कमी की उम्मीदें सोने की कीमतों को बढ़ा रही हैं।

रायगढ़ में हिंसक झड़प: महिला टीआई को मारी लात

पुलिस पर किया पथराव, 3 वाहन फूंके, जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ धरने पर बैठे हैं ग्रामीण

रायगढ़, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया।

महिलाओं ने महिला थाना कमला पुषाम को लात मारी। पुलिस पर पथराव किया। 3 गाड़ियों में आग लगा दी। मामला तमनार के सीएचपी चौक का है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में महिला थाना प्रभारी कमला पुषाम घायल हो गई हैं। उन्हें फौरन अस्पताल पहुंचाया गया। रायगढ़ डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है।

बताया जा रहा है कि 14 गांव के लोग जेपीएल कोयला खदान की प्रस्तावित जनसुनवाई के खिलाफ 15 दिनों से धरने पर बैठे हैं। ग्रामीणों को कंट्रोल करने के लिए फिलहाल बड़ी संख्या में फोर्स तैनात है। भीड़ ने 3 गाड़ियों में आग लगाई है। इनमें एक एसडीएम की गाड़ी बताई जा रही

है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं है।

दरअसल, तनाव पूर्ण माहौल को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 35 से 40 प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इनमें राधेश्याम शर्मा भी शामिल बताए जा रहे हैं। इसी के बाद माहौल और ज्यादा बिगड़ने की बात कही जा रही है।

वहीं यह भी कहा जा रहा है कि पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेने के बाद कोल खदान की गाड़ियों को पार करा रही थी, तभी खुरुसलेंगा में भारी वाहन की चपेट में आने से एक ग्रामीण घायल हो गया। इससे ग्रामीणों की नाराजगी बढ़ गई।

इस दौरान तमनार थाना प्रभारी समझाइश दे रही थी, तभी आक्रोशित महिलाओं ने मारपीट की। इसके बाद पुलिस पर पथराव किया गया। घटना से जुड़े वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें प्रदर्शनकारी हमला करते नजर आ रहे हैं।

वहीं एक वीडियो में महिलाएं तमनार थाना प्रभारी कमला पुषाम से मारपीट करती नजर आ रही हैं, जबकि दूसरे वीडियो में वही महिलाएं उन्हें पानी पिलाती दिखाई दे रही हैं। पथराव और झड़प के दौरान घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, जबकि गांव में बाहरी लोगों को जाने नहीं दिया जा रहा है।

भीड़ ने तीन वाहनों में आग लगा दी

वहीं, उपद्रव के दौरान तीन वाहनों में आग लगा दी गई। इनमें से एक वाहन एसडीएम का बताया जा रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

पहला मामला सरगुजा जिले के अमेरा ओपनकास्ट कोल माइंस का है। कोल माइंस विस्तार के खिलाफ ग्रामीण विरोध जता रहे हैं। 3 दिसंबर 2025 को पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव और गुलेल से हमला किया।

हमले में एएसपी, थाना प्रभारी समेत लगभग 25 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। 12 से अधिक ग्रामीण भी चोटिल हुए थे। स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। यह मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, एसईसीएल ने अमेरा खदान के विस्तार के लिए परसोढ़ी गांव की जमीनें साल 2001 में अधिग्रहित की थीं। ग्रामीण अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रशासनिक अधिकारी लगभग 500 पुलिसकर्मियों के साथ जमीन अधिग्रहण के लिए गांव पहुंचे थे।

दो दिनों से लापता नाबालिग का मिला शव

सीसीटीवी में दिखा बाउंड्री फांदने का प्रयास करता, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सरायकेला, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायकेला शनिवार सुबह दो दिनों से लापता एक नाबालिग का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना कपाली के ताजनगर स्थित बंधुगोड़ा प्राथमिक विद्यालय के पास की है।

मृतक की पहचान असरफी कॉलोनी, रोड नंबर-3 निवासी 14 वर्षीय मो. शाबीर के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला ऊंचाई से गिरकर मौत का प्रतीत हो रहा है। थाना प्रभारी धीरंजन कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है, जिसमें नाबालिग चहारदीवारी फांदने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहा है। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने यह भी बताया कि मृतक के पेट में शीशा लगा हुआ पाया गया है।

इस तथ्य को भी जांच के दायरे में रखा गया है। हालांकि, मृतक के परिजन पुलिस के इस दावे से सहमत नहीं हैं। शब्बीर के पिता मो. समीर ने बेटे की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने बताया कि शब्बीर पिछले दो दिनों से लापता था और 25 दिसंबर को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई गई थी। मो. समीर ने आरोप लगाया कि पड़ोस का एक लड़का साबिर को अपने साथ लेकर गया था, जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला।

पुलिस अब सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

सड़क हादसा, दो दोस्तों की मौत

जमशेदपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के जुगसलाई थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान आदित्यपुर कॉलोनी रोड नंबर-7 निवासी कृष (19) और अभय (26) के रूप में हुई है। अभय के पिता शिव मुनि सिंह ने बताया कि बेटा अपने दोस्त कृष के साथ खाना खाने के लिए स्टेशन की ओर जा रहा था। दोनों एक बाइक पर सवार थे। वहीं, उनके दो और दोस्त दूसरी बाइक से जा रहे थे।

इसी बीच जुगसलाई रेलवे फाटक के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने अभय की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जुगसलाई थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एमजीएम अस्पताल पहुंचाया।

सरकारी विमान से कथा करने रायपुर पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री

टीआई ने जूते-टोपी उतारकर छुए पैर, मंत्री खुशवंत भी साथ दिखे, कांग्रेस बोली- खजाने की डकैती

रायपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बाबा बागेश्वर सरकारी विमान से रायपुर पहुंचे। इस दौरान माना थाना प्रभारी मनीष तिवारी ने जूता और टोपी उतारकर बाबा के पैर छुए। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कोई पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की मांग कर रहा है तो कोई पैर छूने को सही बता रहा है। इस मामले में रायपुर SSP डॉ लाल उमेद सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मी पूरी वर्दी में नहीं था। उसने टोपी और जूते उतार दिए थे। फिलहाल, पुलिसकर्मी पर कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

इसके अलावा बाबा बागेश्वर छत्तीसगढ़ सरकार के शासकीय विमान से रायपुर पहुंचे, जहां से वे भिलाई रवाना हुए।

धीरेंद्र शास्त्री को सरकारी विमान की सुविधा मिलने पर सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस ने इसे जनता के पैसों की बर्बादी बताया है। वहीं भाजपा ने कहा- कांग्रेस कभी हिंदुओं का धर्म प्रचारकों को बर्दाश्त नहीं कर पाती है।

जानकारी के अनुसार धीरेंद्र शास्त्री को लाने प्रदेश सरकार के एक मंत्री पहले उसी सरकारी विमान से सतना गए, फिर बाबा बागेश्वर को लेकर रायपुर आए। वीडियो में विमान से तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब उतरते हुए नजर आ रहे हैं।

दरअसल, भिलाई के जयंती स्टेडियम में कथावाचक पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा 25 दिसंबर से चल रही है जो 29 दिसंबर तक होगी। जिसके लिए वो गुरुवार को रायपुर से भिलाई पहुंचे थे।

लोगों का कहना है कि धीरेंद्र शास्त्री एक कथावाचक हैं और किसी भी संवैधानिक पद पर नहीं हैं।

ऐसे में निजी धार्मिक आयोजन के लिए सरकारी विमान का उपयोग नियमों के खिलाफ है। सोशल मीडिया पर इसे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला बताया जा रहा है।

झारखंड में 1 जनवरी तक सुबह-शाम छाएगा कुहासा

रांची, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज ठंडा बना रहेगा। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 1 जनवरी तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है।

इसके बाद दिन में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। यह स्थिति मध्य झारखंड, दक्षिणी झारखंड, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी झारखंड के जिलों में समान रूप से देखने को मिलेगी।

रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद में सुबह के समय दृश्यता कम रह सकती है। वहीं पलामू, गढ़वा, लातेहार, सिंहभूम क्षेत्र और संथाल परगना के जिलों में भी हल्का कोहरा छाने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने कोहरे के कारण सुबह वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

राज्य में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है।

रायपुर मैग्नेटो मॉल में तोड़फोड़: बजरंग दल का चक्काजाम

तेलीबांधा थाने के सामने सड़क पर हवन, ट्रैफिक एनएच की ओर डायवर्ट, एएसपी, सीएसपी, 12 टीआई मौजूद

रायपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बंद के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रायपुर के मैग्नेटो मॉल में हंगामा किया और तोड़फोड़ की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। विरोध में बजरंग दल ने तेलीबांधा पुलिस स्टेशन के सामने चक्काजाम कर दिया है। बजरंग दल ने सड़क पर हवन कर विरोध जताया।

मौके पर 2 एएसपी, 4 सीएसपी और 12 से ज्यादा थाना प्रभारी समेत अतिरिक्त बल मौजूद हैं। मंदिर हसौद और एयरपोर्ट से रायपुर शहर की ओर आने वाले ट्रैफिक को तेलीबांधा चौक के पास नेशनल हाईवे की ओर डायवर्ट कर दिया गया है।

वहीं बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा ने कहा कि उन्होंने मॉल में तोड़फोड़ नहीं की। सजावट को हुए नुकसान पर इतना बड़ा एक्शन लेना गलत है। वे इसका विरोध कर रहे हैं। आज का विरोध प्रदर्शन उनकी योजना का हिस्सा था। हम उस पुलिस स्टेशन को घेर रहे हैं, जहां एफआईआर दर्ज की गई है।

बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा ने कहा कि मॉल में

तोड़फोड़ की शिकायत के बाद उनके कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया, जबकि कांकेर में 800 लोगों ने उनके 25 हिंदू भाइयों पर हमला किया और उन्हें पीटा। अगर पुलिस चाहती तो आरोपियों को गिरफ्तार कर सकती थी। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस कार्रवाई की होती तो छत्तीसगढ़ बंद नहीं होता। इस तरह की घटना नहीं होती। भले ही चैंबर ऑफ कॉमर्स ने हड़ताल का आह्वान किया था, लेकिन मॉल मालिकों ने बजरंग दल को भड़काने के लिए सांता क्लॉज की मूर्ति लगाई। बाइबिल में कहीं भी सांता क्लॉज का जिक्र नहीं है।

दरअसल, क्रिसमस से एक दिन पहले 24 दिसंबर छत्तीसगढ़ बंद के दौरान रायपुर के मैग्नेटो मॉल में जमकर हंगामा और तोड़फोड़ हुई। आरोप है कि बजरंग दल के 30-40 कार्यकर्ता लाठी-डंडे लेकर मॉल के अंदर घुसे। मॉल कर्मचारियों से धर्म और जाति पूछकर सामानों में तोड़फोड़ की गई।

मैग्नेटो मॉल की मार्केटिंग हेड आभा गुप्ता ने बताया कि मॉल पूरी तरह बंद था। उन्होंने बंद का समर्थन भी किया था। इसके बावजूद 50 से 100 लोग जबरदस्ती मॉल में घुस आए। उनके हाथों में लाठी, हॉकी स्टिक थे।

मैग्नेटो मॉल की मार्केटिंग हेड ने बताया कि वे कर्मचारियों और मौजूद लोगों से पूछ रहे थे 'आप हिंदू हो या क्रिश्चियन?', आपकी जाति क्या है?' यहां तक कि आईडी कार्ड और बैच देखकर सवाल किए जा रहे थे।

मार्केटिंग हेड के मुताबिक, वो लोग अग्रेसिव थे, डर था कहीं किसी को मार ना दे। यहां मौजूद कई स्टाफ रोने भी लगे थे। पुलिस के पहुंचने से पहले काफी चीजें डैमेज हो गई थीं। सब से कास्ट पूछ रहे थे। लग रहा था कि मार ही देंगे।

इस तोड़फोड़ में मॉल को करीब 15 से 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि नुकसान से ज्यादा डर का माहौल बना। ऐसा लग रहा था कि हालात और बिगड़ सकते हैं। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कई चीजें तोड़ी जा चुकी थीं।

सरेंडर नक्सली को धारदार हथियार से काट डाला

हथियारबंद नक्सली आधीरात घर में घुसे, कहा-पुलिस का मुखबिर था, सिर-चेहरे, आंख में चोट, चमड़ी उधड़ गई

बीजापुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने शुक्रवार की रात सरेंडर नक्सली को धारदार हथियार से काट डाला। युवक के सिर, चेहरे और आंखों में चोटें आईं हैं। सिर से चमड़ी उधड़ गई है। खून ज्यादा बह जाने की वजह से जान चली गई।मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान पुनेम बुदरा (28) पुत्र जोगा के रूप में हुई है, जो एर्रापल्ली गांव का रहने वाला था। पुनेम बुदरा ने 2022 में सुकमा जिले में नक्सल संगठन के सामने आत्मसमर्पण किया था। मई-जून 2025 से वह अपने पैतृक गांव एर्रापल्ली में रह रहा था।

दरअसल, शुक्रवार की रात करीब 10 बजे हथियारबंद नक्सली पुनेम बुदरा के घर पहुंचे। इस दौरान नक्सलियों ने कहा कि तुम पुलिस के मुखबिर हो। पुलिस से मुखबिरी करते हो, जिससे संगठन को नुकसान पहुंचा है। नक्सलियों ने हथियार से कई वार किए। बुदरा की मौके पर मौत हो गई।

वहीं वारदात की जानकारी मिलते ही ग्रामीण घबरा गए। स्थानीय लोगों ने बुदरा की हत्या की सूचना फौरन पुलिस को दी। सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। पामेड़ थाने से पुलिस बल घटनास्थल के लिए रवाना हो चुका है।

स्थानीय पुलिस के मुताबिक शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं बुदरा की हत्या के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल है। साथ ही गांव में बसने वाले अन्य आत्मसमर्पित नक्सलियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

बस्तर क्षेत्र में आत्मसमर्पण करने वाले अधिकांश नक्सलियों को पुनर्वास केंद्रों में विभिन्न कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद कई आत्मसमर्पित नक्सली अपने गांवों में लौट रहे हैं। अपने-अपने गांवों में फिर से बस कर जीवन यापन कर रहे हैं, लेकिन अब लोगों में घबराहट है।

बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि नक्सल वारदात और आपसी रंजिश जैसी सभी पहलुओं के आधार पर घटना की जांच कर रहे हैं। 2022 में सरेंडर करके घर में रह रहा था। घटनास्थल पर किसी तरह का नक्सल पर्चा भी घटनास्थल से बरामद नहीं हुआ है। जांच के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

बतादें कि बीजापुर जिले में नक्सलियों ने 20 दिन में यह दूसरी हत्या कर दी है। नक्सलियों ने सड़क ठेकेदार का गला काटकर हत्या कर दी थी। नक्सलियों ने पहले ठेकेदार के मुंशी को किडनैप किया था। जब ठेकेदार मुंशी को बचाने गया, तो उसे मार डाला। मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है।

मारा गया ठेकेदार इम्तियाज अली उत्तर प्रदेश का रहना वाला था। वह काफी समय से नारायणपुर जिले के धौड़ाई इलाके में रह रहा था।

लोगों ने चोरी करते युवक को पकड़ा

गिरिडीह, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह नगर थाना क्षेत्र के अरगाघाट मोहल्ले में शनिवार को साइकिल चोरी करते एक युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। लोगों ने उसकी पिटाई की और फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार, अरगाघाट निवासी रामकिशन यादव का घर खुला था और परिवार के सदस्य खटाल तथा घरेलू कामों में व्यस्त थे। इसी दौरान युवक घर में घुस गया और एक साइकिल लेकर भागने की कोशिश करने लगा। उसकी हरकतों पर शक होने पर स्थानीय लोगों ने उसे रोका। पूछताछ में युवक घबरा गया, जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया।

सूरजपुर में हाथियों का आतंक

गांव में घुसकर 5 घरों में तोड़फोड़ गुजारे के लिए स्टोर राशन किया चट

सूरजपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इस दौरान हाथियों का ये दल कई ग्रामीण इलाकों को हानि भी पहुंचा रहा हैं। कोरबा, बलरामपुर, जशपुर और सूरजपुर जिले में हाथी भोजन की तलाश में जंगल से सटे ग्रामीण इलाकों में बने घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला प्रदेश के सूरजपुर जिले से सामे आया हैं। यहां हाथियों के दल ने ग्रामीणों को दहशत में ला दिया।

दरअसल, सूरजपुर जिले के घुई वन परिक्षेत्र में हाथियों के दल ने गांवों में दहशत फैला दी है। बीती गुरूवार की रात हाथियों ने गांव में घुसकर पांच घरों को नुकसान पहुंचाया। फिर घरों में रखा राशन

खा लिया है। इस घटना की जानकारी के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथियों के गतिविधियों पर नजर रखते हुए उन्हें वापस जंगल में भगाने का काम कर रही है। गुरुवार की रात हाथियों के एक दल ने गांव में घुसकर कम से कम पांच घरों में जमकर तोड़फोड़ किया है। इस दौरान घरों में रखा राशन और खाद्य सामग्री हाथियों ने खा लिया है। हाथियों के इस तोड़ फोड़ की वजह से ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। सूरजपुर में हाथियों का यह दल पिछले कई दिनों से इलाके में विचरण कर रहा है। इस दौरान हाथी बेसुध हालत में गांव में उत्पात मचा कर रखे हैं। लगातार हो रही घटनाओं से गांव के लोग दहशत और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी का अंतिम चालान पेश

3000 करोड़ के स्कैम, 81 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

रायपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी की जांच कार्रवाई पूरी हो गई है। 3000 करोड़ के कथित शराब घोटाला मामले में अब ईडी ने कोर्ट में अंतिम चार्जशीट पेश कर दी है। यह चालान सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत तीन महीने के भीतर दाखिल किया गया है।

पेश की गई चार्जशीट में करीब 29 हजार 800 से अधिक पन्ने शामिल हैं। इस मामले में कुल 81 आरोपियों को नामजद किया गया है। अंतिम चालान दाखिल होने के साथ ही अब इस हाई-प्रोफाइल मामले में कोर्ट ट्रायल की प्रक्रिया शुरू होगी।

ईडी के अधिवक्ता सौरभ पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लांड्रिंग एक्ट के अंतर्गत एनफोर्समेंट डायरेक्टर छत्तीसगढ़ में लिकर स्कैन की इन्वेस्टीगेशन कर रही थी।

पूर्व में 22 लोगों को अभियुक्त बनाया गया था जिसमें कई गिरफ्तारियां भी हुई थी और उसके संदर्भ में जो हमने जांच पूरी की थी उसका हमने प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट जमा किया था आज हमने अन्य 59 लोगों के खिलाफ अपना प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट फाइल की है जिसमें जिसका इन्वेस्टिगेशन हमने कंप्लीट किया है।

अधिवक्ता सौरभ पांडे ने कहा कि इस चलान में पुराने 22 और नए 59 मिलाकर कुल 81 लोग इसमें एक्यूज्ड पर्सन है। अभी जो नए लोग हैं उसमें सौम्या चौरसिया, निरंजन दास और एफएल 10 लाइसेंस होल्डर और डिस्ट्रीब्यूटर समेत आबकारी अधिकारी शामिल है। जिनको एक्यूज्ड बनाया है।

सौरभ पांडे ने कहा कि हमारी जो प्रॉसीक्यूशन समरी है वह लगभग 315 पाने की है। इसके साथ अलग-अलग प्रकार के साक्ष्य जो हमने एकत्रित किए हैं।

महिला का प्राइवेट पार्ट चेक करने वाला आरक्षक बर्खास्त

दुर्ग-भिलाई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में महिला का प्राइवेट पार्ट चेक करने वाला आरक्षक बर्खास्त कर दिया गया है। पीड़ित महिला का बेटा जेल में बंद था, जिसे छुड़ाने के नाम पर आरक्षक अरविंद कुमार मेंढे (35 साल) ने अनैतिक कृत्य किया। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। जांच के बाद एसएसपी विजय अग्रवाल ने कार्रवाई करते हुए उसे नौकरी से निकाल दिया है। पीड़ित महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि, उसका बेटा पॉक्सो मामले में जेल में बंद है। 18 नवंबर को आरक्षक ने उसे बाहर निकालने में मदद करने के नाम पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया।

पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि आरक्षक ने मुझे बैड टच किया। जब मैंने कहा कि यह सब नहीं कर सकती और पीरियड होने की बात कही तो आरक्षक ने प्राइवेट पार्ट चेक किया। मामला सामने आने के बाद हिंदूवादी संगठन के लोगों ने भिलाई-3 थाने का घेराव भी किया था।

दुर्ग जिले की एक महिला ने पुरानी भिलाई थाने में पदस्थ आरक्षक अरविंद मेंढ़े पर छेड़छाड़ और गलत तरीके से छूने (बैड टच) का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसका बेटा पॉक्सो मामले में जेल में बंद है। आरक्षक ने उसे बाहर निकालने में मदद करने के नाम पर महिला से छेड़छाड़ की और उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया।

पीड़िता ने बताया कि आरक्षक अरविंद उसे फोन करके मंगलवार को चरोदा बस स्टैंड पर बुलाया था। जब वह वहां पहुंची, तो आरक्षक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। मुझे बैड टच किया।

जब मैंने बताया कि अभी मैं यह सब नहीं कर सकती और उसे पीरियड होने की बात कही तो उसने प्राइवेट पार्ट चेक किया।

इस मामले की सूचना मिलते ही हिंदूवादी संगठन के लोगों ने भिलाई-3 थाने का घेराव भी किया था।

सरायढेला के कचरा गोदाम में भीषण आग

धनबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद के सरायढेला स्थित न्यू बैंक कॉलोनी में शनिवार को एक कचरा गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते गोदाम से ऊंची लपटें उठने लगीं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया।

संकरी गली होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई। इसके बावजूद, फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच नया शांति समझौता

इसमें ट्रंप की कितनी भूमिका

पैलिन, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कोबंडिया और थाईलैंड के बीच बीते कुछ दिनों से जारी संघर्ष के बीच अब एक अच्छी खबर सामने आ रही है। जहां दोनों देशों ने शनिवार से दोपहर 12 बजे से तुरंत प्रभावी सीजफायर (युद्धविराम) लागू करने का फैसला किया है। यह कदम कंबोडिया और थाईलैंड की साझा सीमा पर हाल ही में हुए हिंसक संघर्षों को कम करने और शांति बहाल करने के लिए उठाया गया है। एशिया का भूले-बिसरे इस संघर्ष में 100 से अधिक लोग मारे गए और करीब पांच लाख लोग विस्थापित हुए।

दोनों देशों ने यह निर्णय तीसरी विशेष सीमा समिति (जीबीसी) की बैठक के बाद लिया, जो प्रुम-बन पाक कार्ड अंतरराष्ट्रीय सीमा चौकी पर हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने शांति और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि विवादों का समाधान विश्वसनीयता, ईमानदारी, निष्पक्षता और आपसी सम्मान के माहौल में होना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर, आसियान चार्टर और दक्षिण-पूर्व एशिया में

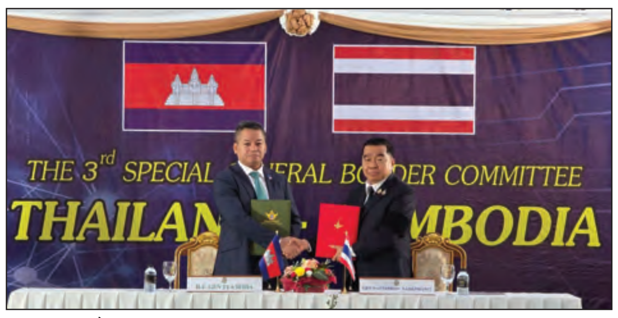

मित्रता और सहयोग संधि के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। बता दें कि पिछले दिनों थाईलैंड और कंबोडिया के बीच बढ़ते सीमा विवाद को देखते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा था कि वह एक फोन कॉल करके थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी संघर्ष को रोक देंगे। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया था कि वह ताकत के दम पर शांति स्थापित कर रहे हैं। बैठक में यह भी याद दिलाया गया कि 22 दिसंबर को कुआलालंपुर में हुई विशेष आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक में भी शांति और बल का उपयोग न करने का आग्रह किया गया था।

सीजफायर के तहत दोनों देशों ने सहमति दी कि सभी प्रकार के हथियारों का इस्तेमाल रोकना होगा। साथ ही नागरिक इमारतों और सैन्य ठिकानों पर कोई हमला नहीं होगा। दोनों पक्षों ने यह भी कहा कि अनायास गोलीबारी, सैनिकों की किसी भी तरह की आग या हमला नहीं होना चाहिए।

इसके अलावा दोनों देश औटा कन्वेंशन के तहत खदान निषेध कानूनों का पालन करेंगे और सीमा क्षेत्र में मानवता के लिए खदानें हटाने का काम मिलकर करेंगे। साथ ही साइबर अपराध और मानव तस्करी जैसी ट्रांसनेशनल क्राइम्स के खिलाफ सहयोग भी बढ़ाया जाएगा।

जापान में 50 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं

कई गाड़ियां जलकर खाक, बुजुर्ग महिला की मौत, 26 घायल, बर्फीला मौसम बना वजह

टोक्यो, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जापान में शुक्रवार देर रात बर्फीले मौसम के कारण बड़ा सड़क हादसा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, कोहरे के कारण इलाके में विजिबिलिटी कम थी, जिसके चलते दो ट्रक आपस में टकरा गए।

टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा ब्लॉक हो गया। पीछे से आ रही गाड़ियां बर्फीली सड़क पर समय रहते ब्रेक नहीं लगा सकीं और देखते ही देखते 50 से ज्यादा गाड़ियां आपस में भिड़ गए। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग लग गई।

हादसा गुन्मा प्रान्त के मिनाकामी कस्बे में कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ। इसमें 77 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। हादसे के वक्त देश में साल के अंत और नए साल की छुट्टियों को लेकर भारी ट्रैफिक था।

एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां जलकर राख हुईं

पुलिस ने बताया कि घायलों में से पांच की हालत गंभीर है। हादसे के बाद एक गाड़ी में आग लग गई।

जो तेजी से फैलते हुए एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियों तक पहुंच गई। कई वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं।

दमकल कर्मियों को आग बुझाने में सात घंटे लगे

आग बुझाने में दमकल कर्मियों को करीब सात घंटे लगे। पुलिस जांच, मलबा हटाने और सड़क की सफाई के चलते एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्से अभी भी बंद हैं। यहां शुक्रवार देर रात भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन छुट्टियों के कारण लोग घूमने निकल रहे थे।

5000 डॉक्टर-11000 इंजीनियर ने छोड़ा पाकिस्तान

पाक के पूर्व सांसद के दावे से मुनीर की हो रही थू-थू

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तन इन दिनों अपने इतिहास के सबसे बड़े प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) के दौर से गुजर रहा है। देश की खराब आर्थिक हालत, राजनीतिक अस्थिरता और रोजगार की कमी के चलते बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे और कुशल लोग देश छोड़ रहे हैं। पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 महीनों में 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश छोड़ चुके हैं। ये आंकड़े सामने आने के बाद सरकार और सेना नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं।

ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की दुनियाभर में तो थू-थू हो ही रही है। अब खुद पाकिस्तान के लोग ही शहबाज सरकार और उनकी नीतियों पर खूब सवाल खड़े कर रहे हैं।एक तरफ जहां इन आकड़ों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए पूर्व पाकिस्तानी सांसद मुस्तफा नवाज

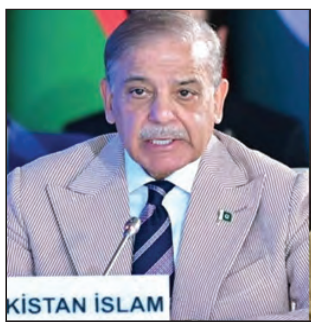

खोखर ने शहबाज सरकार पर निशाना बनाया। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के 'सो कॉल्ड' सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसीम मुनीर का एक पुराना बयान 'ब्रेन ड्रेन' नहीं 'ब्रेन ग्रेन' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खूब चर्चा में है।

इतना ही नहीं यूजर्स मुनीर के इस बयान को आधार बनाकर मुनीर की खूब खिल्लियां भी उड़ा रहे है।

बता दें कि पाकिस्तान के ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन एंड ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट की रिपोर्ट के बाद सामने आए आंकड़े ने पाकिस्तान में एक नया भूचाल ला दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर सेना प्रमुख मुनीर की खूब थू-थू हो रही है। इसका कारण है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर ने कुछ महीने पहले कहा था कि यह पलायन 'ब्रेन ड्रेन नहीं, बल्कि ब्रेन गेन' है। अब जब सरकारी आंकड़े सामने आए हैं, तो सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है।

वहीं पाकिस्तान के पूर्व सांसद मुस्तफा नवाज खोखर ने सोशल मीडिया पर देश से हो रहे बड़े पैमाने पर प्रतिभा पलायन को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा कि पिछले 24 महीनों में पाकिस्तान से 5,000 डॉक्टर, 11,000 इंजीनियर और 13,000 अकाउंटेंट देश छोड़ चुके हैं।

भारतीय दूतावास की अहम पहल

संकटग्रस्त महिलाओं के लिए 'वन स्टॉप सेंटर' की शुरुआत

टोरंटो, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में रह रही भारतीय महिलाओं की मदद के लिए टोरंटो में भारत का वाणिज्य दूतावास ने एक अहम कदम उठाया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'वन स्टॉप सेंटर फॉर वूमन (ओएससीडब्ल्यू)' की स्थापना की है, जो खास तौर पर संकट में फंसी भारतीय पासपोर्ट धारक महिलाओं को सहायता देगा।

यह केंद्र उन महिलाओं की मदद करेगा जो घरेलू हिंसा, शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न, पारिवारिक विवाद, पति की तरफ से छोड़े जाने, शोषण, कानूनी परेशानियों जैसी समस्याओं का सामना कर रही हैं। दूतावास ने इसके साथ 24 घंटे, सात दिन काम करने वाली हेल्पलाइन भी शुरू की है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता मिल सके।

वन स्टॉप सेंटर के तहत महिलाओं को तुरंत काउंसलिंग (मानसिक व भावनात्मक सहायता), मनो-सामाजिक सहयोग, कानूनी सलाह और सहायता से जोड़ना, कनाडा में उपलब्ध सामाजिक और सामुदायिक सेवाओं तक पहुंच जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। भारतीय मिशन ने साफ किया है कि केंद्र की पूरी कार्यप्रणाली कनाडा के स्थानीय कानूनों के दायरे में रहकर ही की जाएगी। इस केंद्र को एक महिला सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर चलाएंगी, जो यह सुनिश्चित करेंगी कि पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और समग्र सहायता मिले। जरूरतमंद महिलाओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता 'मीन्स टेस्ट' (आर्थिक स्थिति के आधार) पर होगी और यह भारत सरकार के नियमों के अनुसार दी जाएगी।

खैबर-पख्तूनख्वा के सीएम के साथ फिर मारपीट

विधानसभा में बदसलूकी, 1 महीने पहले पुलिस ने पीटा था

लाहौर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के साथ सुरक्षाकर्मियों ने मारपीट की। उनके प्रतिनिधियों के साथ भी बदसलूकी की गई। घटना का वीडियो सामने आया है।

वीडियो में दिख रहा है कि मुख्यमंत्री अफरीदी अपने प्रतिनिधियों के साथ पंजाब असेंबली में घुस रहे हैं, इस दौरान सुरक्षाकर्मी उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं, तभी उनके साथी फतेह उल्लाह बुर्की बीच में आ जाते हैं।

इसके बाद अफरीदी ने बयान जारी कर कहा- कोई भी लोकतांत्रिक सरकार ऐसा काम नहीं करती है, यह सीधे-सीधे मार्शल लॉ जैसा व्यवहार है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खतरे में है।

गार्ड अफरीदी के प्रतिनिधि बुर्की के साथ मारपीट करते हैं

और उन्हें धक्का देकर विधानसभा से बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। हालांकि, अन्य अधिकारियों के बचाव में आने के बाद बुर्की को छोड़ दिया जाता है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई है।

पाकिस्तान के पंजाब में मुस्लिम लीग नून की सरकार है और नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज मुख्यमंत्री हैं। वहीं, केपी के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से हैं। घटना के बाद अफरीदी ने मीडिया से कहा कि लाहौर में हमारे कार्यकर्ताओं के साथ बुरा व्यवहार और उत्पीड़न किया जा रहा है। उनका कहना था कि पंजाब में एक नकली सरकार है, जो सिर्फ एक पार्टी को डराने और धमकाने में लगी है।

उन्होंने बताया कि चक्री और मंडी बहाउद्दीन में हमारे कार्यकर्ताओं के रास्ते रोके गए। उनके वाहन रोक दिए गए। कुछ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया और सांसदों के साथ भी बदसलूकी हुई। अफरीदी 1 महीने पहले 28 नवंबर को रावलपिंडी की अडियाला जेल में इमरान से मिलने गए थे, तब भी पुलिस ने उनके साथ मारपीट की थी। पुलिस ने उनके बाल खींचे और जमीन पर गिरा दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीएम सोहेल अफरीदी पर हमले की कार्रवाई सेना के आदेश पर की गई। अफरीदी जिस समय जेल पहुंचे थे वहां भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। उनके पहुंचने से हालात और बिगड़ गए थे।

सीएम अफरीदी हटाए जा सकते हैं

पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने 1 दिसंबर को कहा था, 'पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।'

यह बयान अफरीदी के सेंट्रल जेल रावलपिंडी के बाहर रातभर धरना देने के बाद आया था। मलिक ने कहा था, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वे न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं।'

बिस्किट, बटर से टीवी सीरियल तक

बलूच नेता ने खोली पाकिस्तानी सेना के बिजनेस एंपायर की पोल

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बारे में व्यंग के तौर पर कहा जाता है कि यहां देश की फौज नहीं है बल्कि आर्मी के पास एक मुल्क है। इसी बात को बलूचिस्तान के कार्यकर्ता मीर यार ने कहा है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग देश बनाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे मीर ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि कैसे पाकिस्तानी सेना बिस्किट से लेकर एयरलाइन तक हर बिजनेस में घुसी हुई है। दूसरी ओर लड़ाई के मैदान पर वह मुंह की खाती रही है।

मीर यार अपने एक्स पोस्ट में लिखते हैं कि सभ्य दुनिया में सेनाएं अपने देश की सीमाओं पर मजबूती से खड़ी रहती हैं। वे सच्चे रखवाले की तरह अपने नागरिकों को खतरों से बचाती हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान में सेना एक अलग ही खेल खेलती है। वह सीमेंट फैक्ट्रियों, टीवी ड्रामा, बेकरियों, बैंकों से लेकर रियल एस्टेट और यहां तक कि अनाज का बिजनेस भी कर रही है।

मीर यार ने आगे कहा है कि पाकिस्तान की सेना सही मायनों में देश का सबसे बड़ा ग्रुप हैं। एक ऐसा कारोबारी ग्रुप जो अरबों कमा रहा है। यह एक ऐसा देश में हो रहा है, जिसकी अर्थव्यवस्था डूबी हुई है। देश की इकॉनमी बेलआउट के लिए भीख मांग रही है। एक गरीब देश में सेना जमकर पैसा कमा रही है।

बलूचिस्तान को अलग देश कहने वाले मीर का कहना है, 'पाकिस्तानी सेना का लड़ाई के मैदान में रिकॉर्ड बहुत बुरा है। 78 साल के इतिहास में कोई बड़ा युद्ध वह नहीं जीत सके हैं। पाकिस्तानी सेना का भारत के खिलाफ 1947, 1965 और 1971 क्या हुआ, सब जानते हैं। 1999 का कारगिल भी किसी से छुपा नहीं है।

टेक्सास में चोरों ने कार से बांधकर एटीएम उखाड़ा

मशीन दूसरी गाड़ी में फंसी घबराकर कार छोड़ पैदल ही भागे

टेक्सास, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। टेक्सास में क्रिसमस ईव की सुबह दो नकाबपोश चोरों ने एक कन्विनियंस स्टोर से एटीएम मशीन चुराने की कोशिश की।

सुबह करीब साढ़े तीन बजे, दोनों संदिग्ध एक चोरी की हुई काली एसयूवी गाड़ी में 7-इलेवन स्टोर पहुंचे।

एक संदिग्ध स्टोर का शीशा तोड़कर अंदर घुसा। उसने अंदर जाकर एटीएम पर मेटल केबल बांधा, जबकि दूसरा बाहर गाड़ी में बैठा रहा।

पहला चोर मेटल केबल बांधकर बाहर आता है और गाड़ी में बैठे अपने साथी से कार स्टार्ट करने को कहता है। जैसे ही गाड़ी तेजी से आगे बढ़ती है, एटीएम मशीन पूरी दुकान को चीरती हुई बाहर निकल आती है।

इससे स्टोर के सामने के दरवाजे, शीशे और अंदर की अलमारियां पूरी तरह तहस-नहस हो गईं, सामान इधर-उधर बिखर गया और काफी नुकसान हुआ। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि चोर एटीएम को बाहर निकालने के लिए दो बार कोशिश करते हैं।

एसयूवी और एटीएम छोड़कर भागे चोर

गाड़ी के तेजी से आगे बढ़ने के कारण एटीएम से केबल निकल जाती है। चोर फिर से केबल एटीएम से बांधता है और खींचने की कोशिश करता है, लेकिन इसबार एटीएम दूसरी गाड़ी में फंस जाती है।

इसके कारण चोर एटीएम नहीं ले जा पाते हैं, जिसे पुलिस ने बाद में बरामद कर लिया। चोरों की गाड़ी भी स्टोर से कुछ दूर लावारिस हालत में मिली। पुलिस का मानना है कि संदिग्ध पैदल ही भाग गए होंगे या किसी अन्य वाहन में बैठकर उसे छोड़कर चले गए होंगे।

चोरी से स्टोर को नुकसान

इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन स्टोर को भारी नुकसान पहुंचा। व्हाइट सेटलमेंट पुलिस विभाग इन दोनों संदिग्धों की तलाश कर रहा है, जो काले हुडी, पैंट, मास्क और ऑरेंज दस्ताने पहने थे।

पुलिस को शक है कि ये चोर हाल के दिनों में आसपास के इलाकों में हुई इसी तरह की दो अन्य घटनाओं से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने लोगों से मदद की अपील की है। साथ ही किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर सूचना की बात कही।

अमेरिका में भारतवंशी छात्र धमकी के आरोप में गिरफ्तार

वाशिंगटन, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल का छात्र आगजनी और आतंकी धमकी के आरोप में गिरफ्तार गया है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार अमेरिका में 22 साल के भारतीय मूल के एक छात्र को परिवार के सदस्यों के खिलाफ आगजनी और आतंकी धमकी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डलास में सीनियर छात्र मनोज साई लेल्ला को फ्रिस्को पुलिस ने गिरफ्तार किया। परिवार के सदस्यों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और कथित धमकियों की रिपोर्ट के बाद पुलिस लेल्ला के घर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि उसने कथित तौर पर कुछ दिन पहले घर में आग लगाने की कोशिश की थी।

बांग्लादेश के स्कूल कॉन्सर्ट में भीड़ का हमला

ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेंकी, स्कूली छात्र समेत 20 घायल, जबरन घुसने से रोकने पर दंगा

ढाका, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के फरीदपुर जिले में शुक्रवार की रात डिस्ट्रिक्ट स्कूल की 185वीं एनिवर्सरी के समापन समारोह के दौरान हिंसा हो गई। यहां मशहूर रॉक सिंगर जेम्स (नागर बाउल) का कॉन्सर्ट होना था, इससे ठीक पहले भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया।

घटना रात करीब 9:30 बजे हुई, जब जेम्स मंच पर आने वाले थे। आयोजकों के अनुसार, कुछ बाहरी लोग जबरन कार्यक्रम स्थल में घुसने की कोशिश कर रहे थे। रोकने पर उन्होंने ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया और मंच की ओर बढ़ने लगे।

इसके बाद प्रशासन के निर्देश पर कॉन्सर्ट रद्द कर दिया गया। घटना में 20 लोग घायल हो गए। इनमें ज्यादातर छात्र हैं। मौके पर मौजूद छात्रों और स्वयंसेवकों ने स्थिति संभालने की कोशिश की,

जिसके बाद हमलावर पीछे हटे।

स्थिति बेकाबू होते देख फरीदपुर जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप किया। रात करीब 10 बजे आयोजन समिति के संयोजक डॉ. मुस्तफिजुर रहमान शमीम ने मंच से ऐलान किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला उपायुक्त के निर्देश पर जेम्स का कॉन्सर्ट रद्द किया जा रहा है। जेम्स और उनके बैंड सदस्यों को सुरक्षा घेरे में सुरक्षित बाहर निकाला गया। किसी कलाकार को चोट नहीं लगी। वर्षगांठ कार्यक्रम के प्रचार और मीडिया उप-समिति के संयोजक राजिबुल हसन खान ने कहा, "हमने जेम्स के कॉन्सर्ट को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारियां की थीं, लेकिन इस अचानक हमले से हम सभी हैरान हैं। हमें नहीं पता कि यह हमला किसने और क्यों किया।" उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए कार्यक्रम रोकना पड़ा।

फरीदपुर जिला स्कूल इस क्षेत्र के सबसे पुराने सरकारी संस्थानों में से एक है, जिसकी स्थापना 1840 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। पुलिस ने इलाके में भारी सुरक्षाबल तैनात किया है और स्थिति को नियंत्रण में लिया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी की खबर नहीं आई।

हाल के समय में कई कलाकारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर इसी तरह के हमले हो चुके हैं, जिससे कलाकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की आजादी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

पनडुब्बी से परमाणु हमला

भारत के के-4 मिसाइल टेस्ट से क्यों घबराया है पाकिस्तान, पाकिस्तानी ब्रिगेडियर डरा

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। चीनी जासूसी जहाजों के हिंद महासागर में पहुंचने के बावजूद भारत ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली परमाणु मिसाइल लॉन्च कर पूरी दुनिया को अपनी ताकत का अहसास करवाया है। बहुत आसान भाषा में जानिए तो अगले 10-15 सालों तक दुनिया के पास कोई ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं होगा, जो भारत की के-4 मिसाइल को इंटरसेप्ट कर सके।

यानि, भगवान ना करे ऐसी नौबत आए, लेकिन अगर कभी इस मिसाइल को युद्ध में चलाने की नौबत आई, तो समझ लीजिए उस दिन दुश्मन का समूल विनाश होगा।

पाकिस्तान की नेशनल कमांड अथॉरिटी के रणनीतिक प्लान्स डिवीजन में आर्म्स कंट्रोल एडवाइजर हैं और पूर्व ब्रिगेडियर डॉ. जाहिर काजमी ने भारत की इस मिसाइल टेस्ट को पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा खतरा और चिंता की बात बताया है।

डॉ. जाहिर काजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत की इस मिसाइल लॉन्च को लेकर कई पोस्ट लिखे हैं। जिसमें उन्होंने कहा है कि भारत की तरफ से हाल ही में आईएनएस अरिघात से के-4 पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (एसएलबीएम) का सफल परीक्षण सिर्फ भारत की समुद्री परमाणु क्षमता का विस्तार नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे पाकिस्तान की सामरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

डॉ. जाहिर काजमी ने पाकिस्तान की चिंता का इजहार करते हुए लिखा है कि करीब 3,500 किलोमीटर रेंज वाली यह मिसाइल भारत को समुद्र के भीतर से परमाणु हमला करने की क्षमता देती है, जिससे उसकी न्यूक्लियर ट्रायड और ज्यादा मजबूत हो गई है।

पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों में चिंता इस बात की है कि यह क्षमता, अब भारत को लगातार समुद्र में मौजूद परमाणु प्रतिरोध की तरफ ले जा रही है। उन्होंने लिखा है कि इस क्षमता के हासिल होने के बाद अब भारत को किसी भी संकट की स्थिति में पहले से कहीं ज्यादा जोखिम लेने का आत्मविश्वास मिल सकता है।

मालवाहक जहाज या युद्धपोत

चीन की इस तस्वीर से टेंशन में दुनिया, सताने लगी सुरक्षा की चिंता

बीजिंग, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने अपने कार्गो शिप को युद्धपोत में परिवर्तित कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। यह डेवलपमेंट इतना बड़ा है कि सिर्फ अमेरिका और भारत ही नहीं, बल्कि रूस भी चौंक गया है। इससे पूरी दुनिया को सुरक्षा को लेकर नई टेंशन सताने लगी है। युद्धपोत में परिवर्तित चीनी कार्गो शिप की कई सैन्य उपकरणों और हथियारों से लैस है। चीन की मीडियम साइज की कार्गो शिप कंटेनर वाले वर्टिकल लॉन्चर, सेंसर और सेल्फ डिफेंस सिस्टम से लैस है। इससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि चीन अपने विशाल कमर्शियल बेड़े के जहाजों को न

सिर्फ हमलावर युद्धपोतों, बल्कि हथियारों के जखीरे वाले जहाजों में भी बदल सकता है।

टीडब्ल्यूजड की रिपोर्ट में लीक हुई तस्वीर के आधार पर बताया गया है कि जहाज के डेक पर माल ढोने वाले कंटेनर लदे हुए हैं। इनका इस्तेमाल हथियार रखने और उन्हें लॉन्च करने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही कई कंटेनरों में सेंसर समेत दूसरे सैन्य उपकरण लगे हुए हैं। जहाज के लेआउट को एक तरह के इम्प्रोवाइज्ड सुपरस्ट्रक्चर के रूप में डिजाइन किया गया है, ताकि कार्गो शिप को युद्धपोत में बदला जा सके। इसमें तीन कंटेनरों के ऊपर ब्रिज के आगे एक बड़ा घूमने वाला फेज्ड-एरे रडार लगाया हुआ है। इसके साथ की डेक के उस पार दो कंटेनरों में लगा गोलाकार डोम वाला रडार या कम्युनिकेशन सिस्टम भी दिख रहा है। इस कार्गो जहाज के अगले हिस्से के पास दो कंटेनरों के ऊपर काफी ऊंचाई पर एक टाइप 1130 30mm क्लोज-इन-वेपन सिस्टम (सीआईडब्ल्यूएस) लगा हुआ है।

‘जादू अब नहीं चलने वाला, जो बोया है वही काटना पड़ेगा’

सीएम भजनलाल शर्मा का अशोक गहलोत पर तंज

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरावली पर्वत श्रृंखला को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयानों पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अरावली क्षेत्र में जमकर दोहन हुआ और भाटा तथा रेता तक नहीं छोड़ा गया।

मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि साल 2002-03 और 2009-10 में अरावली की परिभाषा किसने बदली और इस क्षेत्र में कितने खनन पट्टे जारी किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता आज केवल झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं।

'सरकार छेड़छाड़ नहीं होने देगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने साफ कहा कि वर्तमान सरकार अरावली के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को अफवाह फैलाने के अलावा कुछ नहीं आता।

जब केंद्र सरकार नागरिकता संशोधन अधिनियम लेकर आई, तब कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया और लोगों को गुमराह किया। लेकिन हमारी सरकार ने इसे लागू कर दिखाया। विस्थापितों को पट्टे भी दिए गए हैं, जो कांग्रेस के आरोपों की सच्चाई उजागर करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता बार-बार यह कहकर डर फैलाते हैं कि संविधान बदल दिया जाएगा। वे एसआईआर जैसे मुद्दों पर भी सवाल उठाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस घुसपैठियों के समर्थन में खड़ी है। भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कहा कि उनकी सरकार एक भी घुसपैठिए को प्रदेश में रहने नहीं देगी और कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर सीधा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अब “ट्विट मास्टर” बन गए हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत का जादू अब नहीं चलने वाला है। जो बोया है, वही काटना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के “न खाऊंगा और न खाने दूंगा” के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि अगर किसी ने भ्रष्टाचार किया है तो उससे वसूली भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार पारदर्शिता, पर्यावरण संरक्षण और कानून के राज के लिए प्रतिबद्ध है और अरावली की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

डाक बंगले का मीटिंग हॉल बंद मिलने पर भड़के कांग्रेसी

अरावली बचाओ प्रदर्शन में हंगामा

दौसा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले में कांग्रेस द्वारा आयोजित अरावली बचाओ आंदोलन के तहत निकाले गए विरोध प्रदर्शन के दौरान उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब डाक बंगले का मीटिंग हॉल बंद मिला। हॉल का ताला बंद देख कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और गेट का ताला तोड़ने का प्रयास करने लगे।

हालांकि, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ की समझाइश और सांसद मुरारीलाल मीणा के हस्तक्षेप से स्थिति को संभाल लिया गया और मामला शांत हो गया। वहीं, विधायक डीसी बैरवा ने इस पूरे घटनाक्रम पर आपत्ति जताते हुए प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है।दरअसल, कांग्रेस द्वारा अरावली बचाओ आंदोलन के तहत नेहरू गार्डन से गांधी तिराहे तक पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन में सांसद मुरारीलाल मीणा, विधायक दीनदयाल बैरवा, पूर्व मंत्री परसादी लाल मीणा, पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुड़ला, जी.आर. खटाना सहित कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ और बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

गांधी तिराहे पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद सभी कांग्रेसी डाक बंगले पहुंचे, जहां मीटिंग हॉल का ताला बंद मिला। इसके बाद सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री सहित सभी नेता और कार्यकर्ता डाक बंगले के लॉन में बैठ गए। इस दौरान बैठने के लिए कुर्सियों तक की व्यवस्था नहीं थी, जिससे नेताओं को सीमेंट की बेंचों पर बैठना पड़ा।

गेट का ताला तोड़ने का प्रयास किया

सांसद मुरारीलाल मीणा ने अधिकारियों को फोन कर कुर्सियों की व्यवस्था कराने को कहा, लेकिन इसके बावजूद कोई व्यवस्था नहीं की गई। इससे युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता नाराज हो गए और उन्होंने मीटिंग हॉल के गेट का ताला तोड़ने का प्रयास किया। कुछ कार्यकर्ताओं ने ताले पर ठोकरें मारी, जबकि एक कार्यकर्ता पत्थर लेकर भी पहुंच गया।

स्थिति बिगड़ती देख कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ ने मौके पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं को समझाया, वहीं सांसद ने भी युवाओं को संयम बरतने की अपील की, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

इस संबंध में विधायक डीसी बैरवा ने कहा कि डाक बंगले के मीटिंग हॉल में बैठक को लेकर पूर्व में ही प्रशासन को सूचना दी गई थी, इसके बावजूद हॉल का ताला नहीं खोला गया। उन्होंने कहा कि यह भवन तत्कालीन कांग्रेस विधायक मुरारीलाल मीणा द्वारा विधायक निधि से करीब 40 लाख रुपए की लागत से निर्मित कराया गया था। इसके बावजूद बैठक की अनुमति न देना गलत है। इस मामले को लेकर जिला कलेक्टर से बात की जाएगी।

नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले बड़ा फैसला

97 सरकारी स्कूल नजदीकी विद्यालयों में मर्ज

बीकानेर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार और शिक्षा विभाग के तमाम प्रयासों के बावजूद कई सरकारी स्कूलों में बच्चों की चहलकदमी नहीं हो सकी। नामांकन बढ़ाने की योजनाएं भी असर नहीं दिखा पाईं। आखिरकार शिक्षा विभाग को कठोर लेकिन व्यावहारिक निर्णय लेना पड़ा। राजस्थान में शून्य नामांकन वाले 97 सरकारी स्कूलों को नजदीकी विद्यालयों में मर्ज कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग द्वारा जारी पहली सूची में 88 प्राथमिक विद्यालय और 9 उच्च प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं, जहां एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं था। इसके बावजूद ये स्कूल संचालित थे और शिक्षक नियमित रूप से वेतन प्राप्त कर रहे थे।

शिक्षकों का होगा समायोजन

मर्ज किए गए स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को आवश्यकता के अनुसार अन्य विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारियों (प्रारंभिक) को निर्देश दिए गए हैं कि स्टाङ्क्षफग पैटर्न तय होने तक अधिशेष शिक्षकों को संबंधित पीईईओ क्षेत्र के अन्य राजकीय विद्यालयों में कार्य-व्यवस्थार्थ लगाया जाए, ताकि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो।

प्रशासनिक अस्तित्व समाप्त

मर्ज किए गए स्कूलों का अब अलग से कोई प्रशासनिक अस्तित्व नहीं रहेगा। इन स्कूलों की भूमि, भवन, खेल मैदान, फर्नीचर, शैक्षिक उपकरण एवं उपयोगी-अनुपयोगी सामग्री स्वतः ही संबंधित मर्ज विद्यालय को हस्तांतरित मानी जाएगी। विभाग का मानना है कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और शिक्षा व्यवस्था अधिक व्यावहारिक व प्रभावी बन सकेगी।

हाड़ौती के चार स्कूल हुए मर्ज

शून्य नामांकन होने पर हाड़ौती के चार स्कूल मर्ज किए गए हैं। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी मर्ज स्कूलों की सूची के अनुसार, कोटा जिले के खातौली में फरेरा, बारां जिले के छीपाबड़ौद का खेड़ली, झालावाड़ जिले के गागरोन के पास मशालपुरा व खानपुर ब्लॉक का जटली गांव के प्राथमिक स्कूल को राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में मर्ज किया गया है।

धमाके से सहमा ओसियां, तेज गर्जना से घबराए लोग, रहा दहशत का माहौल

जोधपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। कस्बे और आसपास के गांवों में अचानक तेज धमाके जैसी आवाज गूंजी। पलभर में खिड़कियां, दरवाजे और टिन की छतें खड़खड़ाने लगीं। तेज कंपन और गर्जना से लोग सहम गए और कई घरों से लोग बाहर निकल आए। कुछ देर के लिए कस्बे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

शुरुआत में लोगों को भूकंप या किसी बड़े विस्फोट की आशंका हुई। बाद में प्रशासनिक सूत्रों ने स्पष्ट किया कि यह आवाज वायुसेना के लड़ाकू विमान द्वारा सुपरसोनिक गति पार करने से उत्पन्न सोनिक बूम की थी।

अफवाहों से बढ़ी घबराहट

धमाके के बाद सोशल मीडिया और फोन कॉल के जरिए भूकंप, विस्फोट और फाइटर जेट क्रैश जैसी अफवाहें फैलने लगीं, जिससे लोगों में दहशत बढ़ गई। हालांकि कुछ समय बाद स्थिति सामान्य हो गई। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की।

क्या होता है सोनिक बूम

जब कोई विमान ध्वनि की गति से अधिक वेग से उड़ान भरता है, तो उससे उत्पन्न दबाव तरंगें जमीन पर तेज धमाके जैसी आवाज के रूप में सुनाई देती हैं। इसे ही सोनिक बूम कहा जाता है। घटना में किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक हुई इस आवाज से ओसियांवासी कुछ समय के लिए भयभीत हो गए।

कहना है की ऐसा लगा जैसे बहुत नजदीक कहीं ब्लास्ट हुआ हो। दुकान के शीशे हिल गए और ग्राहक डरकर बाहर निकल आए। घर के दरवाजे अचानक जोर से हिलने लगे। बच्चे डरकर रोने लगे, समझ नहीं आया कि क्या हो गया। जिंदगी में पहली बार इतनी तेज आवाज सुनी। कुछ पल के लिए लगा जैसे जमीन हिल गई हो।

घटिया निर्माण पर एक्शन मोड में आए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, दी चेतावनी

कोटा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को बुलाकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराए जाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों में विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान जल संसाधन विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों में अनियमितताएं सामने आईं थीं। इसके बाद मंत्री नागर ने कोटा स्थित कार्यालय पर बैठक कर निर्माण कार्यों एवं जांच रिपोर्ट की विस्तार से समीक्षा की।

जल संसाधन विभाग के एसई सुनील गुप्ता तथा एक्सईएन आलनिया अवधेश मीणा के साथ विभागीय अभियंता मौजूद रहे। मंत्री नागर ने कहा कि घटिया निर्माण की जांच पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ हो। दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा से जुड़े निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। भजनलाल सरकार के लिए जनहित सर्वोपरि है। विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री नागर ने कहा कि तालाबों का सौंदर्यीकरण और सुदृढ़ीकरण हमारी प्राथमिकताओं में है। इससे भूजल स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी। अधिकारी तालाबों के निर्माण कार्य की पूरी मॉनिटरिंग करें। निर्माण सामग्री गुणवत्तापूर्ण प्रयोग में लाई जाए।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सड़क पर गिरे बाइक चालक को देखकर अपना काफिला रोक दिया। उन्होंने घायल युवक को सुरक्षा कर्मियों के साथ दूसरे वाहन से अस्पताल पहुंचाया।

शिक्षा मंत्री दिलावर सरकार की 2 वर्ष के विकास कार्यों का प्रचार रथ लेकर बंधा-धर्मपुरा से गणेश नगर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक सड़क पर एक बाइक चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर पड़ा। इस पर मंत्री दिलावर ने वाहन चालक को गिरता देख तत्काल अपना काफिला रोका और उतरकर घायल बाइक चालक को संभाला। मंत्री के निर्देश पर दिलावर के सुरक्षा कर्मियों ने घायल बाइक चालक को दूसरे वाहन से अस्पताल पहुंचाया।

भीषण सड़क हादसा, ट्रेलर-कार टक्कर में पांच लोगों की मौत

तीन गंभीर घायल

चूरू, 27 दिसंबर (ए जें सि यां)। राजस्थान के चूरू जिले में दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। सांडवा थाना क्षेत्र में ट्रेलर और एक एसयूवी की आमने-सामने टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, हादसा इतना भीषण था कि एसयूवी में सवार चार लोगों की मौके पर ही जान चली गई।

सांडवा थाना प्रभारी चौथमल ने बताया कि एसयूवी में सवार लोग किसी पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए सांडवा आए थे। काउंसलिंग के बाद सभी लोग वापस लालगढ़ लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। टक्कर के बाद वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

तीन घायलों को बीकानेर रेफर

मृतकों की पहचान उमेद सिंह (55), प्रह्लाद सिंह (35), दलिप सिंह (25) सभी निवासी लालगढ़, राजू कंवर (40) निवासी श्यामसर (नागौर) और नारायण राम (60) के रूप में हुई है। नारायण राम ने इलाज के दौरान बीकानेर के अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हादसे में घायल तीन लोगों को पहले सांडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बीकानेर रेफर कर दिया गया।

मामले की जांच जारी

पुलिस ने बताया कि ट्रेलर चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। फिलहाल मृतकों के शवों को सांडवा सीएचसी के शवगृह में पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रतापगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महाराष्ट्र से 53 बंधक आदिवासी मजदूर छुड़ाए, दलालों पर मामला दर्ज

प्रतापगढ़, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले की पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने महाराष्ट्र के शोलापुर जिले में गन्ने के खेतों में बंधक बनाकर रखे गए 53 आदिवासी मजदूरों को बचाया है। बंधक में 13 महिलाएं और 40 पुरुष शामिल हैं।

बता दें कि ये मजदूर प्रतापगढ़ के घंटाली, पिपलखूंट और पारसोला इलाकों के गांवों से हैं। अक्टूबर महीने में दलालों ने उन्हें अच्छी नौकरी का लालच दिया। रोज 500 रुपए मजदूरी, मुफ्त खाना और रहने की जगह का वादा करके उन्हें पहले इंदौर और फिर महाराष्ट्र ले जाया गया। बंधक मजदूरों का दलाल महाराष्ट्र का सीताराम पाटिल है। राजस्थान के अलवर का एक व्यक्ति खान और एक स्थानीय एजेंट शामिल है। इन लोगों ने जमींदारों से मजदूरी के नाम पर लाखों रुपए एडवांस लिए, लेकिन मजदूरों को कुछ नहीं दिया।

महाराष्ट्र पहुंचकर मजदूरों को अलग-अलग जमींदारों के खेतों में भेज दिया गया। वहां उन्हें जबरन काम करवाया गया। मजदूरी मांगने पर पिटाई की गई, उन्हें घरों या बाड़ों में बंद रखा गया। महिलाओं के साथ भी बुरा व्यवहार किया गया। पूरे दो महीने तक उन्हें एक पैसा नहीं मिला। कुछ मजदूर तो भाग निकले, लेकिन 53 लोग फंस गए।

मजदूरों ने फोन करके अपने परिवार को अपनी हालत बताई। परिवार वालों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने तुरंत कार्रवाई की। सब-इंस्पेक्टर सोहनलाल की अगुवाई में एक टीम परिवार वालों के साथ महाराष्ट्र भेजी गई। वहां की पुलिस की मदद से सभी 53 मजदूरों को अलग-अलग जगहों से आजाद कराया गया।

बचाए गए मजदूरों के पास खाने-पीने या घर लौटने के पैसे नहीं थे। पुलिस ने स्थानीय लोगों और जन प्रतिनिधियों की मदद से बस और खाने का इंतजाम किया। सभी को सुरक्षित प्रतापगढ़ वापस लाया गया। पुलिस ने दलालों और जमींदारों के खिलाफ मानव तस्करी और बंधक बनाने के मामले में मुकदमा दर्ज किया है। जांच जारी है और दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

युवक के पेट से निकले 9 टूथब्रश और औजार

पेट दर्द होने पर आया था जयपुर के हॉस्पिटल; जांच की तो डॉक्टर भी चौंक गए

जयपुर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक युवक के पेट का ऑपरेशन कर 9 लोहे के पाने और टूथब्रश निकाले गए हैं। ये ऑपरेशन एक प्राइवेट हॉस्पिटल में किया गया। मरीज 26 दिसंबर को पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंचा था। जांच की गई तो पेट में पाने-ब्रश देखकर डॉक्टर भी चौंक गए। 26 दिसंबर को ही ऑपरेशन किया गया।

हॉस्पिटल के सीनियर गैस्ट्रो सर्जन डॉ. तन्मय पारीक ने बताया- भीलवाड़ा से आए 26 साल के युवक के पेट में तेज दर्द था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसकी सोनोग्राफी की जांच की गई। इस दौरान हम हैरान हो गए। मरीज के पेट में बड़ी मात्रा में टूथब्रश और पाने की शेप की वस्तुएं नजर आई।

डॉ. पारीक ने बताया- एंडोस्कोपी से इन्हें निकालना संभव नहीं था, ऐसे में ओपन ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान मरीज के पेट से 2 लोहे के पाने और 7 टूथब्रश निकाले गए। ये सर्जरी 2 घंटे से ज्यादा समय तक चली। इस सर्जरी में एनेस्थेटिस्ट डॉ. आलोक वर्मा के अलावा अन्य स्टाफ का भी सहयोग रहा।

डॉक्टर पारीक ने बताया- बातचीत में सामने आया कि युवक मानसिक रूप से थोड़ा डिस्टर्ब रहता है। इसी मानसिक समस्या के कारण उसने खाने योग्य न होने वाली वस्तुएं भी निगल ली।

जमीन विवाद में हैवानियत! बुजुर्ग महिला को कार से कुचला

खूनी संघर्ष से गांव दहशत में

जालोर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। जालोर जिले के चितलवाना थाना क्षेत्र के सेसावा गांव में प्लॉट कब्जाने को लेकर चल रहा विवाद गुरुवार देर रात खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। बदमाशों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला करते हुए 60 वर्षीय वृद्धा को गाड़ी से कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं इस घटना में वृद्धा की पुत्री और भतीजे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बन गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण धरने पर बैठ गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेसावा गांव में पंचायत की आबादी भूमि में स्थित एक भूखंड को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। सरकारी स्कूल के सामने स्थित इस प्लॉट पर वाली देवी पत्नी खर्थीयाराम विश्नोई और उनका परिवार वर्षों से काबिज था। पहले परिवार ने यहां झोंपड़ा और केबिन बनाकर रहना शुरू किया था। जमीन की कीमत बढ़ने के बाद हाल ही में परिवार ने प्लॉट के चारों ओर तारबंदी करवाई और वहीं रात्रि में सोने लगा। इसी बात को लेकर गांव के ही चूनाराम जाट और उसके परिवार से उनका विवाद चल रहा था।

बताया जा रहा है कि गुरुवार देर रात करीब 11 बजे चूनाराम जाट अपने तीन सगे भाइयों और अन्य बदमाशों के साथ करीब पांच गाड़ियों में सवार होकर मौके पर पहुंचा। आरोप है कि बदमाशों ने वहां सो रहे परिवार पर हमला कर दिया और तारबंदी व झोंपड़े को तोड़ना शुरू कर दिया। विरोध करने वालों पर गाड़ियां चढ़ाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान बदमाशों ने 60 वर्षीय वाली देवी के पेट के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। बीच-बचाव करने आई उनकी पुत्री भंवरी देवी और भतीज सदराम को भी गाड़ी से टक्कर मार दी गई, जिससे उनके सिर और रीढ़ में गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल वाली देवी को तत्काल धोरीमन्ना अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उन्हें सांचौर रेफर किया गया। हालांकि सांचौर के राजकीय अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद जब मृतका का पुत्र हरीश मौके की ओर जा रहा था, तब आरोपियों ने सेसावा रोड बस स्टैंड के पास उसकी गाड़ी को टक्कर मारकर उसे भी मारने का प्रयास किया, हालांकि इस घटना में उसे मामूली चोटें आईं।

हॉस्पिटल के बाहर डॉक्टरों ने चलाई लाठियां

कॉलेज फेस्ट में खाने को लेकर हुआ विवाद, मेडिकल के दौरान ट्रॉमा सेंटर के बाहर भिड़े

भीलवाड़ा, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के सरकारी मेडिकल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टरों ने हॉस्पिटल के बाहर जमकर लाठियां चलाई। खाने की लाइन में हुई धक्का-मुक्की और अभद्र भाषा को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान इंटर्न डॉक्टर नशे की हालत में थे, डॉक्टरों के दो गुटों में गाली-गलौज हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस इंटर्न डॉक्टरों को उठाकर मेडिकल कराने अस्पताल ले गई। ट्रॉमा सेंटर के बाहर दोनों गुट फिर से भिड़ गए। एक इंटर्न डॉक्टर लट्ठ ले आया और दूसरे को पीटने लगा। इस दौरान यहां मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। वीडियो में एक महिला उन्हें रोकने की कोशिश भी करती दिख रही है। पुलिस ने 3 इंटर्न डॉक्टर्स को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। हालांकि बाद में समझौता होने पर छोड़ दिया। मामला सुभाष नगर थाना क्षेत्र के राजमाता विजयाराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज में पिनाका मेडफेस्ट के दौरान का है।

बाजार में बड़ी चोरी, दो ज्वैलरी शॉप से लाखों के गहने और नकदी उड़ाई

अलवर, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर के नारायणपुर क्षेत्र के अजबपुरा बाजार में चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। बेखौफ बदमाशों ने दो नामचीन ज्वैलरी दुकानों को अपना निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस वारदात ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और स्थानीय व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अजबपुरा मुख्य बाजार स्थित 'देव ज्वैलर्स' और 'कृष्णा ज्वैलर्स' में चोरी की इस बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया। चोरों ने बड़ी चालाकी से दुकानों के ताले तोड़े और शटर उठाकर भीतर प्रवेश किया। घटना का खुलासा रात करीब एक बजे हुआ। दुकान मालिक शिवचरण जब सामान्य रूप से बाथरूम के लिए घर से बाहर निकले, तो उन्हें दुकान का शटर खुला देख अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने तुरंत शोर मचाया और दुकान मालिकों को फोन पर सूचना दी। सूचना मिलते ही दुकानदार चिंटू सोनी और मोहित सोनी मौके पर पहुंचे, जहाँ का नजारा देख उनके होश उड़ गए। दुकानों की तिजोरियां खाली पड़ी थीं और कीमती सामान गायब था।

चोरी की यह पूरी वारदात दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज की जांच करने पर सामने आया कि चोर एक पिकअप गाड़ी में सवार होकर आए थे। फुटेज में बदमाश बड़ी फुर्ती के साथ दुकानों में घुसते और जेवरात से भरे बैग पिकअप में लादकर फरार होते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अब इन फुटेज के आधार पर वाहन के नंबर और चोरों के हुलिए की पहचान करने में जुटी है।

सरकार कल्याण योजनाओं का दायरा बढ़ाने जा रही है : भट्टी विक्रमार्का

डिप्टी सीएम ने विद्युत सब-स्टेशन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि आने वाले दिनों में सरकार व्यापक स्तर पर जनता की जरूरतों को पूरा करेगी। शनिवार को पलेरु निर्वाचन क्षेत्र के आनंद नगर में 33/11 केवी सब-स्टेशन का उद्घाटन और एक अन्य सब-स्टेशन की नींव रखने के बाद, उन्होंने स्थानीय स्तर पर आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार सभी के लिए है और सभी संसाधन और धन जनता के लिए उपयोग किए जाएंगे, ना कि लूटने वालों या शासकों के लिए। उन्होंने कहा कि यही सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है। भट्टी ने कहा कि सभी सुविधाओं के साथ सरकार ने जनता में यह विश्वास पैदा किया है कि यह वास्तव में एक जन-सरकार है। नतीजतन, हाल ही में हुए सरपंच चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों में से 65 प्रतिशत से 70 प्रतिशत सरपंच चुने गए, जो राज्य के लोगों के कांग्रेस सरकार के प्रति विशाल समर्थन और आशीर्वाद को दर्शाता है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की आलोचना करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि पहले इंदिरम्मा मकानों का मज़ाक उड़ाया जाता था, जैसे अगर सिर्फ एक कमरा है तो दामाद कहां सोएगा या बकरियां कहां बांधी जाएंगी। भट्टी ने कहा कि केसीआर ने 10 साल शासन किया लेकिन एक भी डबल-बेडरूम हाउस नहीं

प्रदान कर सका। इसके विपरीत, उन्होंने कहा, जन-सरकार के सत्ता में आते ही 5 लाख रुपये मूल्य के इंदिरम्मा मकानों का निर्माण शुरू कर दिया गया। पहले चरण में, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3,500 मकान बनाए जा रहे हैं, यानी पूरे राज्य में 4.5 लाख मकान, जिन पर 22,500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा हाउसिंग बिल हर सप्ताह स्वीकृत किए जा रहे हैं। भट्टी ने कहा कि जब सोनिया गांधी ने अलग राज्य तेलंगाना की मंजूरी दी थी, तो यह उम्मीद की गई थी कि राज्य के संसाधनों का उपयोग उसकी जनता के लिए होगा, लेकिन पूर्व शासकों ने अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कीं। इसके बजाय, उन्होंने राज्य और जनता को बंधक बना दिया, 8.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जमा किया और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी कल्याण योजनाएं भी लागू नहीं कर सके। भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि पिछले चुनावों में कांग्रेस ने लोगों से अपील की थी कि नए राज्य में सार्थक कल्याण केवल कांग्रेस शासन के तहत ही संभव है। जनता ने सोच-विचार कर इंदिरम्मा राज्य को सत्ता में लाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन्होंने राज्य पर 10 साल शासन किया, उन्होंने वित्तीय प्रणाली को तोड़ दिया और प्रशासन को पटरी से उतार दिया। इसके बावजूद, जन-सरकार बिना किसी अवरोध के कल्याण योजनाओं को सुचारू रूप से लागू कर रही है और जनता की भलाई को प्राथमिकता दे रही है। भट्टी ने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है, जो किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ-साथ बोनस भी दे रहा है।

अंडर 19 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

इस खिलाड़ी को सौंपी गई कप्तानी, वैभव सूर्यवंशी भी टीम का हिस्सा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी अंडर 19 वर्ल्ड कप और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय अंडर 19 टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे को सौंपी है, जबकि उपकप्तान विहान मलहोत्रा को बनाया गया है। जबकि वैभव सूर्यवंशी भी टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा वैभव सूर्यवंशी को साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

अगले महीने खेला जाएगा वर्ल्ड कप :

यह विश्व कप जिम्बाब्वे और नामीबिया में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। पांच बार की चैंपियन भारत को ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, यूएसए और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपना पहला मैच 15 जनवरी को यूएसए के खिलाफ खेलेगी। यह टीम विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका में तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी। चोट के कारण आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा इस टीम में शामिल नहीं हो पाए हैं।

5 बार की चैंपियन है भारतीय टीम :

इस बार कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुपों में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर सिक्स चरण होगा, जिसमें से चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारत ने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में यह खिताब जीता है।

दक्षिण अफ्रीका में सूर्यवंशी करेंगे कप्तानी :

भारतीय टीम अपना अभियान 15 जनवरी को बुलावायो में यूएसए के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद 17 जनवरी को इसी मैदान पर बांग्लादेश से और फिर 24 जनवरी को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। अंडर-19 टीम का पिछला प्रदर्शन यूएई में एशिया कप में रहा, जहां वे फाइनल में पाकिस्तान से हार गए थे। विश्व कप से पहले, टीम दक्षिण अफ्रीका में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। वैभवी सूर्यवंशी टीम का नेतृत्व करेंगे। आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं।

आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत की यू19 टीम :

आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (वाइस कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन ए. पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत की टीम :

वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
(http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण),दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु टेंडरिंग की दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः01 एनआयटी नं.-टेंडर नं.05-2025-2026-बी-252-टीआरडी कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के विजयवाडा डिवीजन में मुस्ताबादा (एमबीडी) तथा रायनपाडू(आरवायपी) (शेष कार्य) के बीच आरओआर सहित प्रस्तावित बाय पास लाइन के साथ मौजूदा ओएचइ के परिवर्तनों सहित 25केवी, 50एचजेड, सिंगल फेज एसी ट्रैक्शन ओवरहेड इक्वीपमेंट की डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण तथा कमीशनींग के साथ 65 स्के.एमएम कैटेरनरी वायर एवं 107 स्के.एमएम एचडीजी कापर कान्टाकाट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशनों का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित लागत रु.1,91,06,294.00
पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,45,500.00 निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बंद करने की तिथि:09-01-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज व अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को, आईआरईपीएस में ई- पेमेंट गेटवे के माध्यम से नकद रुप में जमा करना चाहिए या इसे भारत के किसीभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से, एफए एण्ड सीएओ/सी/एससी के पक्ष में आहरित बैंक गारण्टी बांड के रुप में प्रस्तुत करना चाहिए या इसे निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनानुसार प्रस्तुत करना चाहिए। यह बैंक गारण्टी बांड जोकि एनेक्सर-VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बाण्ड, बोली वैधता अवधि से परे, 90 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए।

निविदाकार अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की अवधि से पहले पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्रों (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं.52/2025
दि.26-12-2025
भंडारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाओं को आनलाइन में प्रदर्शित किया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स को आनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा, एसडी उपरोक्त वेबसाइट पर दी गयी है। मैन्युएल ढंग से प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर भी विचार नही किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी या इंडिजेनस आफर्स, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को, आनलाइन सिस्टम www.ireps.gov.in पर उपलब्ध द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त कार्य विवरण
30251301	सायलेन्ट ब्लाक
61251064सी	डबल साइड ओपनेबुल डोर क्लोजर पीएल. नं.61190019
एलएच257181	बोगी फ्रेम कम्प्लीट
38245015	एडाप्टर (नैरो जा) क्लास ई6 x11
30251263	एफआरपी लोवुरे शट्टर
56255367	एसएमपीएस आधारित मिनि आईपीएस सिस्टम
एलएन 255276बी	एलएचबी अंडर फ्रेम हेतु हेड स्टाक
एलएन259001डी	आईसीएफ एसएस डस्टबिन
6025PT036	आरडीएसओ डीआरजी.नं. टी-8822 नुसार सभी फिटिंग्स सहित थिक वेब स्वीच एक्सपैंशन जायंट्स (टीडब्ल्यूएसइ)
38255018	एएआर से अनुमोदित कैट्रीज टेपर्ड रोलर बेयरिंग क्लासके
56255370	हाय एवेलिबिलिटी सिंगलसेक्शन डिजीटल एक्सलकाउंटर(एचएएसएसडीएसी)
56255369	रेल क्लाम्प (एमएसडीएसी) हेतु व्हील सेंसर आरएसआर 180

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां-

क्रम सं..01 दि.31-12-2025, क्रम सं.02 दि.08-01-2026, क्रम सं.03 & 04 दि.12-01-2026, क्रम सं.05 दि.13-01-2026, क्रम सं.09 & 12 दि.12-01-2026, क्रम सं.13 दि.19-01-2026, क्रम सं.06 & 08 दि.16-01-2026, क्रम सं.09 दि.20-01-2026,
क्रम सं.10 दि.21-01-2026, क्रम सं.11 दि.02-02-2026, क्रम सं.12 दि.03-02-2026

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख से अधिक मूल्य की निविदाएं भी हैं।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A2126

निविदा की नियम शर्तें/विस्तृत जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता दोगुनी करने की योजना

भारतीय रेलवे का अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों में तैयारी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने, भीड़भाड़ कम करने और राष्ट्रव्यापी संपर्क सुविधा में सुधार लाने के लिए किया जाएगा उन्होंने कहा कि यात्रा की मांग में लगातार हो रही तीव्र वृद्धि को देखते हुए, अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों की नई रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करना आवश्यक है। आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा। वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता को दोगुना करने के लिए निम्नलिखित कार्य शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, स्टेबलिंग लाइन, पिट लाइन और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं से सुसज्जित करना, शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनलों की पहचान और निर्माण करना, मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स सहित रखरखाव सुविधाएं, विभिन्न स्थानों पर रेल गाड़ियों की बढ़ती संख्या की व्यवस्था करने के लिए यातायात सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग उन्नयन और मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से अनुभागीय क्षमता में वृद्धि करना शामिल है। रेल मंत्री ने कहा कि टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय, टर्मिनलों के आसपास के स्टेशनों को भी ध्यान में रखा जाएगा ताकि क्षमता में संतुलन बना रहे। उदाहरण के लिए, पुणे के लिए, पुणे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म और स्टेबलिंग लाइनों को बढ़ाने के साथ-साथ हडपसर, खड़की और आलंदी स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने पर विचार किया गया है। उपरोक्त प्रक्रिया उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों प्रकार के यातायात के लिए की जाएगी, जिसमें दोनों खंडों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। 48 प्रमुख शहरों की एक व्यापक योजना विचाराधीन है, जिसमें हैदराबाद भी शामिल है। इस योजना में निर्धारित समय सीमा के भीतर रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियोजित, प्रस्तावित या पहले से स्वीकृत कार्यों को शामिल किया जाएगा। रेल मंत्री ने कहा कि क्षमता को वर्ष 2030 तक दोगुना करने की योजना है, लेकिन यह आशा है कि अगले 5 वर्षों में क्षमता में क्रमिक वृद्धि की जाएगी ताकि क्षमता वृद्धि के लाभ तुरंत प्राप्त किए जा सकें। इससे आने वाले वर्षों में यातायात की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने में सहायता मिलेगी। योजना में कार्यों को तीन श्रेणियों, अर्थात् तत्काल, अल्पकालिक और दीर्घकालिक में वर्गीकृत किया जाएगा। प्रस्तावित योजनाएं विशिष्ट होंगी, जिनमें स्पष्ट समयसीमा और परिभाषित परिणाम होंगे।

श्रद्धालुओं ने गुरु गोबिंद सिंह को अर्पित की भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, दसवें सिख गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक, के 359वें प्रकाश उत्सव को शनिवार को तेलंगाना के विभिन्न गुरुद्वारों में श्रद्धालुओं और अन्य धर्मों के लोगों ने उल्लास और भक्ति के साथ मनाया। मुख्य कार्यक्रम केंद्रीय गुरुद्वारा साहिब, गोलीगुड़ा में प्रबंधक समिति द्वारा आयोजित विशाल दीवान था, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष प्रार्थनाएं अर्पित की।

देशभर से आए विख्यात रागी जत्थों ने ग़ुरबाणी कीर्तन और कथाएं प्रस्तुत कीं, जिनमें गुरु जी के साहस, बलिदान, मानवाधिकार और सामाजिक समरसता के संदेशों को उजागर किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने श्रद्धालुओं से गुरु गोबिंद सिंह जी की सिखाई हुई धार्मिकता, समानता और करुणा के मार्ग पर चलने का आग्रह किया, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

उत्सव का समापन गुरु का लंगर लगाकर किया गया, जिसने समानता और भाईचारे की भावना को और भी मजबूती दी।

क्षेत्रीय आयुक्तों ने जमीनी स्तर पर विकास और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद शहर के प्रशासन में सरकार ने एक नया अध्याय शुरू किया है। सरकार ने पहले ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति कर दी है और अब 60 सर्किलों के लिए उपायुक्तों की नियुक्ति के आदेश जारी करके प्रशासन को जनता के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन अधिकारियों ने शनिवार को उपायुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इन विकास कार्यों से न केवल नागरिक सेवाओं तक पहुंच आसान और तेज होगी, बल्कि विकास में भी तेजी आएगी। हैदराबाद सरकार ने 20 नगरपालिकाओं और 7 नगर निगमों, कुल मिलाकर 27 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) का ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के तहत विलय करके हैदराबाद शहर के प्रशासन में एक नए चरण की शुरूआत की है। इस विलय के साथ, जीएचएमसी का क्षेत्रफल 650 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2,053 वर्ग किलोमीटर हो गया है। 1.34 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, जीएचएमसी क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों ही दृष्टि से देश का सबसे बड़ा नगर निगम बन गया है। शनिवार की सुबह, क्षेत्रीय आयुक्तों ने जमीनी स्तर पर दौरा किया और चल रहे विकास और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। चारमीनार जोनल कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी ने मुसारमबाग पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सिकंदराबाद जोनल कमिश्नर रवि किरण ने दोमलागुडा का दौरा किया और नवनिर्मित सर्किल कार्यालय भवन का निरीक्षण किया। मल्काजगिरी जोनल कमिश्नर संचित गंगवार ने स्वच्छता कार्य का निरीक्षण किया। उप्पल जोनल कमिश्नर राधिका गुप्ता ने उप्पल जंक्शन से वारंगल रोड पर स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया।

कुमावत प्रीमियर लीग-10 क्रिकेट प्रतियोगिता 29 से

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित विजय आनन्द क्रिकेट ग्राउंड में समस्त कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) के तत्वावधान में कुमावत प्रीमियर लीग-10 पाँच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता 29 दिसंबर से 2 जनवरी तक आयोजित की जाएगी।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक नाथुराम लारणा, रमेश अडाणीया, वासुदेव दुबलदिया, ओमकार दुबलदिया ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति कुमावत प्रीमियर लीग-10 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन भव्यरुप से किया जाएगा। प्रतियोगिता में 6 टीमें कुमावत चैम्पियन स्टार, कुमावत रॉयल चैलेन्जर, कुमावत यंगस्टर, कुमावत महादेव 11, उप्पल सुपर स्ट्राईकर, कुमावत किंग्स भाग ले रही है।

उद्घाटन मैच के मुख्य अतिथि प्रकाश आलोदिया, समापन्न फाईनल मैच के मुख्य अतिथि विधायक टी. राजासिंह एवं फाईनल मैच का टॉस दिनेश बाकरेचा द्वारा किया जाएगा। पधारे समाज बन्धुओं व खिलाड़ियों के लिए भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। 2 जनवरी समापन्न दिवस पर भामाशाहों एवं सम्मानित अतिथियों का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया जाएगा।

समाज बन्धुओं से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार समय पर पधारकर खिलाड़ियों का उत्साह बढाये। युट्युब पर सीधा प्रसारण आर.के.एम.डिजिटल स्टूडियों एवं लाईव स्टोरिंग क्रिकहीरोस पर किया जाएगा।

बालाजी नगर श्री आईमाताजी वडेर स्थित संत श्री गुलारामजी महाराज सेवा संघ भक्तों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जागरण व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए अध्यक्ष अचलाराम हाम्बड़, सचिव राजाराम चोयल, वडेर अध्यक्ष जयराम पँवार, सचिव हीरालाल सोयल, पदाधिकारी, समाज बन्धु व भक्तगण।

महाप्रबंधक ने लेवल क्रॉसिंग गेट का रात में आकस्मिक निरीक्षण किया

गेटमैन और पैट्रोलमैन को नकद पुरस्कार देने की घोषणा

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने 26 और 27 दिसंबर की रात घाटकेसर- बीबीनगर सेक्शन का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17 और 20 ई का निरीक्षण किया और नाइट पैट्रोल मैन के कार्यक्षेत्र का भी अवलोकन किया। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ डॉ. गोपाल कृष्णन, डिविजनल रेलवे मैनेजर, सिकंदराबाद डिवीजन और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। भारतीय रेलवे में गेटमेन का मुख्य कार्य ट्रेनों और सड़क यातायात के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करना होता है। यह गेट संचालित करते हैं, सिग्नल (लाल/हरा झंडा या लैंप) दिखाते हैं, स्टेशन मास्टर से संवाद करते हैं और ट्रैक को बाधाओं से सुरक्षित रखते हैं। उनका मुख्य कर्तव्य ट्रेनों और सड़क यातायात के समन्वय के माध्यम से दुर्घटनाओं को रोकना है, जिसके लिए सतत जागरूकता, ड्यूटी रोस्टर का पालन और सिग्नलिंग नियमों का ज्ञान आवश्यक होता है। रेलवे में नाइट पैट्रोलिंग में ट्रैकमैन रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ट्रैक पर पैदल

निरीक्षण करते हैं। वे टॉर्च और अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए ट्रैक में किसी भी प्रकार की खामियों जैसे दरारें, ध्वस्त हिस्से या तोड़-फोड़ का पता लगाते हैं। वे ट्रेन क्रू को सतर्क करते हैं और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय करते हैं, विशेषकर मानसून और सर्दियों के मौसम में। उनके कर्तव्यों में पुलों, सुरंगों और संवेदनशील बिंदुओं का निरीक्षण भी शामिल है। वे आवश्यक उपकरण (टॉर्च, झंडे, उपकरण) लेकर पैट्रोल चार्ट का पालन करते हुए लंबी दूरी पैदल चलकर लाइन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। महाप्रबंधक ने ट्रेनों की सुरक्षित संचालन में उनके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए सड़क मार्ग से निरीक्षण की शुरूआत की। सबसे पहले वह लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 17 पहुंचे और उसके बाद गेट नंबर 20 ई का निरीक्षण किया। दोनों गेट्स पर उन्होंने गेटमैन से बातचीत की और कार्य प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने गेट बूम, रिकॉर्ड और सुरक्षा उपकरणों की जांच की और पाया कि इन्हें ठीक से बनाए रखा गया है। महाप्रबंधक ने गेटमैन से सुरक्षा कार्य, ज्ञान और कार्य नियमों के बारे में भी चर्चा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाइट पैट्रोल मैन से उनके कर्तव्यों, कठिनाइयों और चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने पैट्रोलमैन द्वारा साथ रखे उपकरणों की जांच की और आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण पूर्ण होने पर महाप्रबंधक ने ड्यूटी में समर्पण और सतर्कता बनाए रखने के लिए गेटमैन और पैट्रोलमैन को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

बाबा गंगाराम सेवा समिति की बैठक संम्पन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्यों की बैठक 26 दिसंबर को श्रीनगर कॉलोनी स्थित विष्णु सराफ के निवास स्थान पर सम्पन हुई। बैठक में आगामी 25 जनवरी को आयोजित होने जा रहे बाबा गंगाराम जी के त्रिशक्ति महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की गयी तथा समिति के सभी सदस्यों को कार्य सौंपे गए।

बैठक महोत्सव के प्रचार हेतु बैनर का भी विमोचन किया गया तथा बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर के नववर्ष के कैलेंडर का भी विमोचन समिति के सभी सदस्यों द्वारा किया गया।

त्रिशक्ति महोत्सव सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में मनाया जायेगा जिस से कोलकाता के भजन गायक केशव मधुकर भजनो की प्रस्तुति देंगे, तथा इंडिया गॉट टैलेंट फेम एवं विश्वविख्यात सैंड आर्टिस्ट नितीश भारती बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित सैंड आर्ट का विशेष प्रस्तुति देंगे।

बैठक की अदक्षता अशोक केजरीवाल ने की तथा, केशव शर्मा, श्याम गोयनका, पवन डिडवानिया, संजय जालान, वरुण सराफ, संतोष टाटियां, विनोद अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, शरद संघवी, अमित मोदी, विशाल सराफ, निखिल सराफ, नीरज अग्रवाल, मनोज हिनानी, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, मधु जालान, वर्षा सराफ, प्रीती संघवी, पूर्णिमा सराफ, नेहा सराफ, शिल्पा गोयनका, अनुराधा शर्मा, तथा संगीता टाटियां मुख्य रूप से उपस्तिथ रहे।

ऑनलाइन गेमिंग से नुकसान के बाद युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस के अनुसार, सुराराम इलाके में एक 24 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर ऑनलाइन गेमिंग में हुए आर्थिक नुकसान के बाद अपने घर पर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी रविंदर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह ऑनलाइन गेमिंग का आदी था और लगातार पैसे हारने के कारण अवसाद में चला गया था। पुलिस ने बताया कि रविंदर ने आत्महत्या से पहले एक सेल्फी वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने कहा कि उसे जीवन में रुचि नहीं रही और अपने इस कदम के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

पूर्व तट रेलवे

(1) ई-निविदा सूचना सं. CAOCWATETCE C3VSKP2025019, दिनांक : 22.12.2025

कार्य का नाम : नौपाड़ा (NWP) एवं विजयनगरम (VZM) के बीच तीसरी लाइन का निर्माण : (पैकेज: 05)- पूर्व तट रेलवे में वाल्टियर मण्डल के सिगडाम (SGDM-KM: 785.00 को छोड़कर) से कि.मी. 819.60 (विजयनगरम स्टेशन सहित) के बीच तीसरी लाइन से संबंधित फॉर्मेशन में मिट्टी कार्य, ब्लैंकेटिंग, छोटे पुल (बड़े पुलों को छोड़कर दोनों तरफ 100 मीटर लंबाई के लिए प्रवेश मार्ग में निर्माण एवं अन्य संबंधित सुरक्षा कार्य सहित), समपार फाटक, सीमित ऊंचाइ वाले उपमार्ग, रोड अंडर ब्रिज, ड्रेन, सुरक्षा कार्य, फुट ओवर ब्रिज, सेवा भवन, प्लेटफॉर्म कार्य, यात्री सुविधाएं, ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति, P.WAY कार्य एवं अन्य संबंधित अनुषंगी कार्य आदि के साथ OHE एवं जनरल विद्युतीकरण कार्य और संकेत एवं दूरसंचार उपयोगिताओं का स्थानान्तरण कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 504,89,39,605.99, EMD : ₹ 1,00,00,000/-।

(2) ई-निविदा सूचना सं. CAOCWATETCE C3VSKP2025017, दिनांक : 22.12.2025

कार्य का नाम : नौपाड़ा (NWP) एवं विजयनगरम (VZM) के बीच तीसरी लाइन का निर्माण : (पैकेज: 03)- पूर्व तट रेलवे में वाल्टियर मण्डल के नौपाड़ा जंक्शन (NWP-KM: 702.20 को छोड़कर) से कि.मी. 740.00 (उरलाम स्टेशन सहित) के बीच तीसरी लाइन से संबंधित फॉर्मेशन में मिट्टी कार्य, ब्लैंकेटिंग, छोटे पुल (बड़े पुलों को छोड़कर दोनों तरफ 100 मीटर लंबाई के लिए प्रवेश मार्ग में निर्माण एवं अन्य संबंधित सुरक्षा कार्य सहित), समपार फाटक, सीमित ऊंचाइ वाले उपमार्ग, रोड अंडर ब्रिज, ड्रेन, सुरक्षा कार्य, फुट ओवर ब्रिज, सेवा भवन, प्लेटफॉर्म कार्य, यात्री सुविधाएं, ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति, P.WAY कार्य एवं अन्य संबंधित अनुषंगी कार्य आदि के साथ OHE एवं जनरल विद्युतीकरण कार्य और संकेत एवं दूरसंचार उपयोगिताओं का स्थानान्तरण कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 480,07,18,726.83, EMD : ₹ 1,00,00,000/-।

कार्य पुरा होने की अवधि : 30 (तीस) महीने (दोनो निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 28.01.2026 को 1200 बजे (दोनो निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण-III)/ विशाखापट्टनम

PR-199/CI/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल 2026 से पहले टीम इंडिया में वापसी के लिए तैयार श्रेयस अय्यर, नेट्स में जमकर बहाया पसीना

बेंगलुरु, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में श्रेयस अय्यर को बुरी तरह चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। अय्यर इसके बाद से क्रिकेट से पूरी तरह दूर हैं और बताया जा रहा था कि वो आईपीएल तक वापसी करेंगे। हालांकि, वो समय से पहले मैदान पर कमबैक की तैयारी कर रहे हैं।

श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में चोट लगी थी। फील्डिंग करते हुए उन्हें स्प्लीन इंजरी हुई थी और इसके बाद उन्हें सिडनी के अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। बताया जा रहा था कि आईपीएल से पहले अय्यर की वापसी बेहद मुश्किल है और अगर वो फिट नहीं हुए, तो शुरुआती कुछ मैच मिस कर सकते हैं। हालांकि, पंजाब किंग्स के कप्तान साहब अब आईपीएल से पहले टीम इंडिया की जर्सी में खेलने का लक्ष्य बना रहे हैं।

श्रेयस अय्यर वापसी के लिए कर रहे तैयारी

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज शुरू हो रही है और श्रेयस अय्यर इस श्रृंखला में वापसी करने का मन बना रहे हैं। इसी वजह से वो चोटिल होने के दो महीनों बाद ही नेट्स में वापसी कर चुके हैं। हाल ही में अय्यर BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का हिस्सा बने और उन्होंने नेट्स में खूब पसीना बहाया।

अय्यर अय्यर ने सीओई से अपनी कुछ फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट की थी। इसके अलावा पीबीकेएस ने सीसीआई में अय्यर के नेट्स में बैटिंग सेशन की वीडियो भी डाली थी। वो उम्मीद से पहले वापसी करने का प्लान बना रहे हैं। 11 जनवरी 2026 से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू हो रही है और अय्यर फिट होकर इस श्रृंखला का हिस्सा बनने की कोशिश कर रहे हैं।

क्या न्यूजीलैंड सीरीज से पहले होगी वापसी?

न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी 2026 से वनडे सीरीज शुरू हो रही है। इसके बाद टीम इंडिया सिर्फ टी20 खेलते हुए नजर आएगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के बाद टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप खेलेगी। दोनों के लिए अय्यर का सिलेक्शन नहीं हुआ है।

ऐसे में अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज तक अय्यर फिट नहीं हो पाते हैं, तो फिर सीधा आईपीएल 2026 में उनका जलवा देखने को मिल सकता है। अय्यर की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया में ऋतुराज गायकवाड़ ने नंबर 4 पोजीशन के लिए दावेदारी पेश कर दी है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में जोरदार शतक लगाया था। देखना होगा कि अय्यर की वापसी के बाद वो कहां खेलते हैं।

5 मैचों में ठोके लगातार 5 शतक और कर ली वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

सीएसके के एक्स खिलाड़ी ध्रुव शोरे ने मचाई तबाही

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का ग्रुप स्टेज मुकाबला विदर्भ और हैदराबाद के बीच खेला गया। इस मैच में विदर्भ ने हैदराबाद को 89 रन से हरा दिया। विदर्भ के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे ध्रुव शोरे ने कमाल बल्लेबाजी की। उन्होंने 77 गेंदों का सामना कर 6 छक्के और 9 चौके की मदद से 109 रन बनाए। शोरे ने अपनी इस पारी के बूते एक वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

ध्रुव शोरे ने की वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

दरअसल, हैदराबाद के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में ध्रुव शोरे का यह लगातार पांचवें लिस्ट ए मैच में पांचवां शतक था। इसी के साथ वह लिस्ट ए क्रिकेट में संयुक्त रूप से लगातार सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने तमिलनाडु के एन जगदीशन के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। एन जगदीशन यह कारनामा करने वाले पहले बल्लेबाज थे। बता दें कि ध्रुव शोरे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का भी हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2 मैच चेन्नई के लिए खेले थे।

जगदीशन ने 2022-23 की विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान लगातार पांच शतक लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया था। इसमें अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उनकी 277 रनों की पारी भी शामिल है, जो लिस्ट-ए क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर है। उनके अलावा करुण2 नायर, देवदत्त पडिक्कल, कुमार संगकारा और अल्वीरो पीटरसन ने लगातार चार शतक लगाने का कमाल किया है। इनमें से कुमार संगकारा इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यह कारनामा इंटरनेशनल क्रिकेट में किया है।

कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

हैदराबाद के कप्तान ने विदर्भ के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऐसे में विदर्भ ने पहले बैटिंग करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 365 रन बना डाले। हैदराबाद इसके जवाब में 49।2 ओवर में 276 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और 89 रन से मैच हार गई। ध्रुव शोरे को अपनी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला।

विराट कोहली को आउट करने वाले गेंदबाज को मिला खास तोहफा

बेंगलुरु, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में दिल्ली और गुजरात के बीच हुए मुकाबले में एक युवा स्पिनर ने वो सपना पूरा किया, जिसके बारे में हर घरेलू क्रिकेटर सोचता है। गुजरात के बाएं हाथ के स्पिनर विशाल जायसवाल ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आउट किया। 27 साल के गुजरात के ऑलराउंडर विशाल की एक जादुई गेंद के चलते ही विराट कोहली विजय हजारे ट्रॉफी में लगातार दूसरा शतक जड़ने से चूक गए। विशाल जायसवाल ने मैच के बाद विराट से मुलाकात की, जिसकी फोटो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की।

विशाल जायसवाल का मिला खास तोहफा

टूर्नामेंट में दिल्ली के लिए अपनी दूसरी पारी खेल रहे विराट कोहली शानदार लय में नजर आ रहे थे। उन्होंने 61 गेंदों पर 77 रनों की पारी खेली, जिसमें लग रहा था कि वह लगातार दूसरा शतक बनाने की राह पर हैं। लेकिन तभी जायसवाल की एक शानदार गेंद ने सब बदल दिया। कोहली क्रीज से बाहर निकलकर स्पिनर पर हमला करना चाहते थे, लेकिन गेंद की उड़ान और टर्न ने उन्हें पूरी तरह मात दे दी। बल्ला हवा में लहराया और विकेटकीपर ने आसानी से स्टंपिंग कर दी।

विकेट लेते ही जायसवाल की खुशी देखते ही बन रही थी। लेकिन उनका उत्साह यहीं नहीं रुका। मैच खत्म होने के बाद उन्होंने कोहली से मिलकर मैच बॉल पर ऑटोग्राफ लिया और साथ में फोटो भी खिंचवाई। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए जायसवाल ने लिखा, 'उन्हें वर्ल्ड क्रिकेट में अपना दबदबा बनाते देखने से लेकर उनके साथ एक ही मैदान पर खेलने और उनका विकेट लेने तक, यह एक ऐसा पल है जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि यह हकीकत में बदल जाएगा। विराट भाई का विकेट लेना एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। इस मौके पर, इस सफर और इस खूबसूरत खेल ने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।'

विशाल जायसवाल ने झटके कुल 4 विकेट

विशाल जायसवाल के लिए ये मैच काफी अच्छा रहा। दस ओवर में उन्होंने 42 रन देकर चार विकेट झटके। कोहली के अलावा उन्होंने ऋषभ पंत को क्लीन बोल्ड किया और अर्पित राणा-नितीश राणा को भी पवेलियन भेजा। उनकी धारदार गेंदबाजी की बदौलत दिल्ली की टीम 50 ओवर में 254/9 तक ही पहुंच सकी। हालांकि, विशाल जायसवाल की टीम इस मैच में जीत हासिल नहीं कर सकी। उनकी टीम 47।4 ओवर में 247 रन पर ऑलआउट हो गई और मैच सात रनों से हार गई।

सूरज शर्मा ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में बनाया दबदबा

सीनियर-जूनियर दोनों में बने विजेता

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा के सीनियर और जूनियर दोनों पुरुष वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। सूरज ने सीनियर फाइनल में अपने पहले 20 में से 19 को सटीक निशाने लगाते हुए शानदार शुरुआत की। उन्होंने 31 निशाने लगाकर प्रतियोगिता का समापन किया। सूरज ने पंजाब के मौजूदा चैंपियन विजयवीर सिद्धू (28) को तीन अंकों से पछाड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 निशानों के साथ कांस्य पदक जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालीफाइंग चरण में अंकुर गोयल ने 582-20एक्स के मजबूत स्कोर के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उनके ठीक पीछे विजयवीर थे जिन्होंने 580-18एक्स का स्कोर किया जबकि आदर्श सिंह 579-22एक्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सूरज 579-12एक्स के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई करने में सफल रहे।

इससे पहले आरएफपी जूनियर पुरुष फाइनल में सूरज ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 निशाने के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश ने 25 निशाने के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के जतिन को शूटऑफ के बाद 22 निशाने के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सीनियर टीम वर्ग में विजयवीर, उदयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू के नेतृत्व में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा ने आदर्श सिंह, मनदीप सिंह और समीर के संयुक्त प्रयासों से 1722 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि नौसेना ने प्रदीप सिंह शेखावत, रजत कुमार यादव और ओंकार सिंह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 1711 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

खिलाड़ियों पर जमकर पैसे लुटा रही बीसीसीआई

लेकिन अंपायर्स का क्या? इतने सालों से नहीं बढ़ी सैलरी

मुंबई, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने हाल के सालों में इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट में खिलाड़ियों की सैलरी में काफी बढ़ोतरी की है, लेकिन यही हाइक मैच ऑफिशियल्स तक नहीं पहुंची है। हाल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खेल की बढ़ती हुई मांगों और प्रोफेशनलिज्म के बावजूद, ये बोर्ड ने अंपायर्स की सैलरी पिछले 7 सालों से नहीं बढ़ाई है।ऐक्टिववियर

अंपायर्स की 4 कैटेगरीज

फिलहाल, बीसीसीआई 186 अंपायरों के एक पूल के साथ काम करता है, जिन्हें चार कैटेगरी ए+, ए, बी और सी में बांटा गया है, जो सेंट्रली कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ग्रेडिंग स्ट्रक्चर जैसा ही है। इस बंटवारे में ए+ कैटेगरी में 9 अंपायर, ए में 20, बी में 58 और सबसे बड़ा ग्रुप, 99, सी कैटेगरी में शामिल हैं।

कितनी है मैच फीस?

मैच फीस के मामले में, टॉप 2 कैटेगरी, ए+ और ए के अंपायर्स को मैचों के लिए हर दिन 40,000 रुपये की पेमेंट की जाती है। कैटेगरी बी और सी में रखे गए लोगों को हर दिन 30,000 रुपये मिलते हैं। ये मैच फीस 7 सालों से एक जैसी बनी हुई है, जबकि भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की सैलरी और टोटल रेवेन्यू में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

सैलरी न बढ़ने को लेकर चिंता

रिपोर्ट में बीसीसीआई की अंपायर कमेटी के बीच बढ़ती चिंताओं पर भी फोकस किया गया है, जिसने मौजूदा सैलरी स्ट्रक्चर में बदलाव का प्रपोजल दिया है। कमेटी ने मौजूदा 4-टियर सिस्टम को सिर्फ 2 कैटेगरी में आसान बनाने और कैटेगरी की परवाह किए बिना सभी अंपायरों के लिए 40,000 रुपये की एक यूनिफॉर्म डेली मैच फीस शुरू करने की सिफारिश की है।

क्या अब आएगा बदलाव?

ये प्रपोजल पहले ही बीसीसीआई एपेक्स काउंसिल के सामने रखा जा चुका है। हालांकि, तुरंत फैसला लेने के बजाय, बोर्ड ने इस मामले को टालने और सिफारिश को डिटेल से स्टडी करने के लिए एक अलग कमेटी बनाने का फैसला किया है। इस नई कमेटी की फाइंडिंग्स अगली एपेक्स काउंसिल की बैठक में पेश किए जाने की उम्मीद है, जिससे अंपायर की मैच फीस का मुद्दा रिव्यू के तहत रहेगा।

टी20 मैच में बने 400 से ज्यादा रन, रयान रिकल्टन ने ठोका तूफानी शतक, फिर भी टीम को मिली हार

केप टाउन, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर एसए20 लीग के चौथे सीजन की शानदार शुरुआत हुई। पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन का सामना डरबन सुपर जायंट्स की टीम से हुआ, जहां डरबन की टीम ने एक रोमांचक जीत अपने नाम की। इस मैच में फैंस को खूब चौके-छक्के देखने को मिल और दोनों टीमों ने मिलकर मुकाबले में 449 रन बने, जो एसए20 के किसी भी मैच में बनाए गए रनों का दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। इस दौरान सीजन का पहला शतक एमआई केप टाउन के ओपनर रायन रिकल्टन के बल्ले से देखने को मिला, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

डरबन सुपर जायंट्स ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 232 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। डरबन की पारी की नींव डेवन कॉनवे और केन विलियमसन की 96 रनों की सलामी साझेदारी ने रखी। कॉनवे ने 64 रन बनाए और विलियमसन ने 40 रन रनों का योगदान दिया। इसके बाद ऐडन मार्करम ने 35 रनों की तेज तर्रार पारी खेली, जिससे टीम का स्कोर तेजी से बढ़ा। हेनरिक क्लासेन, इवान जोन्स और डेविड वीसे ने भी छोटी लेकिन विस्फोटक पारियां खेलीं। दूसरी ओर एमआई केप टाउन की ओर से जॉर्ज लिंडे ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए।

जवाब में डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जल्दी विकेट गिरने से दबाव बढ़ा। रीजा हेंड्रिक्स 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रासी वैन डर डुसेन सिर्फ 2 रन ही बना सके। वहीं, निकोलस पूरन भी 15 रन पर पवेलियन लौट गए। लेकिन रायन रिकल्टन ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने सिर्फ 63 गेंदों में 113 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 11 छक्के शामिल रहे। यह SA20 में किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के हैं। रिकल्टन ने जेसन स्मिथ के साथ 76 रनों की अहम साझेदारी भी की, जिसमें स्मिथ ने 14 गेंदों पर 41 रन ठोके।

हालांकि, आखिरी ओवरों में दबाव बढ़ा। आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 15 रन बने और तीन विकेट गिरे। जिसके चलते एमआई केप टाउन की टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 217 रन ही बना सकी और 15 रनों से हार गई। डरबन के युवा गेंदबाज इथन बॉश ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख मोड़ा और क्वेना मफाका ने भी आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की। जिसके चलते पिछले सीजन में पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे रहने वाली डरबन सुपर जायंट्स टीम ने इस बार जीत के साथ आगाज किया।

ऑस्ट्रेलिया में 18 मैच बाद इंग्लैंड की जीत: एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में 4 विकेट से हराया, कंगारू टीम सीरीज में 3-1 से आगे

मेलबोर्न, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में 18 टेस्ट मैचों से चला आ रहा जीत का इंतजार खत्म किया। इससे पहले इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में आखिरी टेस्ट जीत 2011 में सिडनी में मिली थी। इसके बाद खेले गए 18 टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 16 मैच जीते, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे। इंग्लैंड का यह बिना जीत का दौर 2013-14 की एशेज सीरीज में 5-0 से हार के बाद शुरू हुआ था। मैच के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का टारगेट दिया था, जिसे इंग्लिश टीम ने 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस मैच में ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 132 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 152 रन पर सिमट गई थी, जबकि इंग्लैंड पहली पारी में 110 रन ही बना सका था।

इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 42 रन की बढ़त मिली थी, लेकिन दूसरी पारी में इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मैच में कुल 7 विकेट लेने वाले इंग्लिश पेसर जोश टंग को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 175 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड को दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत मिली। टीम को पहला झटका 51 रन पर लगा। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट को क्लीन बोल्ड किया। वे 26 गेंद पर 34 रन बनाए। ब्राइडन छह रन बनाकर जे रिचर्डसन का शिकार बने। इसके बाद जैक क्रॉली ने जैकब बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी निभाई और इंग्लैंड की स्थिति मजबूत की। क्रॉली 48 गेंद में 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रूट और बेथेल के बीच 25 रन की साझेदारी हुई। बेथेल 40 रन बनाकर आउट हुए। रूट 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, कप्तान बेन स्टोक्स दो रन बना सके। हैरी ब्रूक 18 रन और जेमी स्मिथ तीन रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टार्क, रिचर्डसन और बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले, दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। कप्तान स्टीव स्मिथ 24 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कैमरन ग्रीन ने 19 रन जोड़े। टीम के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए, जिनमें तीन खिलाड़ी शून्य पर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से ब्रायडन कार्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। बेन स्टोक्स ने 3 और जोश टंग ने 2 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 1 विकेट मिला।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। दूसरे दिन पहले सेशन के दौरान उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। सुबह एटकिंसन ने नाइटवॉचमैन स्कॉट बोलैंड का विकेट लिया, लेकिन अपने पांचवें ओवर की आखिरी गेंद डालते समय उन्हें परेशानी महसूस हुई। गेंद डालने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी बाईं जांघ पकड़ ली और इलाज के लिए ड्रेसिंग रूम चले गए। उनकी जगह सब्स्टीट्यूट फील्डर ओली पोप को मैदान में उतारा गया। लंच के बाद एटकिंसन दोबारा मैदान पर नहीं लौटे। एटकिंसन ने इस टेस्ट के पहले दिन 14 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में खेला गया। मैच के पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 152 रन पर ऑलआउट हो गई, जबकि इंग्लैंड की टीम 110 रन ही बना सकी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 42 रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 45।2 ओवर में और इंग्लैंड की पहली पारी 29।5 ओवर में खत्म हुई। यानी 75।1 ओवर में 20 विकेट गिर गए। यह 123 साल में पहली बार है, जब एशेज के दौरान मेलबर्न में पहले ही दिन इतने विकेट गिरे हों। इससे पहले 1901-02 में पहले दिन 25 विकेट गिरे थे।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले टिम डेविड चोटिल

चोट के बावजूद उन्होंने जिताऊ पारी खेली

सिडनी, 27 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज टिम डेविड बिग बैश लीग के एक मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हो गए। यह चोट उन्हें होबार्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच खेले गए मैच में लगी।

चोट लगने के बावजूद टिम डेविड ने मैदान नहीं छोड़ा और टीम को जीत तक पहुंचाया। उन्होंने 28 गेंदों में 42 रन की अहम पारी खेली, जिसकी मदद से होबार्ट हरिकेन्स ने 151 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। यह टीम की सीजन की तीसरी जीत रही।

ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम घोषित नहीं की है। टूर्नामेंट 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में प्रस्तावित है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं को अगले महीने की शुरुआत में स्क्वॉड का ऐलान करना है और फिटनेस को लेकर चिंता के बावजूद टिम डेविड के चयन की संभावना जताई जा रही है। टिम डेविड इससे पहले 2022 और 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पिछले महीने होबार्ट में भारत के खिलाफ खेली गई उनकी 74 रन की पारी ने मिडिल ऑर्डर में उनकी अहमियत को फिर साबित किया था।

अगर चोट गंभीर होती है और वह टूर्नामेंट से बाहर होते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका होगा। टिम डेविड ने अब तक 56 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,231 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 39।70 और स्ट्राइक रेट 172।89 रहा है। उनके नाम एक शतक और सात अर्धशतक दर्ज हैं।

टिम डेविड का आईपीएल में भी प्रभावी प्रदर्शन रहा है। वह फिनिशर की भूमिका में लगातार उपयोग किए जाते रहे हैं और सीमित गेंदों में तेजी से रन बनाने की क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं।

इस साल ऑस्ट्रेलिया के लिए उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया। नंबर चार और पांच पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 10 पारियों में 395 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 49 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट करीब 197 रहा। ऑस्ट्रेलिया और होबार्ट हरिकेन्स के साथी खिलाड़ी नाथन एलिस ने उम्मीद जताई है कि टिम डेविड समय पर फिट हो जाएंगे।

मंत्री जुपल्ली की दूरदर्शी पहल : अलग-थलग आदिवासी समुदायों के लिए महानगरीय अनुभव

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी समुदायों और आधुनिक दुनिया के बीच व्याप्त सामाजिक-आर्थिक अंतर को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पर्यटन, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री तथा आदिलाबाद जिले के प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने दूरस्थ कुम्मरिकुंटा आदिवासी बस्ती के निवासियों के लिए शिक्षा एवं अनुभव यात्रा की घोषणा की है। शनिवार को उत्नूर मंडल स्थित गांव का दौरा करते हुए मंत्री ने गोंड आदिवासी परिवारों से सीधे संवाद किया और उनके बीच बैठकर जंगल के भीतर, आधुनिक सुविधाओं से दूर रहने वाले लोगों की समस्याओं को समझा। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री जुपल्ली ने क्षेत्र की विडंबना की ओर इशारा करते हुए कहा कि जहां एक ओर आदिलाबाद को दुनिया भर के पर्यटक मिनी कश्मीर के रूप में पहचानते हैं, वहीं यहां की धरती के असली पुत्र आधुनिक दुनिया की प्रगति से आज भी अनजान हैं।

इस स्थिति को बदलने के लिए उन्होंने घोषणा की कि पर्यटन और संस्कृति विभाग की ओर से कुम्मरिकुंटा के निवासियों को सभी खर्चों के साथ राज्य की राजधानी हैदराबाद ले जाया जाएगा। इस यात्रा के दौरान आदिवासी परिवारों को शहर की ऐतिहासिक विरासत, आधुनिक गगनचुंबी इमारतें और मेट्रो रेल जैसी सुविधाएं दिखाई जाएंगी। युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से उन्हें क्रिकेट, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसी खेल सुविधाओं से भी परिचित कराया जाएगा। मंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज को केवल जंगलों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें दुनिया को देखकर उस ज्ञान का उपयोग अपने क्षेत्र के विकास के लिए करना चाहिए। भारत की स्वतंत्रता के 78 वर्षों के बाद भी आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री जुपल्ली ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी हस्तक्षेप के माध्यम से इन बस्तियों के जीवन स्तर को तत्काल ऊपर उठाया जाए। उन्होंने शिक्षा को परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए वयस्कों से कम से कम अपने हस्ताक्षर करना सीखने का आह्वान किया, ताकि वे शोषण से बच सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भरता हासिल करना ही कोमाराम भीम और रामजी गोंड जैसे आदिवासी नायकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार स्लेट, किताबें, यूनिफॉर्म और सभी आवश्यक शैक्षणिक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य इन चार मूलभूत आवश्यकताओं को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से वादा किया कि गुडेम की प्रत्येक पात्र आदिवासी परिवार को पक्का मकान प्रदान किया जाएगा।

अपनी यात्रा के दौरान तात्कालिक कल्याण उपाय के तहत मंत्री ने बुजुर्गों को कंबल भी वितरित किए। दौरे के समापन पर मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने दोहराया कि राज्य की सांस्कृतिक आदान-प्रदान नीति के तहत आदिवासी विरासत का संरक्षण करते हुए प्रत्येक नागरिक को विकास की यात्रा में समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

हैदराबाद पुलिस खाद्य मिलावट पर विशेष विंग बनाएगी

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस शहर में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक विशेष विंग, खाद्य मिलावट रोधी टीम (एएफएटी), का गठन करेगी। टीम का पर्यवेक्षण डीसीपी रैंक के अधिकारी द्वारा किया जाएगा और यह खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण, जीएचएमसी और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय करेगी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने कहा कि टीम का उद्देश्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकना और मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना होगा। पुलिस ने पहले भी दूध, लहसुन-अदरक पेस्ट, चॉकलेट, चाय पाउडर जैसे खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ छापे मारे हैं। सज्जनार ने बताया कि टीम ऐसे मामलों की जांच करेगी जहां दूध के पैकेट या अन्य उत्पाद असामान्य रूप से सस्ते या महंगे बेचे जा रहे हैं।

जगतियाल में डीएमएचओ डॉ. अकुला श्रीनिवास का निधन

जगतियाल, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अकुला श्रीनिवास का शनिवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉ. श्रीनिवास ने हाल ही में अपने पूर्ववर्ती के प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के बाद डीएमएचओ का पदभार संभाला था। इससे पहले वे स्वास्थ्य विभाग में कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। वे जगतियाल कस्बे के मूल निवासी थे और स्थानीय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। समाज के विभिन्न वर्गों से उनके अच्छे संबंध थे। उनके आकस्मिक निधन पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया।

मैं कांग्रेस के साथ हूं, बीआरएस से कोई संबंध नहीं : विधायक दानम

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने स्पष्ट किया है कि वे कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं और उनका भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से कोई संबंध नहीं है। हालांकि वे बीआरएस से विधायक चुने गए थे और वर्तमान में पार्टी बदलने तथा अयोग्यता याचिकाओं से जुड़े मामलों का सामना कर रहे हैं, फिर भी उन्होंने कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई। शनिवार को हिमायतनगर डिवीजन में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान दानम नागेंद्र ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वे इस्तीफा देकर उपचुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं और भारी बहुमत से जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि वे छह बार चुनाव जीत चुके हैं और उन्हें उपचुनाव का कोई भय नहीं है। दानम नागेंद्र ने कहा, मैं यह बात अपने कार्यकर्ताओं के विश्वास और समर्थन के आधार पर कह रहा हूं। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं, चाहे मैं कोई भी निर्णय लूं। यदि जरूरत पड़ी तो इस्तीफा देकर उपचुनाव लड़ने की मेरी तैयारी पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रोत्साहन से ही है। बीआरएस से कांग्रेस में आए 10 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं अभी लंबित हैं। दानम नागेंद्र पहले ही कह चुके हैं कि यदि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी उन्हें इस्तीफा देने का निर्देश देते हैं तो वे इसके लिए तैयार हैं। उनके ताजा बयान से तेलंगाना की राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

वंदे मातरम् भारत की एकता, बलिदान और राष्ट्र प्रथम भावना का प्रतीक : किशन रेड्डी

सीबीसी द्वारा आयोजित फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि बलिदान, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरित किया। वे सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन (सीबीसी) द्वारा विवेक वर्धिनी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में आयोजित फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

यह प्रदर्शनी वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। किशन रेड्डी ने कहा कि वंदे मातरम् ने ब्रिटिश शासन की फूट डालो और राज करो नीति के खिलाफ भारतीयों को एकजुट किया। यह नारा जाति, धर्म और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर 1905 के बंगाल विभाजन आंदोलन से लेकर 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन तक गूंजता रहा। उन्होंने 1938 के हैदराबाद वंदे मातरम् आंदोलन का भी उल्लेख किया, जिसे निज़ाम शासन द्वारा प्रतिबंधित किया गया था और जिसमें छात्रों व बुद्धिजीवियों ने बलिदान दिया। उन्होंने हैदराबाद के भारत में विलय के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए इसे गर्व का क्षण बताया। 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंत्री ने नागरिकों से राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के विजन में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर सीबीसी और पीआईबी की अपर महानिदेशक श्रुति पाटिल ने कहा कि वंदे मातरम् आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है और भारत की आत्मिक शक्ति व दृढ़ता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी राष्ट्रीय गौरव को पुनर्जीवित करने और नागरिकों के देश के साथ भावनात्मक व सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। वंदे मातरम् और एक भारत श्रेष्ठ भारत पर आधारित दुर्लभ तस्वीरों वाली यह प्रदर्शनी 31 दिसंबर 2025 तक आम जनता के लिए खुली रहेगी। इसमें युवाओं को आकर्षित करने के लिए इंटरैक्टिव क्विज़ और डिजिटल सेल्फी कियोस्क भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के विरोध में शिवसेना का प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित हमलों के विरोध में शिवसेना पार्टी, तेलंगाना की ओर से हैदराबाद स्थित स्टेट ऑफिस में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर शिवसेना के तेलंगाना स्टेट प्रेसिडेंट सिंकारू शिवाजी ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया और केंद्र सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सिंकारू शिवाजी ने कहा कि जिस तरह पाकिस्तान पर आईपीएल में प्रतिबंध लगाया गया है, उसी तरह बांग्लादेश पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों को आईपीएल से पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए और भारत को बांग्लादेश के साथ किसी भी प्रकार की क्रिकेट सीरीज नहीं खेलनी चाहिए। शिवाजी ने कहा कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, तब वहां के खिलाड़ियों को भारत में करोड़ों रुपये देकर खेलने का अवसर देना अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले योजनाबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं और इस मुद्दे पर कई बुद्धिजीवी, वामपंथी और सेक्युलर दल चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश के हिंदू भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं और ऐसे में भारत की जिम्मेदारी बनती है कि वह उनकी रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। शिवाजी ने केंद्र सरकार से नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को तत्काल लागू करने की मांग करते हुए कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और पारसी समुदाय के लोगों को भारत में सुरक्षित आश्रय दिया जाना चाहिए। शिवसेना नेता ने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को तुरंत बाहर भेजने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना, विशेषकर हैदराबाद में रोहिंग्या और अन्य अवैध प्रवासी खुलेआम रह रहे हैं और कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के लिए उन्हें संरक्षण दे रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान शिवसेना कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की निंदा करते हुए नारे लगाए और केंद्र सरकार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश को जवाबदेह ठहराने की मांग की।

मालविका आनंद लता मंगेशकर समर्पित कार्यक्रम में देंगी लाइव प्रस्तुति

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात शास्त्रीय और भक्ति गायिका मालविका आनंद सोमवार, 29 दिसंबर को रामकोट स्थित तेलंगाना सरस्वती परिषद हॉल में लता मंगेशकर को समर्पित विशेष कार्यक्रम 'लग जा गले' में लाइव प्रस्तुति देंगी। हैदराबाद की प्रतिभाशाली गायिका मालविका आनंद ने भारत और विदेश में 700 से अधिक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। उनका सबसे यादगार प्रदर्शन हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हुआ। उन्हें दशहरा उत्सव के दौरान विश्व प्रसिद्ध मैसूर पैलेस में प्रस्तुति देने का भी निमंत्रण मिला था। मालविका ने तीन सीडी एल्बम रिकॉर्ड किए हैं और वह आठ अलग-अलग भाषाओं में गा सकती हैं। वर्तमान में वह हैदराबाद सिस्टर्स हरि प्रिया से कर्नाटक संगीत और नित्या संतोषिनी से भक्ति एवं हल्का संगीत सीख रही हैं। इसके अलावा, गायिका ने पोस्ट ग्रेजुएशन बिजनेस मैनेजमेंट में किया है और वर्तमान में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत हैं।

करीमनगर में साइबर अपराध बढ़ा, कुल अपराध दर में कमी

करीमनगर, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 2025 में करीमनगर पुलिस आयुक्त क्षेत्र में कुल अपराध दर 16.84 प्रतिशत घट गई, लेकिन साइबर अपराध के मामले बढ़े। पिछले वर्ष की तुलना में साइबर अपराध के 68 मामले अधिक दर्ज किए गए; 2024 में 208 मामले थे, जो इस वर्ष बढ़कर 276 हो गए। एनआरसीपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 2,437 याचिकाओं में से 280 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई, 205 मामलों का पता सीडीआर से चला और 352 मामलों में 1.10 करोड़ रुपये की राशि वापस की गई। आईपीसी और एसएलएल के तहत कुल मामले 2024 में दर्ज 6,164 से घटकर 5,126 रह गए। चोरी, हत्या, बलात्कार, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध, आत्महत्या और गुमशुदा मामलों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस आयुक्त गौश आलम ने बताया कि वर्ष 2025 काफी हद तक घटना-मुक्त रहा। महिला पुलिस कर्मियों को प्राथमिकता देकर विभिन्न विभागों में तैनात किया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात नियमों का प्रभावी पालन कराया गया।

सीपी ने कहा कि क्यूआर कोड आधारित नागरिक प्रतिक्रिया प्रणाली में करीमनगर कमिश्नरेट ने राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें 210 प्रतिक्रियाएं मिलीं, 209 सकारात्मक और केवल एक नकारात्मक थी। नव वर्ष समारोह के दौरान 44 चेक प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे, जिनमें शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच की जाएगी। बस स्टैंडों और अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा टीमें तैनात होंगी। लोअर मनैर बांध और केबल ब्रिज पर लोगों को जाने की अनुमति नहीं होगी और 31 दिसंबर की रात को डीजे साउंड सिस्टम और पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। फार्महाउस और गेस्ट हाउसों में नशीली दवाओं के सेवन पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और ड्रग टेस्टिंग किट का इस्तेमाल किया जाएगा।

नववर्ष समारोह के दौरान नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु विशेष टीमें गठित

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार, हैदराबाद नारकोटिक एनफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) द्वारा कानून एवं व्यवस्था पुलिस, सिटी आर्म्ड रिज़र्व (सीएआर) मुख्यालय के कर्मियों तथा नारकोटिक डॉग स्क्वाड के समन्वय से विशेष टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों को 10 क्लस्टरों में विभाजित कर आगामी नववर्ष समारोह को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न पब, क्लब, बार एवं रेस्टोरेंटों में आकस्मिक और विशेष जांच अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य नशीले पदार्थों के दुरूपयोग को रोकना और हैदराबाद शहर में सार्वजनिक शांति एवं व्यवस्था बनाए रखना है। नववर्ष विशेष अभियान के तहत 26 दिसंबर 2025 को गठित 10 क्लस्टर टीमों में से 6 डिकॉय (गुप्त) टीमों को तैनात किया गया, जिन्होंने हैदराबाद शहर के विभिन्न पब, बार और रेस्टोरेंटों में अचानक जांच की।

टीमों ने प्रबंधन एवं आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा पहुंचाए बिना गोपनीय एवं आकस्मिक जांच की। इन परिसरों के आसपास एवं भीतर संदिग्ध व्यक्तियों की रैपिड ड्रग टेस्टिंग किट के माध्यम से जांच की गई, जिसमें सभी रिपोर्ट नकारात्मक पाई गईं। यह अभियान हैदराबाद नारकोटिक एनफोर्समेंट विंग (एच-न्यू), कानून एवं व्यवस्था पुलिस, सीएआर मुख्यालय पुलिस तथा स्निफर डॉग टीम की सक्रिय सहभागिता से संचालित किया गया। इन क्लस्टर टीमों का नेतृत्व एच-न्यू के निरीक्षक जी.एस. डैनियल एवं श्री एस. बालास्वामी ने किया। संपूर्ण अभियान का प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण वैभव गायकवाड़, पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स / एच-न्यू द्वारा किया गया। हैदराबाद सिटी पुलिस नशामुक्त, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण नववर्ष समारोह सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। नववर्ष अवधि के दौरान अपराधियों को हतोत्साहित करने एवं जनहित की सुरक्षा के लिए ऐसे विशेष अभियान पूरे शहर में लगातार जारी रहेंगे।

काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर 50 व्हीलचेयर भेंट, टीटीई विश्राम कक्ष का आधुनिकीकरण

हैदराबाद, 27 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर एक की ओर से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत 50 व्हीलचेयर रेल प्रशासन को सौंपी गईं। कंपनी के प्रतिनिधि ने ये व्हीलचेयर हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा को प्रदान कीं।

इन व्हीलचेयरों को हैदराबाद मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक इति पांडे तथा हैदराबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध पामर जेड सहित अन्य रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में हैदराबाद मंडल द्वारा काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर्स (टीटीई) के विश्राम कक्ष का 10 लाख रुपये की लागत से उन्नयन एवं नवीनीकरण किया गया है। नवीनीकरण के बाद विश्राम कक्ष में अंतराष्ट्रीय स्तर के बंकर बेड, ब्रांडेड गद्दे व रजाइयां, पांच एयर कंडीशनर, बेहतर प्रकाश व्यवस्था एवं वेंटिलेशन तथा स्वच्छ और आधुनिक इंटीरियर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त पेंट्री एवं डाइनिंग सुविधा के अंतर्गत वाटर डिस्पेंसर, दो इंडक्शन स्टोव, रसोई उपकरण एवं छह सीटर डाइनिंग टेबल की व्यवस्था की गई है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिम उपकरणों में एलिप्टिकल क्रॉस ट्रेनर और फिटनेस बाइक भी स्थापित की गई है।

इस नई सुविधा से पहले जहां छह बेड की क्षमता थी, उसे बढ़ाकर अब 18 बेड कर दिया गया है। यह दक्षिण मध्य रेलवे में टीटीई कर्मचारियों के लिए अपनी तरह की पहली आधुनिक विश्राम सुविधा है। नवीनीकृत टीटीई विश्राम कक्ष का उद्घाटन आज इति पांडे, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने किया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. अनिरुद्ध पामर जेड सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जय मिथिला जय मैथिली
मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद
अपन वार्षिकोत्सव
विद्यापतिपर्व-समारोह
मे अपने लोकनिकेँ सादर, सपरिवार आमंत्रित करैत अछि
तिथि एवं समय 28 दिसंबर 2025, 3 बजेसँ
स्थान : के.वी.आर. गार्डेन्स, कोमपल्ली, सिकंदराबाद
(सिने प्लैनेट के पाछू)
कार्यक्रम विवरण
1. मैथिली प्रश्नमंच (तत्काल पुरस्कार) : 03.00 बजेसँ
2. उद्घाटन एवं सम्मान समारोह : 05.00 बजेसँ
3. मैथिली रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम : 06.30 बजेसँ अनवरत
4. रात्रिभोज : 07.30 बजेसँ
मुख्य अतिथि: श्री धीरेन्द्र कुमार झा
(प्रख्यात मैथिली लेखक एवं कवि)
विशिष्ट अतिथि : श्री अक्षय आनन्द 'सन्नी'
(मैथिली कवि एवं पत्रकार)
सांस्कृतिक कार्यक्रम
सुश्री शिवानी झा, आयुष्मान शेखर एवं सहयोगी द्वारा
अपनेक गरिमामय उपस्थितिक प्रतीक्षा मे
अनिल कुमार झा, महासचिव, 9490298901
रजनीश कुमार झा, कार्यकारी अध्यक्ष, 9989312492
विनय कुमार झा, अध्यक्ष, 9177613815

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.